जबलपुर शनिवार 30 मई 2026 > शक संवत 1948, ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्दशी

वर्ष 31 अंक 330 मूल्य ₹ 3.00 > पेज 12 > आर.एन.आई. पंजीयन नम्बर 64561/96

www.swatantramat.com

ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी
⏩ 10

स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें * स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।

मौसम

अधिकतम तापमान 40.1°C

न्यूनतम तापमान 26.4°C

सूर्योदय -5.24 | सूर्यास्त - 6.51

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया 3000
⏩ 2

सैराब में दिखेगी मशहूर पॉप स्टार और एक
⏩ 7

चड्ढा ऑटोनॉमस कॉलेज के बीबीए तृतीय वर्ष की छात्राओं
⏩ 9

मध्यप्रदेश ने गेहूं उपार्जन में नया रिकॉर्ड बनाया : डॉ. यादव

किसानों से अब तक 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया

भोपाल (स्वतंत्र मत)

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि राज्य सरकार ने इस वर्ष गेहूं उपार्जन में अपने सभी लक्ष्य हासिल करते हुए नया रिकॉर्ड स्थापित किया है। प्रदेश में किसानों से अब तक रिकॉर्ड 104 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद हो चुकी है। राज्य सरकार ने गेहूं उत्पादक किसानों को 2585 रुपये न्यूनतम समर्थन मूल्य और प्रति क्विंटल 40 रुपए बोनस का लाभ दिया है। किसानों को 2625 रुपए प्रति क्विंटल गेहूं का भुगतान किया। अब तक किसानों को गेहूं उपार्जन की 24 हजार करोड़ राशि दी जा चुकी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उज्जैन में आज वीडियो संदेश के माध्यम से ये जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गेहूं खरीदने के लिए किसानों की संख्या के मामले में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। प्रदेश में इस वर्ष गेहूं की पैदावार बढ़ी है। देश में सर्वाधिक गेहूं उत्पादन वाले राज्यों में पंजाब के बाद मध्यप्रदेश दूसरे स्थान पर है। मध्यप्रदेश

सर्वाधिक लंबे समय तक गेहूं खरीद की व्यवस्था लागू करने वाला एकमात्र राज्य है।

किसानों का गेहूं गोदामों तक पहुंचा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि छोटे और मध्यम श्रेणी के किसानों से पहले गेहूं खरीदा गया। यह व्यवस्था प्रदेश में पहली बार लागू की गई। छोटे किसानों से अब तक लगभग 32.72 लाख मीट्रिक टन गेहूं खरीदा गया है। इसके बाद बड़े किसानों को अपनी उपज बेचने का अवसर मिला। अब तक लगभग पौने 14 लाख किसानों से समर्थन मूल्य पर गेहूं उपार्जन कर लिया गया है। सरकारी खरीद के लिए पंजीयन कराने वाले सभी किसान भाई-बहनों का गेहूं गोदाम तक पहुंच चुका है।

किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि पश्चिम एशिया में युद्ध की स्थिति और विश्व में उत्पन्न विषम परिस्थितियों के बावजूद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने किसानों के हितों को सर्वोपरि रखा है। इस कठिन दौर में भी रिकॉर्ड गेहूं खरीदी की गई है। राज्य सरकार किसानों के लिए अनेक जन हितैषी निर्णय ले रही है।

आंधी ने गिराया पुल, छः मजदूरों की मौत

हमीरपुर। हमीरपुर जिले के ललपुरा और कुरारा क्षेत्र को जोड़ने के लिए बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का एक हिस्सा गुरुवार देर रात आए तेज आंधी-तूफान और भीषण बारिश के कारण अचानक ढह गया। इस हादसे में 6 मजदूरों की मलबे में दबकर दर्दनाक मौत हो गई। जबकि, तीन बुरी तरह घायल हो गए। वहीं, घटना की सूचना मिलते ही पुलिस, जिला प्रशासन और एसडीआरएफ की टीमों ने मौके पर पहुंचकर राहत एवं बचाव कार्य शुरू किया। राहत दल ने मलबे को हटाकर शवों को बाहर निकाला और पिलर पर फंसे अन्य मजदूरों को सुरक्षित बचाया। इस बीच सीएम योगी आदित्यनाथ ने इस दुखद हादसे का संज्ञान लिया है और मुआवजे का ऐलान किया है। थाना ललपुरा क्षेत्र के मोराकंदर परसानी और थाना कुरारा क्षेत्र के नैथी गांव को जोड़ने के लिए बेतवा नदी पर इस 900 मीटर लंबे पुल का निर्माण कार्य चल रहा था। गुरुवार रात करीब तीन बजे मौसम खराब होने पर तेज आंधी और बारिश शुरू हो गई। इस दौरान निर्माणाधीन पुल का भारी-भरकम स्लैब अचानक भरभराकर नीचे गिर गया। उस समय कई मजदूर स्लैब के नीचे और उसके आसपास थे, जो अचानक हुए इस हादसे के कारण मलबे में पूरी तरह दब गए।

मप्र के शिक्षकों को टीईटी परीक्षा जरूरी

सुप्रीम कोर्ट ने कहा- बच्चों के भविष्य से समझौता नहीं, पात्रता परीक्षा अनिवार्य

नई दिल्ली/भोपाल

मध्यप्रदेश के डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों को शिक्षक पात्रता परीक्षा देनी ही पड़ेगी। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को रिव्यू पिटीशनों पर फैसला सुनाते हुए कहा कि बच्चों के बेहतर शैक्षणिक विकास और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के लिए शिक्षकों का टीईटी पास करना जरूरी है। कोर्ट ने यह भी साफ किया कि यह फैसला सिर्फ मध्यप्रदेश तक सीमित नहीं है, बल्कि देशभर के इन-सर्विस शिक्षकों पर लागू होगा। जिन राज्यों में अब तक पुराने शिक्षकों को टीईटी से छूट मिली हुई थी, वहां भी अब यह आदेश प्रभावी माना जाएगा। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने राहत देते हुए परीक्षा पास करने की समय-सीमा 2 साल

से बढ़ाकर 3 साल कर दी है। अब शिक्षकों को 31 अगस्त 2028 तक टीईटी पास करने का मौका मिलेगा। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि समीक्षा के अधीन आदेश में कोई त्रुटि नहीं है और याचिकाकर्ता राहत पाने के हकदार नहीं हैं। कोर्ट ने माना कि बड़ी संख्या में शिक्षकों की सेवा प्रभावित होने से शिक्षा व्यवस्था पर असर पड़ सकता है, लेकिन बच्चों का हित सर्वोपरि है। कोर्ट ने कहा कि कानून व्यवहारिक भी होना चाहिए। बच्चों की पढ़ाई की निरंतरता बनाए रखने के लिए सीमित राहत देते हुए टीईटी पास करने की समय-सीमा 2 साल से बढ़ाकर 3 साल की जा रही है।

साल में दो बार टीईटी कराने के निर्देश

सुप्रीम कोर्ट ने सभी राज्यों को निर्देश दिए हैं कि टीईटी परीक्षा साल में कम से कम दो बार आयोजित की जाए। कोर्ट ने कहा कि शिक्षकों को पर्याप्त अवसर मिलना चाहिए। साथ ही स्पष्ट कर दिया कि अब आगे कोई अतिरिक्त समय नहीं दिया जाएगा। इसके साथ ही सभी रिव्यू पिटीशन खारिज कर दी गई।

पहले 2 साल की समय-सीमा तय थी

सुप्रीम कोर्ट ने अंजुमन इशात-ए-तालीम ट्रस्ट मामले में इन-सर्विस शिक्षकों के लिए टीईटी अनिवार्य रखने का फैसला बरकरार रखा। इससे पहले 1 सितंबर 2025 के आदेश में कोर्ट ने दो साल के भीतर पात्रता परीक्षा पास करने को कहा था। अब इसमें एक साल की अतिरिक्त मोहलत दी गई है। कोर्ट ने अपने आदेश में यह भी कहा कि टीईटी सिर्फ नौकरी की शर्त नहीं, बल्कि बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने की संवैधानिक आवश्यकता है।

फैसले के बाद शिक्षक संगठनों में नाराजगी

फैसले के बाद शिक्षक संगठनों ने नाराजगी जताई है। ट्राइबल वेलफेयर टीचर्स एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष डीके सिंगोर ने कहा कि संगठन आदेश की समीक्षा कर रहा है। उनका कहना है कि पुराने शिक्षकों पर टीईटी की अनिवार्यता सेवा अधिकारों के साथ अन्याय है। अध्यापक शिक्षक संयुक्त मोर्चा ने भी फैसले का विरोध करते हुए कहा है कि वह इस मुद्दे पर संसद से लेकर सुप्रीम कोर्ट तक लड़ाई जारी रखेगा।

'मौत का जाम...मचा कोहराम'

पुणे।

महाराष्ट्र में जहरीली शराब पीने से पिछले 24 घंटे में 17 से अधिक लोगों की मौत हो गई है। ये मौतें हडपसर, फुगेवाड़ी, दापोडी और पिंपरी इलाके में हुई हैं। पुलिस और राज्य आबकारी विभाग ने जॉइंट कार्रवाई करते हुए 8 लोगों को हिरासत में लिया है। इनमें एक अवैध शराब कारोबारी भी शामिल है। जांच में सामने आया है कि शराब में मेथेनॉल हो सकता है।

महाराष्ट्र में जहरीली शराब ने ली 17 लोगों की जान

मामला सामने आने के बाद सीएम देवेंद्र फडणवीस ने जांच के आदेश दे दिए हैं। स्थानीय नागरिकों ने आरोप लगाया है कि प्रतिबंधित हाथ भट्टी की जहरीली शराब पीने से इन लोगों की मौत हुई है। इस मामले को लेकर पुलिस प्रशासन पर भी सवाल उठ रहे हैं। राष्ट्रवादी कांग्रेस के नेता तथा पूर्व महापौर योगेश बहल ने मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की है। हालांकि, पिंपरी-चिंचवड़ पुलिस का कहना है कि 5 लोगों की मौत अलग-अलग कारणों से हुई है। लेकिन मृतकों में कई लोगों को मौत से पहले चक्कर आया था, जिससे जहरीली शराब की आशंका जताई गई है। फिलहाल पुलिस पूरे मामले की जांच में जुटी है। राज्य उत्पाद शुल्क विभाग के एसपी अतुल कनाडे ने कहा कि मामले की गहन जांच जारी है और किसी भी आरोपी को बख्शा नहीं जाएगा। इस घटना को लेकर मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने भी सख्त रुख अपनाया है। उन्होंने पुणे और पिंपरी चिंचवड़ पुलिस कमिश्नर को सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। मामले की जांच अब क्राइम ब्रांच की विशेष टीम को सौंपी गई है। पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार आरोपी योगेश वानखेड़े पर पहले से देशी शराब बेचने के तीन मामले दर्ज हैं। फिलहाल पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि जहरीली शराब का नेटवर्क कितने बड़े स्तर पर फैला हुआ है।

5वीं-8वीं की पुन: परीक्षा की नई तारीखें जारी

भोपाल (स्वतंत्र मत)। राज्य शिक्षा केंद्र ने कक्षा 5वीं और 8वीं की पुन: परीक्षा सत्र 2025-26 की संशोधित समय-सारणी जारी कर दी है। पहले घोषित कार्यक्रम में आंशिक बदलाव करते हुए अब परीक्षाएं 16 जून से 23 जून 2026 के बीच आयोजित की जाएंगी। इस संबंध में राज्य शिक्षा केंद्र ने सभी जिलों के कलेक्टरों को निर्देश जारी कर दिए हैं। राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा जारी आदेश के अनुसार, अपरिहार्य कारणों के चलते पुन: परीक्षा की तिथियों में बदलाव किया गया है। पहले जारी टाइम टेबल में संशोधन करते हुए अब परीक्षाएं निर्धारित नई तारीखों पर आयोजित होंगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा का आयोजन परिशिष्ट-1 और 2 में दी गई संशोधित समय-सारणी के अनुसार किया जाएगा।

नीट पेपर लीक विवाद

एनटीए ने स्वास्थ्य मंत्रालय पर फोड़ा ठीकरा

नई दिल्ली। देश की सबसे बड़ी मेडिकल प्रवेश परीक्षा नीट-यूजी 2026 का पेपर लीक विवाद अब देश की सर्वोच्च अदालत की दहलीज पर है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की पीठ ने आज उन याचिकाओं पर सुनवाई की, जिसने पूरे देश के परीक्षा सिस्टम को हिलाकर रख दिया है। कोर्ट ने पिछली सुनवाई में नेशनल टेस्टिंग एजेंसी को कड़ी फटकार लगाते हुए बेहद तल्ख टिप्पणी की थी कि यह दुखद है कि एनटीए ने पिछले अनुभवों से कोई सबक नहीं सीखा। आज दोपहर एक बजे के करीब एनटीए ने अपना हलफनामा कोर्ट में पेश किया। हलफनामे की एक खास लाइन में एनटीए ने सीधे तौर पर खुद को बचाते हुए 'पेन एंड पेपर' (ओएमआर) मोड का ठीकरा स्वास्थ्य मंत्रालय और नेशनल मेडिकल कमीशन पर फोड़ दिया है। एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट से साफ-साफ कहा है कि नीट (यूजी) को 'पेन और पेपर' मोड में सिर्फ इसलिए कराया गया क्योंकि स्वास्थ्य मंत्रालय और एनएमसी की योजना/नियम ही ऐसा कहते हैं। बाकी हमारे जितने भी बड़े एग्जाम्स हैं, वे सब हम पहले से ही कंप्यूटर बेस्ड टेस्ट मोड में करा रहे हैं। एनटीए ने हाई-लेवल कमिटी की निगरानी में बड़े सुधारों का दावा किया। एनटीए ने अपने हलफनामा में साफ किया है कि इसरो के पूर्व चेयरमैन डॉ. के. राधाकृष्णन समिति की सिफारिशों को समयबद्ध तरीके से लगातार लागू किया जा रहा है। मेडिकल एसोसिएशंस ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर एनटीए को पूरी तरह भंग करने या इसके शीर्ष प्रशासनिक ढांचे में आमूलचूल बदलाव करने की मांग की है।

मैट पर लौटेंगी विनेश फोगाट

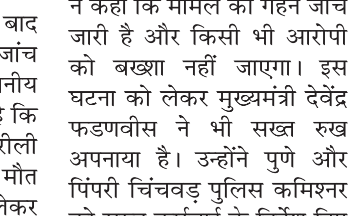

नई दिल्ली। भारतीय महिला पहलवान विनेश फोगाट को सुप्रीम कोर्ट से बड़ी राहत मिली है। शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट ने उन्हें 2026 एशियन गेम्स के चयन ट्रायल्स में हिस्सा लेने की अनुमति दे दी। ये ट्रायल्स 30 और 31 मई को आयोजित होने हैं। जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यह आदेश उस याचिका पर सुनवाई करते हुए दिया, जिसे भारतीय कुश्ती महासंघ ने दिल्ली हाईकोर्ट के फैसले के खिलाफ दायर किया था। सुनवाई के दौरान जस्टिस नरसिम्हा ने कहा, आप शानदार रेसलर हैं, आपने देश को गर्व महसूस कराया है, लेकिन देश पहले है। हाईकोर्ट पूरे शेड्यूल को बाधित नहीं कर सकता।

'तारीख पर तारीख' अब और नहीं

नई दिल्ली। अदालतों में लंबित मामलों और फैसलों में होने वाली देरी पर चिंता जताते हुए सुप्रीम कोर्ट ने देश के सभी हाईकोर्ट के लिए अनिवार्य दिशा-निर्देश जारी किए हैं। शीर्ष अदालत ने आरक्षित फैसलों, जमानत आदेशों और उनके कारणों को सार्वजनिक करने के लिए स्पष्ट समयसीमा तय की है। सुप्रीम कोर्ट ने निर्देश दिया है कि किसी भी मामले में फैसला सुरक्षित रखे जाने के बाद उसे अधिकतम तीन महीने के भीतर सुनाया जाना चाहिए। वहीं जमानत से जुड़े मामलों में आदेश आदर्श रूप से अगले दिन जारी किया जाए और उसी दिन जेल प्रशासन तक पहुंचाया जाए। अदालत ने यह भी कहा कि जिन अंडरट्रायल कैदियों को जमानत मिल चुकी है, उनकी रिहाई उसी दिन या अधिकतम अगले दिन सुनिश्चित की जानी चाहिए। नए दिशानिर्देशों के अनुसार, अदालत पहले आदेश का प्रभावी हिस्सा खुले कोर्ट में सुनाएगी और उसके विस्तृत कारण सात दिनों के भीतर वेबसाइट पर अपलोड किए जाएंगे। जिस दिन फैसला सुरक्षित रखा गया हो, उसकी जानकारी भी संबंधित हाईकोर्ट की वेबसाइट पर प्रदर्शित की जाएगी। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया है कि यदि निर्धारित समयसीमा का पालन नहीं किया जाता है तो मामला किसी अन्य पीठ को सौंपा जा सकता है। वहीं, यदि फैसले के कारण 30 दिनों के भीतर अपलोड नहीं किए जाते हैं तो मामला वापस लेकर नई पीठ के समक्ष भेजा जा सकता है।

छत से मिटे सबूत, किसकी थी करतूत

ट्विशा केस में सास और पति 5 दिन की सीबीआई रिमांड पर

भोपाल (स्वतंत्र मत)

एक्ट्रेस और मॉडल ट्विशा शर्मा मौत मामले में सीबीआई ने शुक्रवार को सास रिटायर्ड जज गिरिबाला सिंह और पति समर्थ सिंह को स्पेशल कोर्ट में पेश किया। जांच एजेंसी ने दोनों की 5-5 दिन की पुलिस रिमांड मांगी, जिसे कोर्ट ने मंजूर कर लिया। आरोपी पक्ष के वकील ने भी रिमांड का विरोध नहीं किया। सीबीआई ने कोर्ट में पेश पीआर आदेश में कहा कि समर्थ सिंह और गिरिबाला सिंह जांच में सहयोग नहीं कर रहे हैं। एजेंसी के मुताबिक, दोनों के अलग-अलग बयानों में विरोधाभास सामने आया है। ऐसे में दोनों को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करना जरूरी है। सीबीआई ने यह भी कहा कि मामले से जुड़े छत से मिटाए गए अहम सबूत फिर से जुटाने के लिए दोनों आरोपियों की पुलिस रिमांड आवश्यक है। समर्थ सिंह पहले से 7 दिन की सीबीआई रिमांड पर था। शुक्रवार को रिमांड खत्म होने के बाद उसे दोबारा कोर्ट में पेश किया गया। दोपहर 12.34 बजे से 2.08 बजे तक दोनों आरोपी कोर्ट रूम में मौजूद रहे। इसके बाद सीबीआई टीम उन्हें अपने साथ लेकर रवाना हो गई। सूत्रों के

मुताबिक, रिमांड के दौरान सीबीआई गिरिबाला सिंह और समर्थ सिंह को आमने-सामने बैठाकर पूछताछ करेगी। जांच एजेंसी समर्थ से यह भी पूछेगी कि फरारी के दौरान वह कहां रहा और किन लोगों के संपर्क में था। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, जांच में अब 'टनल व्यू इन्वेस्टिगेशन' तकनीक का इस्तेमाल किया जाएगा। इसके तहत एजेंसी ट्विशा के आखिरी घंटों का वर्चुअल रीक्रिएशन तैयार कर रही है। इसका मकसद घटना से पहले और बाद की हर गतिविधि को मिनट-दर-मिनट समझना है, ताकि मौत से जुड़ी परिस्थितियों की पूरी तस्वीर सामने आ सके।

ऋषिकेश में ट्विशा की अस्थियां विसर्जित

ट्विशा शर्मा के परिजन शुक्रवार को ऋषिकेश के त्रिवेणी घाट पहुंचे। यहां गंगा नदी में उनकी अस्थियों का विसर्जन किया गया। इस दौरान परिवार ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना और अन्य धार्मिक रस्में निभाईं। ट्विशा शर्मा के पिता नवनीधि शर्मा ने कहा, ट्विशा का ऋषिकेश और मां गंगा से गहरा लगाव था। वह घंटों तक गंगा किनारे बैठी रहती थी। इस जगह का उसके जीवन में विशेष महत्व था, इसलिए उसकी भावनाओं का सम्मान करते हुए हमने यहीं अस्थि विसर्जन करने का निर्णय लिया।

2 जून से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर जाएंगे एनएचएम संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी, सीएमएचओ को सौंपा ज्ञापन

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत कार्यरत संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों ने अपनी लंबित मांगों को लेकर आंदोलन का बिगुल फूंक दिया है। कर्मचारियों ने जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश उरैती के नेतृत्व में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को ज्ञापन सौंपते हुए शासन से शीघ्र मांगों के निराकरण की मांग की है। कर्मचारियों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया गया तो जिलेभर के संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी 2 जून 2026 से अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले जाएंगे। संविदा स्वास्थ्य कर्मचारियों का कहना है कि वे वर्षों से राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के अंतर्गत विभिन्न स्वास्थ्य सेवाओं में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन इसके बावजूद उन्हें नियमित कर्मचारियों जैसी सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। कर्मचारियों ने नियमितीकरण, वेतन विसंगति दूर करने, सामान्य कार्य के बदले सामान्य वेतन, महंगाई भत्ता, एनपीएस सुविधा, नौकरी सुरक्षा सहित अन्य मांगों को लेकर शासन के समक्ष कई बार अपनी बात रखी, लेकिन अब तक कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। जिला अध्यक्ष ओम प्रकाश उरैती ने कहा कि शासन की उदासीनता के कारण संविदा कर्मचारियों में भारी नाराजगी है। उन्होंने बताया कि यदि जल्द सकारात्मक निर्णय नहीं लिया गया तो 2 जून से जिलेभर में स्वास्थ्य सेवाओं से जुड़े संविदा कर्मचारी कार्य बहिष्कार करते हुए अनिश्चितकालीन हड़ताल शुरू करेंगे। उन्होंने बताया कि हड़ताल का सीधा असर जिले की स्वास्थ्य सेवाओं पर पड़ सकता है। विशेष रूप से टीकाकरण अभियान, प्रसूति सेवाएं, ग्रामीण क्षेत्रों में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवाएं, राष्ट्रीय स्वास्थ्य कार्यक्रम, मरीजों की जांच, प्राथमिक उपचार एवं आपातकालीन सेवाएं प्रभावित होने की आशंका है। वर्तमान गर्मी के मौसम में डायरिया, वायरल फीवर, लू एवं अन्य मौसमी बीमारियों से संबंधित स्वास्थ्य सेवाओं पर भी असर पड़ सकता है, जिससे आम जनता को परेशानी का सामना करना पड़ सकता है। ज्ञापन सौंपने के दौरान बड़ी संख्या में संविदा स्वास्थ्य कर्मचारी उपस्थित रहे। इनमें नेहा सिहारें, उपेन्द्र पारासर (जिला उपाध्यक्ष), जिला कोषाध्यक्ष, राजेश मरावी (जिला संयोजक), संतोष बर्मन (जिला सचिव), कमल ठाकुर (जिला मीडिया प्रभारी), गिरीश डेहरिया (जिला सह मीडिया प्रभारी), अंजना धुर्वे (जिला महिला प्रकोष्ठ अध्यक्ष), रूपा नामदेव (जिला महिला प्रकोष्ठ उपाध्यक्ष), वरिष्ठ मार्गदर्शक सुशील नामदेव, आनंद मोहरे, अंकित चौरसिया, विजय सहित अन्य कर्मचारी शामिल रहे। सभी कर्मचारियों ने एकजुट होकर शासन के खिलाफ नाराजगी जताई और अपनी मांगों के समर्थन में जोरदार आवाज बुलंद की। संभावित हड़ताल से स्वास्थ्य विभाग की बढ़ी चिंता स्वास्थ्य विभाग में बड़ी संख्या में संविदा कर्मचारी विभिन्न योजनाओं और सेवाओं का संचालन करते हैं। ऐसे में यदि हड़ताल लंबी चली तो ग्रामीण एवं दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं गंभीर रूप से प्रभावित हो सकती हैं। अब सभी की निगाहें शासन और स्वास्थ्य विभाग के आगामी निर्णय पर टिकी हुई हैं।

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में कर्मकांड डिप्लोमा की प्रायोगिक परीक्षा सम्पन्न

शहडोल (स्वतंत्रमत)

पंडित शंभूनाथ शुक्ल विश्वविद्यालय में कर्मकांड डिप्लोमा पाठ्यक्रम की प्रायोगिक परीक्षा का भव्य आयोजन सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा वैदिक परंपरा के अनुरूप रुद्राभिषेक एवं रुद्री का सामूहिक प्रदर्शन किया गया, जिससे पूरा विश्वविद्यालय परिसर शिवमय एवं आध्यात्मिक वातावरण से ओत-प्रोत हो उठा। कार्यक्रम में कुलगुरु प्रो. रामशंकर, कुल सचिव प्रो. आशीष तिवारी, विभागाध्यक्ष प्रो. विनोद शर्मा तथा छात्र कल्याण अधिष्ठाता प्रो. प्रमोद पाण्डेय ने विधिवत भगवान शिव की पूजा-अर्चना कर प्रदेश एवं समाज की सुख-समृद्धि की कामना की। वैदिक आचार्यों एवं पंडितों ने मधुर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ शिव आराधना सम्पन्न कराई, जिससे उपस्थित जनसमूह भाव-विभोर हो उठा। इस अवसर पर कुलगुरु प्रो. रामशंकर ने अपने उद्बोधन में कहा कि भारतीय संस्कृति और सनातन परंपरा में कर्मकांड केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि जीवन को

अनुशासन, संस्कार और सकारात्मक ऊर्जा से जोड़ने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि नई पीढ़ी को अपनी वैदिक परंपराओं, शास्त्रीय ज्ञान और आध्यात्मिक मूल्यों से जोड़ना समय की आवश्यकता है। विश्वविद्यालय द्वारा संचालित कर्मकांड डिप्लोमा पाठ्यक्रम विद्यार्थियों को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने का महत्वपूर्ण प्रयास है। उन्होंने विद्यार्थियों के सामूहिक प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा कि यह केवल परीक्षा नहीं, बल्कि भारतीय संस्कृति के संरक्षण और संवर्धन का प्रेरणादायी उदाहरण है। कार्यक्रम में डॉ. महेंद्र किशोर भटनागर, डॉ. बृजेन्द्र पांडे, वित्त अधिकारी राम मिलन सिंह, अरुण उपाध्याय, डॉ. सागर पांडे, जय प्रकाश जी शास्त्री, सीताराम पाण्डेय, डॉ. दिलीप तिवारी सहित विश्वविद्यालय के समस्त अधिकारी, कर्मचारी एवं कर्मकांड डिप्लोमा के 27 विद्यार्थी उपस्थित रहे। पूरे आयोजन ने विश्वविद्यालय में भारतीय संस्कृति, वैदिक परंपरा एवं आध्यात्मिक चेतना के संरक्षण का सशक्त संदेश दिया।

लोकगीत एवं लोकनृत्य के माध्यम से जल संरक्षण का दिया गया संदेश

शहडोल (स्वतंत्रमत)। जल प्रकृति द्वारा प्रदत्त एक अमूल्य उपहार है, जो समस्त जीव-जगत के अस्तित्व का आधार है। बिना जल के जीवन की कल्पना

भी संभव नहीं है। इसलिए हमें जल की एक-एक बूंद के महत्व को समझना होगा और इसके संरक्षण के लिए जागरूक होना होगा। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन की दिशा में 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत नवीन खेत तालाब, बोरी बंधान, रैन वाटर हार्वेस्टिंग जैसे अन्य कार्य किये जा रहे है। इन कार्यो से वर्षा ऋतु में होने वाली वर्षा के जल का संचयन होगा और धरा के जल स्तर में वृद्वि होगी वहीं स्थानीय लोगो के लिए फसल सिंचाई जैसे अन्य कार्यों में पानी की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के निर्देशानुसार जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनपद पंचायत सोहागपुर के ग्राम पड़मनिया खुर्द में जल के सरंक्षण एवं संवर्धन की अलख जगाने के लिए स्थानीय कलाकारो द्वारा लोकगीत एवं लोकनृत्य किया गया एवं जनमानस को जल की एक-एक बूंद सहेजने हेतु जल चौपाल कार्यक्रम आयोजित किया गया। जल चौपाल में उपस्थिति अधिकारियो द्वारा बताया गया कि जल के संवर्धन एवं संरक्षण के प्रति सचेत होना होगा, हमें आने वाली पीढ़ी के सुरक्षित भविष्य के लिए अभी से जल का बचाना होगा। इस अवसर पर प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत सोहागपुर गैलेक्सी नागपुरे, सरपंच कमलेशिया बैगा, उपसरपंच अनिल साहू सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहें।

भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव पूरे श्रद्धा व उल्लास से मनाया गया

जगत् के कल्याण के लिए भगवान का अवतरण होता हैं - महन्त अर्जुन दास

बुढार (स्वतंत्रमत)

पुण्य सलिला धारकुण्डी आश्रम अमरकंटक में चल रहे श्रीमद् भागवत कथा काध् रसास्वादन कर श्रद्धालु धर्म प्रेमी अपना जीवन सौभाग्यमय बना रहे हैं। अधिमास के पावन अवसर पर श्रीराम जानकी मन्दिर बुढार के पूज्य महन्त अर्जुन दास महाराज ने भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव की प्रेरणादायी कथा का श्रवण श्रद्धालुजनो को कराते हुए कहाकि-जगत् के कल्याण के लिए ही भगवान का अवतरण होता है, और ईश्वरीय सृष्टि में प्रकृति के कुछ अटल नियम होते हैं, जिनसे ही सृष्टि क्रम चलता है, तथा मानव द्वारा जब इन नियमों का उल्लंघन किया जाता है, तब

सृष्टि क्रम में बाधा उत्पन्न हो जाती है,यह बाधा मानव के देहाभिमान, लोभ, मोह, मद, अनावश्यक प्रतिष्ठा को बलात् प्राप्त करने की इच्छा, आसक्ति में बदल जाती है,तो मनुष्य के विचार व कर्म, मानव समाज के साथ, जीव-जगत व प्रकृति दोनों का शोषण होने लगता है, और अन्याय, दुराचार बढ़ जाते हैं, सज्जन, संत व गौमाता को पीड़ित होना पड़ता है, इसे भगवान सहन नहीं कर पाते हैं,तब भगवान का अवतरण, इन आसुरी वृत्तियों का विनाश करने के लिए होता है। यह अवतरण भी उस घर में या उन माता-पिता के घर में होता है जो साधना, तपस्या व अपनी सज्जनता से जगत् के कल्याण की भावना रखते हैं, त्याग व समर्पण उनके जीवन शैली में होता है। महंत अर्जुन दास महाराज ने प्रेरणादायी कथा में कहाकि-भगवान श्रीकृष्ण जी का अवतार कंस के अत्याचार, दुराचार व आसुरी वृत्ति इतनी बढ़ गई थी कि मानव समाज में मात्र नहीं, बल्कि अपने ही घर परिवार के सभी रिश्तों की मान्यता को समाप्त कर,दानवी वृत्तियों को स्थापित कर रहा था, तब भगवान योगेश्वर श्रीकृष्ण का अवतरण वसुदेव व देवकी के यहां, विषम परिस्थितियों में अवतरण हुआ। सज्जनों, संतों, पीड़ितों, देवी - देवताओं, गौमाता की रक्षा के लिए श्रीकृष्ण जी के अवतरण का विस्तार से महंत श्री महराज ने आध्यात्मिक विश्लेषण करते हुए, अध्यात्म प्रेमियों को श्रीकृष्ण जन्म को आनन्द से, आनन्दित करायें और श्रद्धालुजन पूरे श्रद्धा भाव से झूम उठे। श्रीराम जानकी मन्दिर भक्त परिवार बुढार के संयोजन में श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन किया गया है जो आगामी 31 मई तक चलेगा।

महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा किया गया 3000 सोक पिट का निर्माण

शहडोल (स्वतंत्रमत)। प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में जल के संरक्षण एवं संवर्धन के कार्य निरंतर जन सहयोग से किए जा रहे हैं। जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जल बचाने, संरक्षित करने एवं जल का महत्व बताने हेतु विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जा रही है। जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग अखिलेश मिश्रा ने जानकारी दी है कि कलेक्टर डॉ. केदार सिंह के मार्गदर्शन में जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जिले में जल संरक्षण और भूमिगत जलस्तर रिचार्ज की महत्ता को दृष्टिगत रखते हुए आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं द्वारा एक सप्ताह के अंदर अपने स्वयं के व्यय से 3000 से अधिक सोक पिट का निर्माण किया गया। सोक पिट निर्माण के साथ ही कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं ने अपनी दैनिक गतिविधियों में जल संचयन एवं संरक्षण का संकल्प भी लिया।

किसान टोला में अतिक्रमण हटाने पहुंची टीम का ग्रामीणों ने किया घेराव, देर शाम लौटा प्रशासन

अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचने के बाद पुलिस-राजस्व अमला लौटा

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले के गाड़ासरई थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पंचायत खाम्हा के किसान टोला में शुक्रवार को शासकीय भूमि से अतिक्रमण हटाने पहुंची राजस्व एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम को ग्रामीणों के भारी विरोध का सामना करना पड़ा। कार्रवाई के दौरान स्थिति तनावपूर्ण हो गई और आक्रोशित ग्रामीणों ने राजस्व व पुलिस अमले को घेर लिया। देर शाम अतिरिक्त पुलिस बल मौके पर पहुंचने के बाद हालात नियंत्रित किए जा सके। प्राप्त जानकारी के अनुसार किसान टोला में करीब 12 लोगों द्वारा शासकीय भूमि पर अवैध कब्जा कर मकान बना लिए गए थे। बताया जा रहा है कि सड़क मार्ग को प्रभावित करते हुए किए गए निर्माण के कारण वाहनों का आवागमन पूरी तरह बाधित हो गया था, जिससे स्थानीय ग्रामीणों को काफी परेशानी का सामना

करना पड़ रहा था। मामले को लेकर ग्रामीणों एवं ग्राम पंचायत द्वारा प्रशासन से शिकायत की गई थी। शिकायत के आधार पर समनापुर तहसीलदार शुक्रवार को राजस्व अमले एवं पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और

अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई शुरू की। प्रशासन ने पहले एक अवैध निर्माण को शांतिपूर्ण तरीके से हटाया, लेकिन जैसे ही दूसरे मकान को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू हुई, वहां मौजूद कब्जाधारियों और उनके समर्थकों ने विरोध शुरू कर दिया। देखते ही देखते माहौल गर्मा गया और ग्रामीणों ने हंगामा करते हुए प्रशासनिक अमले को घेर लिया। स्थिति बिगड़ती देख मौके पर मौजूद अधिकारियों ने अतिरिक्त पुलिस बल बुलाया। देर शाम अतिरिक्त पुलिस बल गांव पहुंचा और ग्रामीणों को समझाइश दी गई। काफी मशक्कत और बातचीत के बाद ग्रामीण शांत हुए तथा प्रशासनिक अमले को सुरक्षित गांव से बाहर निकाला गया। घटना के बाद क्षेत्र में तनाव की स्थिति बनी रही। प्रशासन द्वारा मामले पर नजर रखी जा रही है। सूत्रों के अनुसार अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई आगामी दिनों में पुनः शुरू की जा सकती है। स्थानीय लोगों का कहना है कि शासकीय भूमि पर किए गए अवैध निर्माण के कारण मार्ग पूरी तरह संकरा हो गया था, जिससे चारपहिया वाहन तो दूर, कई बार बाइक और एंबुलेंस तक निकालने में परेशानी होती थी।

ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

शहडोल (स्वतंत्रमत)

कलेक्टर डॉ. केदार सिंह ने जिले में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में पेयजल व्यवस्था की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराना हम सब का दायित्व है। आपने निर्देश दिए कि ग्रामीण क्षेत्रों के लिए जनपद स्तर पर तथा शहरी क्षेत्रों के लिए निकाय स्तर पर कंट्रोल रूम स्थापित किए जाएं। इसके साथ ही जिला स्तर पर भी कंट्रोल रूम बनाया जाए। कंट्रोल रूम में प्राप्त होने वाली पेयजल से संबंधित शिकायतों की जानकारी संबंधित क्षेत्र के लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग तथा नगरीय क्षेत्र के पेयजल प्रभारी को दी जाए। संबंधित अधिकारी का दायित्व होगा कि 48 घंटे के भीतर शिकायत का निराकरण करें। इसके साथ ही पेयजल से संबंधित सीएम हेल्पलाइन की शिकायतों के भी नियमित मानीटरिंग कर उनका निराकरण सुनिश्चित किया जाए। जिले में नए ट्यूबवेल खोदने पर प्रतिबंध लगाया गया है। यदि किसी शासकीय विभाग द्वारा ट्यूबवेल खनन किया जाता है तो संबंधित एसडीएम को जानकारी दी जाए। आपने बताया कि राज्य शासन द्वारा ग्राम पंचायतों को पीएचई विभाग के एसओआर के अनुसार पेयजल संरचनाओं की मरम्मत के अधिकार दिए गए हैं। प्रावधानों के अनुसार जहां पानी की समस्या है वहां ग्राम पंचायतें त्वरित समस्या का निराकरण सुनिश्चित करें। कलेक्टर ने कहा कि जिन स्थानों में पेयजल समस्या है वहां जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक कर वैकल्पिक व्यवस्था सुनिश्चित करें। आपने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नियमित रूप से भ्रमण में रहें तथा आगामी दिनों में पेयजल संकट वाले स्थानों का चिन्हांकन कर पूर्व से ही वैकल्पिक व्यवस्था बनाएं। हैण्डपंपों की मरम्मत एवं राइजर पाईप बढ़ाने का कार्य त्वरित रूप से किया जाए। स्कूल एवं आंगनवाड़ी केन्द्रों में पेयजल की गुणवत्ता का सतत रूप से परीक्षण किया जाए। ग्रामीण क्षेत्रो से आने वाली पेयजल समस्याओं पर की गई कार्यवाही की दैनिक जानकारी सीईओ जिला पंचायत को तथा नगरीय क्षेत्रों की शिकायतों पर की जाने वाली कार्यवाही की जानकारी से कलेक्टर को अवगत कराएं।

स्थायी शिक्षा समिति के आदेशों की अनदेखी भारी बीईओ के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई प्रस्तावित

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले के समनापुर विकासखंड में शिक्षा विभाग की कार्यप्रणाली एक बार फिर विवादों में आ गई है। जनपद पंचायत समनापुर ने विकासखंड शिक्षा अधिकारी के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा करते हुए कलेक्टर डिंडोरी को प्रस्ताव भेजा है। मामला स्थायी शिक्षा समिति की बैठकों में मांगी गई महत्वपूर्ण जानकारियों को समय पर उपलब्ध नहीं कराने से जुड़ा हुआ है। प्राप्त जानकारी के अनुसार, 26 फरवरी 2026 को आयोजित स्थायी शिक्षा समिति की बैठक में विकासखंड अंतर्गत विद्यालयों की आय-व्यय संबंधी विवरण, संकुल स्तर के अभिलेख एवं कर्मचारियों की सेवा संबंधी जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए थे। समिति द्वारा यह जानकारी प्रशासनिक समीक्षा एवं योजनाओं के क्रियान्वयन की निगरानी के उद्देश्य से मांगी गई थी। बताया गया है कि बैठक के बाद भी संबंधित जानकारी उपलब्ध नहीं कराई गई। इसके चलते जनपद पंचायत समनापुर द्वारा विकासखंड शिक्षा अधिकारी को पत्र क्रमांक 685 दिनांक 16 अप्रैल 2026 जारी कर जानकारी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। इसके बावजूद जब कोई

जवाब नहीं मिला तो 19 मई 2026 को स्मरण पत्र क्रमांक 1214 जारी कर पुनः जानकारी उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए। आरोप है कि निर्धारित समय सीमा बीत जाने के बाद भी विकासखंड शिक्षा अधिकारी कार्यालय द्वारा आवश्यक अभिलेख और जानकारी प्रस्तुत नहीं की गई। जनपद पंचायत ने इसे स्थायी शिक्षा समिति के निर्णयों की अवहेलना तथा शासकीय कार्यों में लापरवाही माना है। पत्र में उल्लेख किया गया है कि जानकारी नहीं मिलने से समिति के निर्णयों के पालन में बाधा उत्पन्न हुई और प्रशासनिक कार्य प्रभावित हुए। मामले को गंभीर मानते हुए जनपद पंचायत समनापुर ने मध्यप्रदेश सिविल सेवा आचरण नियम 1965 के तहत अनुशासनात्मक कार्रवाई की अनुशंसा करते हुए पूरा मामला कलेक्टर डिंडोरी को भेज दिया है।

कलेक्टर की पहल से दो गांवों में दूर हुई पेयजल समस्या ग्रामीणों संग किया जल संरक्षण का संदेश प्रसारित

डिंडौरी (स्वतंत्र मत)

जिले में पेयजल संकट से जूझ रहे ग्रामीणों को राहत दिलाने के लिए कलेक्टर अंजू पवन भदौरिया लगातार गांवों का दौरा कर रही हैं। शुक्रवार को उन्होंने जनपद पंचायत डिंडौरी के ग्राम पंचायत घुसिया माल के ढीमरटोला एवं ग्राम पंचायत नेवसा के पतेरा टोला पहुंचकर पेयजल व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया और मौके पर ही समस्याओं का समाधान कराया। कलेक्टर की त्वरित कार्रवाई से दोनों गांवों में ग्रामीणों को राहत मिली और खुशी का माहौल देखने को मिला। जानकारी के अनुसार, दोनों गांवों के ग्रामीण हाल ही में

आयोजित जनसुनवाई में पेयजल संकट की शिकायत लेकर पहुंचे थे। मामले को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर ने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को तत्काल व्यवस्था दुरुस्त करने के निर्देश दिए थे। निर्देशों के पालन की स्थिति देखने कलेक्टर स्वयं गांव पहुंचीं। ढीमरटोला में ग्रामीणों ने बताया कि पानी की समस्या इतनी गंभीर हो गई थी कि लोगों को कुएं में उतरकर पानी भरना पड़ रहा था। इस पर कलेक्टर ने खराब पड़े बोरवेल में नया पंप लगवाकर उसे चालू कराया तथा घर-घर पानी पहुंचाने की व्यवस्था सुनिश्चित कराई। गांव में दो-दो हजार लीटर क्षमता की दो पानी टंकियां भी स्थापित कराई गईं। कम वोल्टेज की समस्या सामने आने पर स्टेबलाइजर लगाने के निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने स्वयं बोर का पानी पीकर उसकी गुणवत्ता जांची और छोटे बच्चों को भी पानी पिलाया। वहीं पतेरा टोला में पीएचई विभाग की बोरवेल मशीन तत्काल मौके पर बुलवाई गई और कलेक्टर की मौजूदगी में हैंडपंप फिट कर पेयजल व्यवस्था बहाल की गई। ग्रामीणों ने कलेक्टर की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए राहत महसूस की। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती भदौरिया ने जल संरक्षण को लेकर भी ग्रामीणों को जागरूक किया। उन्होंने ढीमरटोला में राकेश नंदा के घर तथा पतेरा टोला में चरनू लाल सैयाम के घर पहुंचकर ग्रामीणों के साथ मिलकर सोखता टैंक निर्माण कराया और इसकी उपयोगिता बताई। उन्होंने कहा कि सोखता टैंक निर्माण से भूमिगत जल स्तर सुरक्षित रहेगा और वर्षा जल संरक्षण को बढ़ावा मिलेगा। कलेक्टर ने ग्रामीणों से गर्मी के मौसम में पानी का सदुपयोग करने और मोटर संचालन की जिम्मेदारी जिम्मेदार व्यक्तियों को सौंपने की अपील की, ताकि पूरे गांव को समय पर पर्याप्त पानी मिल सके।

शहर में ठंडे-गरम मौसम की दोहरी मार

कूलर-पंखे भी हुए फेल, अस्पतालों में उमड़ी सर्दी-खांसी और लू के मरीजों की भीड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

शहरमें नौतपा के बीच मौसम का मिजाज एक बार फिर अचानक बदल गया। पिछले कुछ दिनों से शाम के समय मिल रही बादलों की राहत अब पूरी तरह गायब हो गई है। शुक्रवार को आसमान से बादल पूरी तरह नदारद रहे, जिसके कारण सूरज की तीखी किरणों ने सुबह से ही शहर को तपाना शुरू कर दिया। दिनभर तपन भरी और तेज धूप के कारण लोग गर्मी से हलाकान नजर आए। हालांकि, राहत की बात बस इतनी रही कि गुरुवार को हुई हल्की बूंदाबांदी के कारण तापमान में जो आंशिक गिरावट आई थी, उसकी वजह से शुक्रवार की सुबह बीते दिनों जितनी जानलेवा महसूस नहीं हुई, लेकिन दोपहर होते-होते गर्मी ने अपने पुराने तेवर दिखा दिए।

उमस और तपिश का दोहरा वार

बता दें कि गुरुवार की बूंदाबांदी के बाद शुक्रवार को जब तेज धूप खिली, तो हवा में मौजूद नमी ने भारी उमस का रूप ले लिया। शुक्रवार का पूरा दिन रिकॉर्ड तोड़ तपिश और चिपचिपी गर्मी के नाम रहा। उमस का आलम यह था कि घरों और दफ्तरों में चल रहे कूलर और पंखे भी लोगों को राहत देने में नाकाम साबित हुए। जो लोग जरूरी कामों से दोपहर के समय सड़कों पर निकले, वे पसीने से तर-बतर हो गए। शाम होने के बाद भी गर्म हवाओं के थपेड़ों से राहत नहीं मिली, जिससे जनजीवन बुरी तरह प्रभावित रहा।

अस्पतालों में लगी लंबी कतारें

मौसम के इस लगातार बदलते और उतार-चढ़ाव भरे रुख का सबसे बड़ा खामियाजा आम जनता की सेहत को भुगतना पड़ रहा है। तीव्र गर्मी और उमस के चलते शहर के सरकारी व निजी अस्पतालों में मरीजों की संख्या लगातार बढ़ रही है। जिला अस्पताल और मेडिकल कॉलेज में सुबह से ही मरीजों की लंबी कतारें देखी जा रही हैं। लोग एक तरफ जहां तीखी धूप के कारण लू की चपेट में आ रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ मौसम के इस ठंडे-गरम मिजाज की वजह से सर्दी, खांसी और तेज बुखार से पीड़ितों का आंकड़ा तेजी से बढ़ रहा है।

नकली धान बीज की पैकिंग करते दो वेंडर गिरफ्तार

तेलंगाना और स्थानीय वेंडर मिलकर रच रहे थे जाल, पनागर थाने में एफआईआर दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। जिले में नकली खाद, बीज और कीटनाशकों के खिलाफ प्रशासन ने एक बड़ी कार्रवाई की है। कलेक्टर राघवेंद्र सिंह के निर्देश पर चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत कृषि विभाग ने पनागर में नकली धान बीज की पैकिंग करने वाले दो बड़े विक्रेताओं को रंगे हाथों पकड़ा है। आरोपियों के खिलाफ पनागर थाने में एफआईआर दर्ज करा दी गई है। जानकारी अनुसार उप संचालक कृषि उमेश कुमार कटहरे ने बताया कि पनागर विकासखंड के बीज निरीक्षक और वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी पंकज शर्मा ने दिवरी खुर्द (पनागर) स्थित आनंद ज्योति प्रिंटिंग प्रेस पर अचानक छापा मारा। इस औचक निरीक्षण के दौरान वहां धान की नामचीन किस्मों कनक क्रांति गोल्ड 135ज् और एमटीयू-1010ज् की अवैध और नकली पैकिंग धड़ल्ले से की जा रही थी।

तेलंगाना और जबलपुर के वेंडर्स का था गठजोड़-जांच में सामने आया है कि इस पूरे खेल के पीछे दो मुख्य किरदार राजेश कुमार मौर्य- संचालक,

कनक एग्रो सीड्स (तेलंगाना)और अनिल जैन संचालक, सम्यक सीड्स (जबलपुर)थे। ये दोनों मिलकर इस अवैध कारोबार को अंजाम दे रहे थे। अनिल जैन द्वारा मटियाकुई स्थित असाटी वेयरहाउस में साधारण अनाज को एमटीयू-1010 जैसी प्रीमियम धान की किस्म के नाम पर पैक किया जा रहा था, ताकि किसानों को धोखे में रखकर भारी मुनाफा कमाया जा सके।बीज निरीक्षक पंकज शर्मा की शिकायत पर पनागर पुलिस ने दोनों आरोपियों राजेश कुमार मौर्य और अनिल जैन के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है। कृषि विभाग के अधिकारियों का कहना है कि किसानों के साथ धोखाधड़ी करने वाले और नकली कृषि उत्पादों की कालाबाजारी करने वाले तत्वों के खिलाफ यह अभियान आगे भी सख्ती से जारी रहेगा।

खुदाई के दौरान निकला सेना का पुराना जिंदा बम

डुमना एयरपोर्ट के पास गडेरी गांव की घटना, इलाके में फैली दहशत

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। डुमना विमानतल (एयरपोर्ट) से ठीक लगे गडेरी गाँव में उस समय हड़कंप मच गया, जब खुदाई के दौरान सेना का एक पुराना जिंदा बम बरामद हुआ। इस घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में दहशत का माहौल बन गया है। जानकारी के अनुसार, गडेरी गाँव में एक ग्रामीण द्वारा जमीन की खुदाई का काम चल रहा था। इसी दौरान मजदूरों को जमीन के नीचे एक भारी और संदिग्ध

फाइल फोटो

वस्तु दिखाई दी। जब उसे ध्यान से देखा गया, तो वह सेना का एक यूएक्सओ यानी बिना फटा हुआ जिंदा बम निकला। ग्रामीणों ने बिना वक्त गंवाए तुरंत इसकी सूचना स्थानीय पुलिस को दी।

मौके पर पहुंची पुलिस और सेना-विस्फोटक मिलने की खबर पाते ही पुलिस बल तत्काल मौके पर पहुंचा और सुरक्षा के लिहाज से पूरे घटनाक्रम वाले स्थान को घेर लिया। पुलिस ने मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत भारतीय सेना के अधिकारियों को सूचित किया।

जबलपुर के इस क्षेत्र के पास ही सेना के कई ऑर्डनेंस डिपो और खमरिया जैसी बड़ी आयुध निर्माणियां व इन्फैंट्री मौजूद हैं। इसके चलते कयास लगाए जा रहे हैं कि यह बम काफी पुराना हो सकता है, जो सालों पहले यहाँ दबा रह गया था। फिलहाल, पुलिस ने सेना की मदद से इलाके को सुरक्षित कर लिया है और मामले की विस्तृत जाँच शुरू कर दी है।

चाइल्ड मॉडलिंग और घर बैठे कमाई के चक्कर में फंसी महिला

जालसाजों ने ऐंठे 1.69 लाख, गोरखपुर थाने में मामला दर्ज

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। थाना गोरखपुर क्षेत्र के अंतर्गत छापर, रामपुर निवासी एक महिला ऑनलाइन धोखाधड़ी का शिकार हो गई। जालसाजों ने महिला को बच्चे के मॉडलिंग और घर बैठे टास्क पूरा कर पैसे कमाने का झांसा देकर 1,69,500 की ठगी की है। पीड़िता की लिखित शिकायत पर गोरखपुर पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़िता श्रीमती प्रियंका तिवारी (उम्र 33 वर्ष), जो पहले प्राइवेट सेक्टर में कंप्यूटर का काम करती थीं और फिलहाल बच्चे होने के बाद से घर पर ही रहती हैं, उन्होंने शिकायत दर्ज कराई है। गत 20 मई 2026 को सुबह उनके फेसबुक मैसेंजर पर एक प्रोफाइल से मैसेज आया। मैसेज में उनके बच्चे को चाइल्ड मॉडल बनाने का ऑफर दिया गया था। इसके बाद जालसाजों ने उन्हें एक लिंक भेजकर टेलीग्राम ऐप इंस्टॉल करवाया और उन्हें किड्स क्लब ग्रुप में जोड़ दिया।

मुनाफे का लालच देकर फंसाया-शुरुआत में महिला को एक पेज पास करने का टास्क दिया गया और कहा गया कि उन्होंने 150 का रिवॉर्ड जीता है। अकाउंट की जानकारी लेने के बाद उनके खाते में 150 ट्रांसफर भी किए गए। इसके बाद शातिरों ने महिला का

भरोसा जीतने के लिए निवेश का खेल शुरू किया महिला से 1,000 मांगे गए और बदले में 1,300 वापस किए गए। फिर 5,000 निवेश कराने पर 8,450 वापस दिए गए। जब महिला जालसाजों के जाल में पूरी तरह फंस गई, तो आरोपियों ने उनसे 15,000 और फिर 48,000 की मांग की। साथ ही धमकी दी कि अगर और पैसे नहीं दिए, तो पहले से जमा राशि वापस नहीं मिलेगी। इसके बाद टेलीग्राम पर कल्याणी स्वामी नाम के हैंडल से बात हुई और डरी हुई महिला ने गूगल पे के जरिए 48,000 खाते में ट्रांसफर कर दिए।

इसके बाद भी ठगों का पेट नहीं भरा। उन्होंने कुल रकम वापस पाने के लिए 1 लाख का और ट्रांजैक्शन करने को कहा। झांसे में आकर महिला ने 50,000 शीतल प्रसाद और 50,000 रानी कुमारी के खाते में भेज दिए। इसके बाद ठगों ने अनिष दुबे और तरुण सिंघल के दो और अकाउंट देकर 2.30 लाख और मांगे, लेकिन तब तक ठगी का अहसास होने पर महिला ने और पैसे नहीं भेजे।

पीड़िता ने अपने एसबीआई खाते से 1,19,500 और बीओआई खाते से 50,000 गंवाए हैं। ठगी के बाद पीड़िता के खाते में बची 4,955 की राशि भी होल्ड कर दी गई है। गोरखपुर पुलिस ने अज्ञात ठगों के खिलाफ मामला दर्ज कर साइबर सेल की मदद से आरोपियों के बैंक खातों और टेलीग्राम आईडी की जांच शुरू कर दी है।

मुख्यालय के एक अधिकारी एवं तीन कर्मचारी सहित पश्चिम मध्य रेलवे के 107 रेलकर्मी सेवानिवृत्त

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

पश्चिम मध्य रेल के मुख्यालय में कार्यरत उप मुख्य परिचालन प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता एवं तीन अन्य कर्मचारी सहित जबलपुर, भोपाल, कोटा मण्डलों एवं दोनों कारखानों के कुल 107 रेलकर्मी शुक्रवार 29 मई को सेवानिवृत्त हुए।

पश्चिम मध्य रेल मुख्यालय में माह के अंतिम कार्य दिवस 29 मई 2026 को अपर महाप्रबंधक प्रमोद कुमार खत्री, प्रधान वित्त सलाहकार सुश्री मनजीत कौर, मुख्य यातायात योजना प्रबंधक राजेश दत्त बाजपेई, मुख्य वाणिज्य प्रबंधक (यात्री सेवा) श्रीमती रश्मि बघेल एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी (औ. सं.) अजय कुमार दीक्षित द्वारा

सेवानिवृत्त हो रहे अधिकारी में उप मुख्य परिचालन प्रबंधक मनोज कुमार गुप्ता एवं कर्मचारी में मुख्य वाणिज्य निरीक्षक सुरेश कुमार, मुख्य वाणिज्य निरीक्षक त्रिभुवन सिंह एवं ऑफिस असिस्टेंट गीता देवी के अधिवार्षिता पर सेवानिवृत्ति संबंधित दस्तावेज प्रदान किये। सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन की ओर से स्वस्थ, सुखी और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनायें दी गईं। सेवानिवृत्ति समारोह के अवसर पर उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (औ. सं.) संजय कुमार सहित परिचालन और कार्मिक विभाग के अन्य अधिकारी तथा मुख्य कल्याण निरीक्षक एवं कर्मचारी उपस्थित रहे। कर्यक्रम का संचालन सहायक कार्मिक अधिकारी (प्रशानिक) शैलेन्द्र सिंह गौर द्वारा सुचारु रूप से किया गया। शुक्रवार को सेवानिवृत होने वालों में मुख्यालय में 01 अधिकारी एवं 03 कर्मचारी सहित जबलपुर मंडल में 26 कर्मचारियों, जबलपुर निर्माण में 01 कर्मचारी, भोपाल मण्डल में 02 अधिकारी एवं 36 रेल कर्मचारियों सहित कुल 38 रेलकर्मियों, भोपाल कारखाना में 08 रेल कर्मचारियों, भोपाल निर्माण में 01 कर्मचारी, कोटा मण्डल में 01 अधिकारी एवं 25 कर्मचारियों सहित 26 रेलकर्मियों, कोटा कारखाना में 03 कर्मचारियों सहित पमरे पर कुल 107 रेल कर्मियों की सेवानिवृत्ति हुई।

इस अवसर पर सेवानिवृत्त हो रहे सभी रेलकर्मियों को सेवानिवृत्ति संबंधित दस्तावेज प्रदान कर सम्मानित किया गया तथा उनकी सेवानिवृत्ति पर रेल प्रशासन के द्वारा सुखी, स्वस्थ और समृद्ध जीवन के लिए शुभकामनाए दी गईं।

शास्त्रीय के साथ लोक नृत्य में महारत हासिल करने का अभ्यास

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में मशाल परिसर में आयोजित ग्रीष्मकालीन प्रशिक्षण शिविर के अंतर्गत 101 लड़कियां व 8 लड़के जहां शास्त्रीय नृत्य के अंतर्गत जहां कत्थक का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं वहीं वे लोक नृत्यों की बारीकियां भी सीख रहे हैं। प्रशिक्षण शिविर के प्रतिभागी प्रशिक्षणार्थियों में नर्सरी कक्षा से ले कर बड़ी कक्षा स्तर की लड़कियां शामिल हैं लेकिन उनकी नृत्य के प्रति सीखने की लगन व मेहनत एक सी है। प्रशिक्षण शिविर के प्रशिक्षक रितु रजक, गुरमीत कौर मथारू व याशिका वर्मा सुबह के सत्र में प्रतिभागियों को कत्थक की प्रारंभिक शुरुआत के तत्कार, तोड़े से ताल व लय की बारीकियां सिखाते हैं। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को कत्थक की विभिन्न मुद्राओं का अभ्यास विशेष रूप से करवाया जा रहा है। प्रत्येक दिन दूसरे चरण में प्रतिभागियों को भारतीय लोक नृत्य शैली के अंतर्गत बुंदेली, छत्तीसगढ़ी व राजस्थानी नृत्य

का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नृत्य प्रशिक्षण में प्रतिभागी तत्कार हस्त मुद्रायें (संयुक्त व असंयुक्त) ग्रीवा भेद, अंग संचालन, शास्त्रीय व उप शास्त्रीय, गैर शास्त्रीय, लोक नृत्यों की विशेषातायें का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। नृत्य प्रशिक्षण की शुरुआत में प्रशिक्षणार्थियों को योग व व्यायाम के माध्यम से फिजीकल फिटनेस का मंत्र भी दिया जा रहा है।

कट्टे और चाकू से युवक पर किया जानलेवा हमला

पुरानी रंजिश और इंस्टाग्राम पोस्ट का विवाद, आरोपी फरार

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। गोहलपुर थाना अंतर्गत छोटे फुहारा क्षेत्र में पुरानी रंजिश और सोशल मीडिया पर एक विवादित पोस्ट को लेकर दो पक्षों में खूनी संघर्ष हो गया। राजीनामे (समझौते) के लिए बुलाए गए एक युवक पर आरोपियों ने चाकू और कट्टे से जानलेवा हमला कर दिया। हमले में युवक के पैर में गोली लगी है, जिसे गंभीर हालत में उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने नामजद आरोपियों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

इंस्टाग्राम पोस्ट से शुरू हुआ विवाद

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार, पीड़ित अमन उर्फ अंबर श्रीवास (उम्र 18 वर्ष), निवासी बढ़ई मोहल्ला, दमोहनाका ने अस्पताल में बयान दर्ज कराया कि वह महादेव ट्रेडर्स कंपनी में काम करता है। अमन के दोस्त रितिक

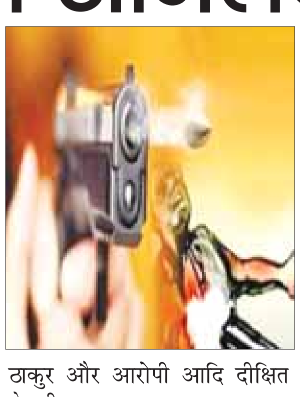

ठाकुर और आरोपी आदि दीक्षित के बीच पुराना मनमुटाव चल रहा था। 26 मई को आदि दीक्षित के जन्मदिन पर रितिक ठाकुर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर आदि की पिटाई का एक पुराना वीडियो शेयर कर हैप्पी बर्थडे छोटे लिख दिया। इस पोस्ट को देखकर आदि दीक्षित आगबबूला हो गया और अगले दिन अपने साथियों के साथ रितिक और अमन को ढूंढने लगा।

समझौते के बहाने बुलाया और किया हमला

फोन पर गाली-गलौज और धमकियों का दौर चलने के बाद, 28 मई की रात दोनों पक्षों के बीच मामले को शांत करने (कॉम्प्रोमाइज) के लिए दमोहनाका के पास मिलने की बात तय हुई। रात करीब 10:30 बजे अमन अपने दोस्तों रितिक और अंश सिंह ठाकुर के साथ छोटे फुहारा स्थित अतुल मेडिकल के सामने खड़ा था। तभी आरोपी आदि दीक्षित अपने साथी पीयूष सोनी, हर्ष कोष्टा और अन्य लड़कों के साथ मोपेड व स्कूटी से वहां पहुंचा।

सरेआम चलाई गोली

बातचीत के दौरान अचानक विवाद बढ़ गया और आदि दीक्षित ने रितिक को चांटा मार दिया। बीच-बचाव के दौरान आरोपी हर्ष कोष्टा ने चाकू निकाल लिया, जिसे अमन और रितिक ने छीन लिया। इसी बीच अमन की मां भी वहां पहुंच गईं और बेटों को डांटने लगीं। तभी आरोपी आदि दीक्षित ने अपनी स्कूटी की डिक्की खोलकर पिस्टल निकाली। उसने पहले हवा में फायरिंग की और फिर सीधे अमन को जान से मारने की नीयत से उस पर फायर झोंक दिया। गोली अमन के बाएं पैर के टखने के पास जा लगी, जिससे वह लहूलुहान होकर गिर पड़ा। फायरिंग के बाद भी आरोपियों ने पीड़ित पक्ष को डराया। इसके बाद आरोपी धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस आरोपियों की तलाश कर रही है।

चाय मंत्रालय के संचालक ने 9 साल के मासूम पर किया जानलेवा हमला

बीच-बचाव करने आए युवक को भी मारा चाकू, मौके पर मची भगदड़

जबलपुर (स्वतंत्र मत)।

महानगर के सुहागी क्षेत्र में महज क्रिकेट की गेंद को लेकर हुए एक मामूली विवाद ने उस समय खौफनाक रूप ले लिया जब एक रसूखदार दुकानदार ने सारी हदें पार कर दीं। जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय और हनुमान मंदिर के पास चाय मंत्रालय नाम से दुकान चलाने वाले एक दबंग संचालक ने गुस्से में आकर एक 9 वर्षीय मासूम बालक, ओम विश्वकर्मा, पर कांच का भारी गिलास दे मारा। इस जानलेवा हमले में मासूम बच्चा गंभीर रूप से लहूलुहान होकर वहीं गिर पड़ा।

घटना को देख मौके पर चीख-पुकार मच गई और भारी भीड़ जमा हो गई। हद तो तब हो गई जब इस हैवानियत को देखकर बीच-बचाव करने और दुकानदार को समझाने पहुंचे स्थानीय नागरिक जित्तु साहू पर

भी आरोपी दुकानदार ने तैश में आकर चाकू से ताबड़तोड़ हमला कर दिया। इस दोहरे हमले से पूरे इलाके में सनसनी फैल गई है और स्थानीय लोगों में भारी आक्रोश व्याप्त है।

अवैध अतिक्रमण बना अपराध का गढ़

इस पूरी घटना ने न सिर्फ कानून व्यवस्था पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि शहर की चरमरा चुकी प्रशासनिक व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है। दरअसल, यह पूरा विवाद उस अवैध अतिक्रमण की वजह से उपजा है, जो शहर के मुख्य मार्गों और चौराहों पर नासूर बन चुका है। सुहागी संभागीय कार्यालय के अंतर्गत आने वाले इस क्षेत्र में चाय मंत्रालय जैसी कई दुकानें पूरी तरह से अवैध रूप से सड़क और फुटपाथ को घेरकर संचालित की जा रही हैं।

नगर निगम और पुलिस की लापरवाही पर उठे सवाल

स्थानीय निवासियों का आरोप है कि नगर निगम का अतिक्रमण अमला रोजाना इन अवैध कब्जों को देखकर भी अनदेखा कर रहा है, जिससे इन रसूखदार दुकानदारों के हौसले बुलंद हैं।

प्रशासनिक नाकामी का इससे बड़ा सबूत क्या होगा कि शहर के हृदय स्थल कहे जाने वाले मालवीय चौक पर, ठीक यातायात थाने की नाक के नीचे सरकारी स्टापर के सहारे अवैध गुमटियां तान दी गई हैं। सुहागी की इस खौफनाक घटना के बाद मौके पर अतिक्रमण हटाने वाले जिम्मेदार अधिकारी और पुलिस बल जरूर पहुंचा, लेकिन स्थानीय जनता का साफ कहना है कि अगर यह कार्रवाई पहले की गई होती, तो आज एक मासूम लहूलुहान न होता। फिलहाल पुलिस मामले की जांच और आरोपी के खिलाफ कार्रवाई में जुटी है, लेकिन पीड़ित परिवार और आक्रोशित जनता अब इन लापरवाह अधिकारियों और अवैध अतिक्रमणकारियों के खिलाफ सख्त से सख्त सजा की मांग कर रही है।

प्रॉपर्टी का लालच देकर 63 लाख की ठगी

सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष वैभव बिसेन व साथी भैरम पर धोखाधड़ी का अपराध दर्ज

बालाघाट (स्वतंत्र मत)।

जिले के कोतवाली थाना क्षेत्र में ज्यादा मुनाफा दिलाने का लालच देकर 63 लाख रुपये की कथित ठगी करने और पैसे वापस मांगने पर जान से मारने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया हैं। पुलिस ने जांच के बाद ग्राम पंचायत गर्रा सरपंच व सरपंच संघ जिलाध्यक्ष वैभव बिसेन और साथी गर्रा निवासी दिलीप भैरम के खिलाफ बीएनएस की गंभीर धाराओं के तहत गुरूवार को अपराध दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी हैं।

जानकारी के अनुसार, शिकायतकर्ता जितेन्द्र उर्फ मोनू भगत ग्राम गर्रा निवासी ने पुलिस अधीक्षक बालाघाट को शिकायत की थीं, जिसके पश्चात एसपी ने आदेशानुसार महिला पुलिस थाना में शिकायत दर्ज कराई थी कि आरोपियों ने उसे अधिक मुनाफा कमाने का लालच देकर बड़ी रकम निवेश करने के लिए प्रेरित किया। शिकायत में बताया गया कि आरोपी दिलीप भैरम और वैभव बिसेन ने एक राय होकर उससे कुल 63 लाख रुपये लिए, जिनमें 60 लाख रुपये बैंक खाते के माध्यम से तथा 3 लाख रुपये नगद दिए गए थे।

मामले की जांच महिला थाना प्रभारी उप निरीक्षक किरण वरकड़े द्वारा की गई। जांच के दौरान शिकायतकर्ता, दोनों आरोपियों तथा गवाहों के बयान दर्ज किए गए। साथ ही बैंक खातों का स्टेटमेंट एवं व्हाट्सएप चैट के स्क्रीनशॉट भी जांच में शामिल किए गए। जांच में सामने आया कि शिकायतकर्ता मोनू भगत की फर्म एम.एस. रूमी ट्रेडर्स के सेंट्रल बैंक खाते से 6 फरवरी 2025 को 40 लाख रुपये तथा 9 जुलाई 2025 को 20 लाख रुपये आरोपी दिलीप भैरम के खाते में ट्रांसफर किए गए थे। इसके अतिरिक्त 11 जुलाई 2025 को 3 लाख रुपये नगद दिए गए।

पीड़ित के ही खिलाफ शिकायत

जांच में यह भी सामने आया कि आरोपियों द्वारा केवल 10 लाख रुपये वापस लौटाए गए, जबकि शेष 53 लाख रुपये वापस नहीं किए गए। शिकायतकर्ता का आरोप है कि जब उसने कई बार पैसे वापस मांगे तो आरोपी सरपंच संघ के जिलाध्यक्ष वैभव बिसेन ने उसे जान से मारने की धमकी दी, वहीं दिलीप भैरम ने अपने बचाव में शिकायतकर्ता के खिलाफ ही पुलिस और न्यायालय में शिकायत दर्ज करा दी।

आरोपी का दावा

दूसरी ओर आरोपी दिलीप भैरम ने जांच में दावा किया कि उसने पहले नगद राशि शिकायतकर्ता को दी थी और वही रकम बाद में बैंक खाते में वापस ली गई थी। हालांकि वह यह स्पष्ट नहीं कर सका कि इतनी बड़ी नगद राशि उसने कब, क्यों और किसके सामने दी थी। पुलिस जांच में आरोपी के दावों को लेकर संदेह की स्थिति बनी रहीं।

धोखाधड़ी में मामला दर्ज

पुलिस के अनुसार बैंक ट्रांजेक्शन, गवाहों के बयान, व्हाट्सएप चैट और अन्य दस्तावेजी साक्ष्यों के आधार पर प्रथम दृष्टया आरोप सही पाए गए हैं। इसके बाद महिला थाना बालाघाट से प्रतिवेदन भेजे जाने पर कोतवाली पुलिस थाना ने आरोपितों सरपंच संघ जिलाध्यक्ष वैभव बिसेन और साथी दिलीप भैरम के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 318(4), 351(3) एवं 3(5) के तहत मामला दर्ज कर लिया हैं। मामले के सामने आने के बाद क्षेत्र में चर्चा का माहौल हैं। पुलिस अब पूरे वित्तीय लेन-देन, निवेश के दावों और दोनों पक्षों के अन्य दस्तावेजों की गहन जांच कर रही है।

इनका कहना है

सरपंच वैभव से मेरे अच्छे संबंध थे उन्होने ही कहा कि प्रॉपटी में इंवेस्ट करों तो ज्यादा फायदा होंगा, तभी मेरे द्वारा दो बार ऑनलाईन में 60 लाख व 3 लाख नगद दिया गया। जब इन्होने प्लांटिग काट कर बेच दि गई फिर मैने पैसा मांगा तो वह टाईम पर टाईम देने लेगे फिर मेरे ही उपर में दिलीप भैरव के द्वारा पुलिस व न्यायालय में शिकायत की गई, मुझे नोटिस आया तब पता चला कि मेरी शिकायत की गई। तभी मेने पुरे तत्थों के साथ एसपी को शिकातय की तो मुझे जान से मारने की धमकी देने लगे। जिन्होने मामले की जांच करने के बाद एफआईआर दर्ज की हैं।

मोनू भगत, शिकायतकर्ता

मोनू भगत की शिकायत पर प्रारंभिक जांच के दौरान वैभव बिसेन और दिलीप भैरम के खिलाफ धोखाधड़ी, जान से मारने की धमकी देने के मामला दर्ज कर जांच लिया गया है। इस मामले में गिरफ्तारी होना शेष हैं। मामले की जांच की जा रहीं है।

मयंक तिवारी (सीएसपी बालाघाट)

महिला कांग्रेस संगठन सृजन अभियान के तहत प्रभारी मंजू मिश्रा का आज का बालाघाट आगमन

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। मध्यप्रदेश महिला कांग्रेस कमेटी द्वारा महिला कांग्रेस संगठन को जमीनी स्तर पर मजबूत बनाने और संगठनात्मक गतिविधियों को गति देने के उद्देश्य से संगठन सृजन अभियान चलाया जा रहा है। इसी कड़ी में सम्माननीय मंजू मिश्रा को बालाघाट जिले की महिला कांग्रेस संगठन की प्रभारी नियुक्त किया गया है। उनके आगामी बालाघाट आगमन को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी एवं महिला कांग्रेस कार्यकर्ताओं में हलचल देखी जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार महिला कांग्रेस संगठन को अधिक सक्रिय, संगठित और मजबूत बनाने के उद्देश्य से प्रभारी मंजू मिश्रा 30 मई 2026 शनिवार को बालाघाट पहुंचेंगी। इस दौरान वे महिला कांग्रेस की जिला, ब्लॉक एवं अन्य इकाइयों की पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं के साथ बैठक कर संगठन की वर्तमान स्थिति, आगामी रणनीति और जमीनी स्तर पर महिला भागीदारी को बढ़ाने को लेकर चर्चा करेंगी।

इस संबंध में जिला कांग्रेस कमेटी बालाघाट के अध्यक्ष संजय उईके एवं संगठन महासचिव शफकत खान ने संयुक्त रूप से महिला कांग्रेस की समस्त पदाधिकारियों, कार्यकर्ताओं और कांग्रेस से जुड़ी महिलाओं से अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होने की अपील की है। उन्होंने कहा कि संगठन सृजन अभियान के माध्यम से महिला कांग्रेस को नई ऊर्जा देने का प्रयास किया जा रहा है, जिससे आगामी राजनीतिक और सामाजिक गतिविधियों में महिलाओं की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित की जा सके।

उन्होंने बताया कि यह बैठक 30 मई 2026 को दोपहर 3 बजे सर्किट हाउस, बालाघाट में आयोजित की गई हैं। बैठक में संगठन को मजबूत बनाने, बूथ स्तर तक महिला कार्यकर्ताओं की सक्रियता बढ़ाने, महिलाओं के मुद्दों को प्रमुखता से उठाने और आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा तैयार करने जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी।

जिला कांग्रेस कमेटी ने महिला कांग्रेस की सभी पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं से समय पर उपस्थित होकर संगठनात्मक चर्चा में भाग लेने का आग्रह किया है। कांग्रेस नेताओं का मानना है कि मजबूत संगठन ही भविष्य की राजनीतिक चुनौतियों का सामना करने में सक्षम होता है और महिला शक्ति की भागीदारी से संगठन को नई दिशा एवं मजबूती प्राप्त होगी।

भटेरा और खैरी में 2500 से अधिक ट्रॉली रेत जब्त, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली पर भी कार्रवाई

बालाघाट(स्वतंत्र मत)। जिले में अवैध रेत खनन, परिवहन एवं भंडारण के विरुद्ध प्रशासन द्वारा लगातार कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में 29 मई 2026 को तहसील बालाघाट अंतर्गत ग्राम भटेरा एवं खैरी में परिवहन विभाग, खनिज विभाग, राजस्व अमला एवं पुलिस विभाग की संयुक्त टीम द्वारा छापामार कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में अवैध रूप से भंडारित रेत जब्त की गई।

उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि संयुक्त कार्रवाई में परिवहन विभाग, खनिज अमला, राजस्व विभाग, थाना प्रभारी कोतवाली एवं पुलिस लाइन बालाघाट का पुलिस बल शामिल रहा। जांच के दौरान ग्राम खैरी में शासकीय एवं निजी भूमि पर लगभग 862 ट्रॉली खनिज रेत का भंडारण पाया गया। वहीं ग्राम भटेरा में शासकीय भूमि पर लगभग 1650 ट्रॉली रेत लावारिस हालत में अवैध रूप से भंडारित मिली। कार्रवाई के दौरान संबंधित व्यक्तियों द्वारा रेत भंडारण की वैध अनुमति अथवा रॉयल्टी दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए जा सके। इसके चलते नियमानुसार पूरी रेत को अज्ञात रूप से जब्त किया गया। ग्राम खैरी में जब्त रेत को ग्राम कोटवार की सुपुर्दगी में दिया गया, जबकि ग्राम भटेरा में जब्त रेत की देखरेख एवं सुपुर्दगी ग्राम पंचायत भटेरा के सचिव को सौंपी गई है। समाचार लिखे जाने तक रेत जब्ती की कार्यवाही आगे भी जारी थी।

छापामार कार्रवाई के दौरान परिवहन विभाग द्वारा दो ट्रैक्टर-ट्रॉली भी पकड़ी गईं, जो बिना नंबर के संचालित पाई गईं। परिवहन नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर दोनों वाहनों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की गई। जब्त की गई रेत पर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण का निवारण) नियम 2022 के तहत आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

प्रशासनिक अधिकारियों ने स्पष्ट किया है कि जिले में अवैध खनन, परिवहन एवं भंडारण के खिलाफ कार्रवाई लगातार जारी रहेगी। अवैध गतिविधियों में संलिप्त पाए जाने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों ने लोगों से अपील की है कि खनिज संबंधी कार्य केवल वैध अनुमति एवं नियमों के तहत ही करें।

कटंगी में हुआ यूआईडी नंबर प्लेट घोटाला

1 हजार मकानों और दुकानों पर लगाए गए क्यूआर कोड अब बेकार

कटंगी (स्वतंत्र मत)। नगर परिषद कटंगी में करीब एक वर्ष पहले स्थानीय प्रापर्टी यूआईडी नंबर प्लेट के नाम पर कथित बड़ा घोटाला और धोखाधड़ी का मामला सामने आया है। इस मामले में स्थानीय अधिकारी गोल-मोल जबाव दे रहे है जबकि राज केयर कंपनी जिसने एनजीओ के स्वयंसेवियों के माध्यम से घर और दुकानों में नंबर प्लेट लगवाई थी। वह अपनी जिम्मेदारी से पल्ला झाड़ने का काम कर रही है। नगर के जागरूकजन कमल जैन सहित अन्य लोगों ने जब इस वर्ष इस यूआईडी नंबर प्लेट पर लगे क्यूआर कोड के जरिए अपना टैक्स जमा करने की कोशिश की तब इसका खुलासा हुआ। उन्होंने जब इसे लेकर नगर परिषद में मौखिक शिकायत की तो उन्हें कहा गया कि उस नंबर प्लेट से उनका कोई लेना-देना नहीं है। वह ऑफलाइन ही टैक्स जमा करवाएं। इस पूरे मामले में मुख्य नगर पालिका अधिकारी राधेश्याम चौधरी ने कहा कि मामला उनके संज्ञान में आया है। संबंधित शाखा से जानकारी लेने के बाद ही वे कुछ बता पाएंगे। पार्षद महेन्द्र कटारिया बताते है कि जब शहर में यह नंबर प्लेट लग रही थी तब उन्होंने तत्कालीन सीएमओ से इस पर जानकारी ली थी। उन्हें बताया गया था कि अन्य नगर परिषद और पालिका में भी टैक्स वसूली के लिए डिजिटल व्यवस्था बनाई जा रही है। इसी तर्ज पर नगर में भी प्रापर्टी यूआईडी नंबर प्लेट लगवाई जा रही है। इस कथित घोटाले की तरफ जिला कलेक्टर से लेकर वरिष्ट अधिकारियों को गंभीरता से ध्यान देने की जरूरत है।

कटंगी शहर में तकरीबन साढ़े चार हजार दुकानें और मकान हैं। इनमें से लगभग 1 हजार दुकानों और आवासीय मकानों पर एक साल पहले यूनिक आईडी क्यूआर कोड लगाए गए थे। उद्देश्य था कि करदाता घर बैठे डिजिटल इंडिया की व्यवस्था के तहत टैक्स जमा कर सकें। लेकिन यह व्यवस्था शुरू ही नहीं हो पाई। नगर परिषद के कर्मचारियों ने करदाताओं को साफ कह दिया है कि ये क्यूआर कोड फर्जी हैं और टैक्स ऑफलाइन ही जमा करना होगा। इस पूरे मामले ने नगर परिषद प्रशासन, करदाताओं और आम नागरिकों को गहरे संदेह में डाल दिया है। दिल्ली की राज केयर कंपनी नामक निजी संस्था ने बालाघाट जिले के एक एनजीओ के स्वयंसेवियों के माध्यम से कटंगी शहर में यह काम कराया। प्रत्येक मकान और दुकान पर यूनिक आईडी क्यूआर कोड लगाने के लिए 100 रुपए वसूले गए। कंपनी ने दावा किया कि इन क्यूआर कोड में हितग्राही की पूरी जानकारी दर्ज है। अब एक साल बाद पता चल रहा है कि वह क्यूआर कोड ही फर्जी है।

नागरिकों को बताया गया कि अब उन्हें टैक्स जमा करने के लिए नगर परिषद के चक्कर नहीं लगाने होंगे। वे घर बैठे मोबाइल से क्यूआर कोड स्कैन कर टैक्स जमा कर सकेंगे। यह व्यवस्था डिजिटल इंडिया अभियान के अनुरूप थी और करदाताओं ने इसे आधुनिक सुविधा मानकर स्वीकार किया। इस बीच सबसे बड़ा सवाल यह है कि कंपनी के पास कटंगी शहर के 1 हजार से अधिक लोगों का संवेदनशील डेटा पहुंच गया है। इसमें उनकी संपत्ति, परिवार और योजनाओं की जानकारी शामिल है। यह आशंका जताई जा रही है कि यह डेटा बेचा जा सकता है या गलत हाथों में जा सकता है। आमजन का साफ कहना है कि उन्हें डिजिटल इंडिया के नाम पर ठगा गया है। कई लोग यह भी कह रहे हैं कि उनके निजी डेटा का गलत इस्तेमाल हो सकता है। प्रॉपर्टी यूडीआईडी नंबर किसी संपत्ति या घर की एक विशिष्ट डिजिटल पहचान है। यह 14 से 18 अंकों का होता है, जो संपत्ति का पूरा ऑनलाइन ब्योरा (जैसे- ड्रोन, लोकेशन और मालिक का नाम) दर्शाता है। फिलहाल तो यहीं कहा जा सकता है कि कटंगी शहर के नागरिकों की निजी महत्वपूर्ण जानकारी बिना उनकी मर्जी के एक कंपनी को दे दी गई है।

शासकीय कार्य में बाधा डालकर हमला कर दंगा करने वाले 7 आरोपी गिरफ्तार, शेष आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास जारी

उमरिया (स्वतंत्रमत)। दिनाँक 24.05.2026 को खेरवाटोला ग्राम पनपथा मे घर के अन्दर बाघ के हमला करने से एक महिला की मृत्यु एवं तीन अन्य लोग घायल हो गये थे उसी दौरान घायलों को अस्पताल पहुंचाने एवं घर के अन्दर घुसे बाघ के रेस्क्यू कार्यवाही के दौरान भीड़ मे शामिल कुछ लोगों द्वारा बाघ एवं वन विभाग के लोगों को जान से मारने के लिये भीड़ को उकसाया गया जिस पर भीड़ मे शामिल कुछ लोगों द्वारा शासकीय कार्य मे बाधा डालते हुए गाली गुप्तार करते हुए जान से मारने की नीयत से वन विभाग के शासकीय कर्मचारियों पर हमला कर शासकीय सम्पत्ति को नुकसान पहुंचाते हुए दंगा कारित किया गया। फरियादियों की रिपोर्ट पर थाना इंदवार में पृथक-पृथक कुल 03 अपराध दर्ज कर विवेचना मे लिये गये। पुलिस अधीक्षक उमरिया विजय भागवानी, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक उमरिया सीताराम के निर्देशन एवं एसडीओपी उमरिया पी.एस. परस्ते के नेतृत्व मे आरोपियों की पतासाजी एवं गिरफ्तारी हेतु विवेचना के दौरान आहत के कथन, घटना के समय उपस्थित प्रत्यक्षदर्शियों के कथन एवं वीडियो रिकार्डिंग के आधार पर घटना मे शामिल मुख्य आरोपियों की पहचान की गई। आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम का गठन कर धरपकड़ की कार्यवाही की गई। कार्यवाही के दौरान घटना में शामिल कुल 07 आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है शेष आरोपियों की गिरफ्तारी हेतु पुलिस टीम के प्रयास जारी है। गिरफ्तार आरोपियों में बिट्टू उर्फ प्रेमलाल पाल पिता रामखेलावन पाल उम्र 20 साल निवासी ग्राम पौड़िया थाना इंदवार। लक्ष्मण पाल पिता रमेश पाल उम्र 18 साल निवासी गड़रियाटोला अमरपुर थाना इंदवार।राधे पाल पिता लोकनाथ पाल उम्र 40 वर्ष निवासी ग्राम चंसुरा थाना इंदवार। रवि तिवारी पिता स्व. रामरूद्र तिवारी उम्र 32 साल निवासी पनपथा थाना इंदवार। द्वारिका उर्फ अजय सिंह पिता रामलखन सिंह उम्र 32 साल निवासी ग्राम कोठिया थाना इंदवार। चन्द्रशेखर जायसवाल पिता मनिराम जायसवाल उम्र 32 साल निवासी ग्राम पनपथा थाना इंदवार। धरमू पाल पिता गजाधर पाल उम्र 42 साल निवासी ग्राम चंसुरा थाना इंदवार।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में मृत पाये गए नर बाघ का हुआ पोस्टमॉर्टम

कार्डियो-रेस्पिरेटरी फेल्योर के कारण मृत्यु होने की आशंका

जांच के लिए एडवांस लैब्स में भेजे गए नमूने

उमरिया (स्वतंत्र मत)।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व, उमरिया अंतर्गत पनपथा बफर क्षेत्र के ग्राम खेरवा टोला में 24 मई 2026 को मृत पाए गए नर बाघ का पोस्टमॉर्टम 25 मई 2026 को किया गया। पोस्टमॉर्टम 3 वन्यजीव चिकित्सकों के पैनल और 2 आमंत्रित विशेषज्ञों की उपस्थिति में हुआ। पोस्टमॉर्टम में बाघ के सभी अंगों का गहन परीक्षण किया गया और आवश्यक नमूने संग्रहित किए गए। पोस्टमॉर्टम में एकत्रित नमूनों को बीमारी, अन्य आंतरिक रोगों, तनाव अथवा विषाक्तता जैसी संभावनाओं की जांच के लिए मानक प्रयोगशालाओं में भेजा गया है। पोस्टमॉर्टम में डायरेक्टर, स्टेट वाइल्ड लाइफ फॉरेंसिक हेडक्वार्टर (एसडब्ल्यूएफएच) जबलपुर, क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व तथा एनटीसीए के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। पूरी प्रक्रिया की फोटोग्राफी और वीडियोग्राफी भी कराई गई। पोस्टमॉर्टम के बाद क्षेत्र संचालक बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व एवं एनटीसीए प्रतिनिधि की उपस्थिति में 25 मई 2026 को जबलपुर में बाघ का अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम संस्कार में वन विभाग के अधिकारी एवं कर्मचारी भी मौजूद रहे।

पोस्टमॉर्टम में चिकित्सकों और विशेषज्ञों के पैनल ने पाया कि मृत नर बाघ का स्वास्थ्य अत्यंत खराब था। उसकी मांसपेशियां पीली एवं सूखी थीं, पाचन तंत्र खाली था और त्वचा खुरदरी और बेजान हो चुकी थी। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया कि ट्रैंक्विलाइजर डार्ट दाहिने कंधे पर लगा था, जहां रक्तस्राव नहीं पाया गया। इससे यह स्पष्ट होता है कि डार्ट बाघ की मृत्यु के बाद लगाया गया था। शरीर के महत्वपूर्ण अंगों में 'कंजेस्टिव एवं हेमरेजिक' परिवर्तन पाए गए, जो कमजोर रक्त संचार के संकेतक हैं। पोस्टमॉर्टम करने वाले विशेषज्ञों के अनुसार बाघ की मृत्यु कार्डियो-रेस्पिरेटरी फेल्योर के कारण हुई होगी।

ट्रैक्टर पलटा, 3 की मौत, दर्जनों घायल

उमरिया (स्वतंत्रमत)

पाली थाना अंतर्गत तिवनी गांव में दर्दनाक हादसे की खबर है, इस हादसे में दो से तीन लोगों के मौत की खबर है,वही दो दर्जन के करीब लोग घायल बताये जा रहे है। बताया जा रहा है कि शुक्रवार 29 मई को ट्रैक्टर ट्राली में सवार होकर पाली से सटे ग्राम गिंजरी से धार्मिक कार्यक्रम में शामिल होने दो दर्जन से अधिक लोग अनूपपुर जिले के ग्राम बिजौरा जा रहे थे,इसी बीच अज्ञात कारणों से ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और ग्राम तिवनी (शनिधाम) में मौजूद पुलिया पर पलट गया,संजोग से ट्रैक्टर नीचे नही गिरा,नही तो और बड़ी दुर्घटना सम्भावित थी।इस हादसे में करीब दो से तीन लोगों के मौत की खबर है,वही दो दर्जन के करीब लोग घायल बताये जा रहे है,शुक्रवार की दोपहर दो से ढाई बजे के बीच हुई इस घटना के बाद 108 एम्बुलेंस की मदद से सभी घायलों को पाली अस्पताल लाया गया है,यहाँ प्राथमिक उपचार कर गम्भीर घायलों को जिला अस्पताल और शहडोल अस्पताल ले जाया जा रहा है।

सुरक्षित माहवारी प्रबंधन से स्वस्थ और सशक्त बनेगी किशोरियां : कलेक्टर

स्वच्छता माहवारी दिवस पर किशोर स्वास्थ्य एवं माहवारी स्वच्छता पर विशेष कार्यक्रम आयोजित

उमरिया (स्वतंत्रमत)।

राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत स्वच्छता माहवारी दिवस के अवसर पर किशोर स्वास्थ्य एवं सुरक्षित माहवारी प्रबंधन विषय पर जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य किशोरियों और महिलाओं में माहवारी से जुड़ी भ्रांतियों को दूर करना तथा सुरक्षित एवं सम्मानजनक माहवारी प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने कहा कि आज भी महिलाओं और किशोरियों के स्वास्थ्य से जुड़े कई महत्वपूर्ण विषय ऐसे हैं, जिन पर समाज में खुलकर चर्चा नहीं हो पाती। माहवारी स्वच्छता प्रबंधन भी ऐसा ही एक विषय है, जिसका सीधा संबंध किशोरियों के शारीरिक,मानसिक और भावनात्मक स्वास्थ्य से है। उन्होंने कहा कि सुरक्षित माहवारी प्रबंधन न केवल संक्रमण और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं से बचाव करता है, बल्कि किशोरियों के आत्मविश्वास, गरिमा और जीवन की गुणवत्ता को भी सुदृढ़ बनाता है।कलेक्टर ने कहा कि समाज में माहवारी को लेकर सकारात्मक संवाद और जागरूकता बढ़ाना समय की आवश्यकता है,ताकि किशोरियां बिना किसी संकोच के स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक जानकारी और सुविधाएं प्राप्त कर सकें। उन्होंने सभी से माहवारी स्वच्छता को स्वास्थ्य और सम्मान से जुड़े विषय के रूप में देखने तथा जागरूकता अभियान को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के दौरान ग्राम स्तर पर किशोर स्वास्थ्य एवं जनजागरूकता के क्षेत्र में उल्लेखनीय योगदान देने वाले साथिया सदस्यों को सम्मानित किया गया। प्रोत्साहन स्वरूप शील्ड प्रदान कर ग्राम दुब्बार की तान्या राय, ग्राम बड़गांव के साथिया किशन सोनी तथा उमंग स्वास्थ्य केंद्र में किशोर स्वास्थ्य परामर्श सेवाएं प्रदान कर रहे राकेश चौधरी को सम्मानित किया गया।

कार्यक्रम में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. व्ही.एस. चंदेल, जिला किशोर स्वास्थ्य समन्वयक बुधराम राहंगडाले, डॉ. हर्षा पाटील, सीपीएचसी साथिया प्रशिक्षक प्रकाश असाटी सहित बड़ी संख्या में साथिया सदस्य एवं ग्रामीणजन उपस्थित रहे। कार्यक्रम के माध्यम से किशोरियों के स्वास्थ्य, स्वच्छता, आत्मसम्मान और सुरक्षित माहवारी प्रबंधन के प्रति जागरूकता बढ़ाने का संदेश दिया गया।

केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर होंगे कार्यक्रम जिला संगठन प्रभारी ने कहा

भाजपा केवल राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का संगठन

मण्डला (स्वतंत्र मत)।

भारतीय जनता पार्टी प्रदेश संगठन के निर्देशानुसार शुक्रवार को भाजपा कार्यालय में जिला कार्यशाला का आयोजन किया गया। बैठक में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार के 12 वर्ष पूर्ण होने पर आयोजित किए जाने वाले 12 साल विश्वास विकास जनकल्याण के अभियान पर विस्तृत चर्चा की गई। बताया गया कि 5 जून से 21 जून तक विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। इनमें विश्व पर्यावरण दिवस विशेष जनसंपर्क अभियान मीडिया संवाद जनकल्याण शिविर मोदी सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी सभागार बैठके प्राकृतिक खेती कार्यशालाएं एवं अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम शामिल रहेंगे जिला संगठन प्रभारी रमेश भटेरे ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा केवल राजनीतिक दल नहीं बल्कि राष्ट्र सेवा का संगठन है।

उन्होंने भीषण गर्मी के बावजूद बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं की सराहना करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के 12 वर्ष के कार्यकाल को जन-जन तक पहुंचाने की जिम्मेदारी प्रत्येक कार्यकर्ता की है। उन्होंने कहा कि 5 जून विश्व पर्यावरण दिवस पर प्रत्येक कार्यकर्ता एक पौधा अवश्य लगाए तथा उसकी सुरक्षा का संकल्प भी ले पौधरोपण की सेल्फी संगठन एप में अपलोड करने के निर्देश भी दिए गए वहीं 8 से 14 जून तक विशेष जनसंपर्क एवं स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा जिसमें प्रत्येक मंडल को कम से कम 30 लोगों से संपर्क करने का लक्ष्य दिया गया है जनकल्याण शिविरों के माध्यम से आयुष्मान कार्ड पीएम

सूर्य घर योजना पीएम स्वनिधि लखपति दीदी सहित केंद्र सरकार की जनहितकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर भी जोर दिया गया साथ ही विभिन्न स्थानों पर मोदी सरकार की उपलब्धियों की प्रदर्शनी लगाने एवं प्रबुद्धजनों के साथ सभागार बैठक आयोजित करने की रणनीति भी बनाई गई।

कार्यशाला में 19 एवं 20 जून को प्राकृतिक खेती को लेकर कृषि विज्ञान केंद्र में किसानों के साथ संवाद कार्यक्रम आयोजित करने तथा 21 जून अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर मंडल से लेकर शक्ति केंद्र स्तर तक व्यापक सहभागिता सुनिश्चित करने का आह्वान किया गया कैबिनेट मंत्री श्रीमति संपतिया उइके ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि विभिन्न संगठनों से जुड़े कम से कम 30 लोगों के नाम चिन्हित करें चाहे वे किसी भी पार्टी या विचारधारा से जुड़े हों उन्होंने कहा कि सभी कार्यकर्ता निसंकोच होकर उनके घर पहुंचें और आत्मीयता के साथ संवाद स्थापित करें उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता अपने वाहन में एक पौधा अवश्य रखे और जनसंपर्क के दौरान लोगों के साथ मिलकर पौधरोपण करें जिससे पर्यावरण संरक्षण का संदेश भी समाज तक पहुंचे उन्होंने कहा कि मन की बात कार्यक्रम को जिले में उत्कृष्ट रूप से आयोजित किया जाए और इसमें सभी कार्यकर्ताओं की विशेष सहभागिता सुनिश्चित हो साथ ही जिन स्थानों पर जनकल्याण शिविर आयोजित किए जाएंगे वहां व्यापक स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए ताकि अधिक से अधिक पात्र हितग्राही योजनाओं का लाभ प्राप्त कर सकें मंत्री ने कहा कि जिन लोगों को अब तक सरकारी योजनाओं का लाभ नहीं मिला है उनके लिए विशेष प्रयास किए जाएं और यदि वे पात्र हैं तो उन्हें योजनाओं से जोड़ा जाए सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते ने कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश ने विकास सुशासन और आत्मनिर्भरता की दिशा में ऐतिहासिक उपलब्धियां हासिल की हैं। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचा है और गरीब किसान महिला एवं युवा वर्ग के जीवन में सकारात्मक परिवर्तन आया है। वहीं भाजपा जिलाध्यक्ष प्रफुल्ल मिश्रा ने कहा कि सभी कार्यकर्ताओं को आगामी कार्यक्रमों में सक्रियता के साथ अपनी भूमिका का निर्वहन करना है।

उन्होंने कहा कि संगठन द्वारा तय प्रत्येक अभियान को बूथ स्तर तक प्रभावी तरीके से पहुंचाना हम सभी की जिम्मेदारी है कार्यशाला में जिला पंचायत अध्यक्ष संजय कुशराम, नगर पालिका अध्यक्ष विनोद कछवाहा, पूर्व विधायक देवसिंह सैयाम, पूर्व जिलाध्यक्ष बालकिशन खंडेलवाल, रोचीराम गुरवानी, रतन सिंह ठाकुर, डॉ विजय आनंद मरावी सहित अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि एवं पदाधिकारी उपस्थित रहे कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष जयदत्त झा ने किया तथा आभार प्रदर्शन भाजपा जिला महामंत्री एवं पूर्व विधायक पंडित सिंह धुर्वे ने व्यक्त किया कार्यशाला में जिला पदाधिकारी, जिला कार्यसमिति सदस्य, मंडल अध्यक्ष एवं महामंत्री, प्रदेश व जिला मोर्चा पदाधिकारी जनपद अध्यक्ष, नगरपालिका एवं नगर परिषद के अध्यक्ष-उपाध्यक्ष सहित बड़ी संख्या में कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

अनियंत्रित होकर पलटी कार, बचे पूर्व विधायक

मण्डला (स्वतंत्रमत)।

पूर्व विधायक रामप्यारे कुलस्ते सड़क हादसे में घायल हो गए। यह दुर्घटना निवास-मंडला मार्ग पर बकौरी और खारी गांव के बीच हुई जहां उनकी कार अनियंत्रित होकर सड़क किनारे गड्ढे में जा गिरी। हादसे में उन्हें सिर पैर और पीठ में चोटें आई हैं। फिलहाल उनका इलाज जिला अस्पताल में जारी है और डॉक्टरों ने उनकी हालत खतरे से बाहर बताई है जानकारी के अनुसार रामप्यारे कुलस्ते भाजपा की एक बैठक में शामिल होने के लिए मंडला जा रहे थे। वह कार स्वयं चला रहे थे और वाहन में अकेले सवार थे इसी दौरान बकौरी और खारी गांव के बीच अचानक उनकी कार का नियंत्रण बिगड़ गया प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक कार कई बार पलटते हुए सड़क किनारे गहरे गड्ढे में जा गिरी। हादसे के बाद वह कार के अंदर फंस गए थे घटना के समय पीछे से आ रहे भाजपा जिला उपाध्यक्ष राजेश जैन ने तुरंत स्थानीय लोगों की मदद से उन्हें कार से बाहर निकाला इसके बाद उन्हें अपनी गाड़ी से जिला अस्पताल पहुंचाया जहां डॉक्टरों ने उनका प्राथमिक उपचार शुरू किया दुर्घटना के दौरान कार के एयरबैग खुल गए थे जिससे बड़ा हादसा टल गया और

गंभीर चोटें आने से बचाव हो सका। हालांकि हादसे में कार पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई है जिला अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. विजय धुर्वे ने बताया कि पूर्व विधायक को सिर पैर और पीठ में चोटें आई हैं। डॉक्टरों की टीम लगातार उनकी निगरानी कर रही है। उन्होंने बताया कि राम प्यारे कुलस्ते पूरी तरह होश में हैं और उनकी स्थिति स्थिर बनी हुई है एक्सरे और अन्य जांच रिपोर्ट आने के बाद स्वास्थ्य की स्थिति और स्पष्ट हो सकेगी राम प्यारे कुलस्ते जिले की निवास विधानसभा सीट से तीन बार विधायक रह चुके हैं साथ ही वह पूर्व केंद्रीय राज्यमंत्री और सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते के छोटे भाई हैं।

मशरूम उत्पादन का निरीक्षण

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जिले के विकासखंड बिछिया अंतर्गत ग्राम कान्हारीकला में पूजा सिंदराम एवं उनके अन्य साथियों द्वारा संचालित मशरूम उत्पादन समूह का सहायक संचालक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र बलराम यादव तथा सहायक संचालक उद्यानिकी विभाग श्रीमती दीपा कुलेश द्वारा संयुक्त निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उत्पादन इकाई संचालित पाई गई तथा समूह द्वारा ऑयस्टर मशरूम उत्पादन का कार्य किया जाना पाया गया मशरूम उत्पादन के लिए भूसा आधारित बैगों का उपयोग किया जा रहा है तथा बैगों को व्यवस्थित रूप से लटकाकर उत्पादन प्रक्रिया संचालित की जा रही है।

कार के साथ अवैध शराब जब्त, आरोपी गिरफ्तार

मण्डला/मोहगांव (स्वतंत्रमत)।

जिले में अवैध शराब के परिवहन एवं विक्रय के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना मोहगांव पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने कार्यवाही करते हुए 64.2 लीटर अवैध शराब एवं एक मारूती सुजुकी कार जब्त की है। मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया है जबकि दो अन्य आरोपी फरार बताए जा रहे हैं यह कार्यवाही पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी के निर्देशन तथा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक शिवकुमार वर्मा एवं एसडीओपी निवास पीएस वालरे के मार्गदर्शन में की गई। थाना मोहगांव पुलिस को 28 मई को मुखबिर से सूचना प्राप्त हुई थी कि ग्राम हर्राटिकुर निवासी राजेश यादव के घर के पास खड़ी मारूती सुजुकी कार क्रमांक सीजी/09/2301 में भारी मात्रा में अवैध शराब रखी हुई है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घेराबंदी की पुलिस को देखकर वाहन के पास खड़े दो व्यक्ति खेतों की ओर भागने लगे पुलिस टीम ने तत्परता दिखाते हुए पीछा किया और एक आरोपी को पकड़ लिया जबकि दूसरा आरोपी अंधेरे एवं खेतों का फायदा उठाकर फरार हो गया पुलिस ने मौके से राकेश कुमार झारिया पिता प्रेमकुमार झारिया उम्र 35 वर्ष निवासी देवगांव को गिरफ्तार किया है। वहीं राजेश यादव निवासी हर्राटिकुर एवं दीपक शराब दुकान नारायणगंज थाना टिकरिया फरार बताए जा रहे हैं जिनकी तलाश जारी है पुलिस द्वारा वाहन की तलाशी लेने पर उसमें से अवैध अंग्रेजी एवं देशी प्लेन मदिरा कुल 64.2 लीटर बरामद की गई जिसकी अनुमानित कीमत 44,060 बताई गई है। इसके साथ ही शराब परिवहन में प्रयुक्त मारूती सुजुकी कार जिसकी कीमत लगभग 4 लाख आंकी गई है को भी जब्त किया गया। इस प्रकार पुलिस ने कुल लगभग 4,44,060 का मशरूका जब्त किया है। थाना मोहगांव पुलिस ने आरोपियों के विरुद्ध अपराध क्रमांक 145/2026 के तहत आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(2) में मामला दर्ज कर विवेचना शुरू कर दी है फरार आरोपियों की तलाश के लिए पुलिस लगातार दबिश दे रही है इस कार्यवाही में थाना प्रभारी मोहगांव निरीक्षक वेदराम हनोते, उनि बंदना शर्मा, सउनि चन्द्रकुमार अहिरवार, प्रधान आरक्षक शिवा पटैल, आरक्षक नवीन उइके, आरक्षक हेमन्त मरावी, आरक्षक पूनाराम सल्लाम, चालक आरक्षक रेवा मरावी, एसएसयू संदीप पट्टा एवं सैनिक रघुनाथ मरावी की भूमिका रही।

आदर्श बाल गृह में स्वास्थ्य शिविर आयोजित

मण्डला (स्वतंत्रमत)। वर्ल्ड ह्यूमंस राइट रिसर्च काउंसिल मध्यप्रदेश अध्यक्ष जनरल सेल एवं पैरा लीगल वालेंटियर श्रीमती शिखा श्रीवास्तव के नेतृत्व में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मजिस्ट्रेट तपन धारगा के मुख्य आतिथ्य में सीमा सोशल वेलफेयर सोसाइटी मिशन वात्सल एवं किशोर न्याय बालकों की देखरेख एवं संरक्षण अधिनियम के तहत संचालित आदर्श बाल गृह में आयुष विभाग के सहयोग से वहां निवासरत निराश्रित बच्चों का स्वास्थ्य परिक्षण हेतु शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का प्रारंभ भारत माता एवं मां सरस्वती को समक्ष दीप प्रज्जवलित कर किया गया स्वागत उद्बोधन में श्रीमती शिखा श्रीवास्तव द्वारा वर्ल्ड ह्यूमंस राइट रिसर्च काउंसिल के उद्देश्यों के बारे में बारे में बताया गया। मुख्य अतिथि सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण मजिस्ट्रेट तपन धारगा द्वारा आयोजित स्वास्थ्य शिविर में वर्ल्ड ह्यूमंस राइट रिसर्च काउंसिल मध्यप्रदेश की टीम को बधाई देते हुए उनके कार्यों की सराहना की एवं आयोजित सेवा में बच्चों को गर्मी में अपनी दिनचर्या को संयमित और सुनिश्चित करने की बात कही गई। जिला आयुष अधिकारी श्रीमती एकता वालों को मैडम द्वारा बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण करते हुए उन्हें गर्मी में संयमित एवं संतुलित आहार लेने के बारे में बताया गया है एवं योग को नियमित दिनचर्या का हिस्सा बताया गया प्रदेश मीडिया प्रभारी ममता चौरसिया द्वारा संस्था के माध्यम से आयोजित होने वाले जागरूकता शिविर एवं विशेष दिवस की जानकारी प्रदान की गई प्रदेश की लीगल एडवाइजर एडवोकेट दुर्गेश अग्रवाल द्वारा बताया गया की जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से परेशान व्यक्तियों को नि:शुल्क विधिक सहायता उपलब्ध कराकर संस्था के माध्यम से लोगों को सरल और न्याय दिलाने कहा गया एक्टिव मेंबर श्रीमती दीप्ति नरेलिया द्वारा बच्चों को मानसिक रूप से शांत रहने हेतु योग को प्राथमिकता देने की समझाइए दी गई एवं एक्टिव मेंबर श्रीमती शिखा सोनी द्वारा बच्चों को स्किल डेवलपमेंट एवं आत्मविश्वास के साथ किसी भी परिस्थितियों में सामान्य से स्थापित करने विचार साझा किए गए वहीं एक्टिव मेंबर रश्मि पटेल द्वारा बच्चों के साथ आदमी व्यवहार करते हुए उनकी दैनिक दिनचर्या के बारे में चर्चा की गई।

पेयजल और स्वच्छता व्यवस्था की समीक्षा

मण्डला/घुघरी(स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर ने एसडीएम कार्यालय घुघरी के सभागार में विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठक ली। इस बैठक में उन्होंने घुघरी एवं मोहगांव के अंतर्गत आने वाले ग्रामों में ग्रीष्मकालीन पेयजल आपूर्ति और ग्रामीण क्षेत्रों में स्वच्छता व्यवस्था की विस्तृत समीक्षा की।

कलेक्टर ने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि भीषण गर्मी के मौसम में ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों को पेयजल के लिए परेशान न होना पड़े इसके लिए सभी पुख्ता इंतजाम सुनिश्चित किए जाएं उन्होंने लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग और संबंधित अधिकारियों को कड़े निर्देश देते हुए कहा कि आगामी 3 दिनों के भीतर दोनों क्षेत्रों के सभी खराब व बंद हैंडपंपों का सुधार कार्य अनिवार्य रूप से पूर्ण किया जाए। इसके साथ ही उन्होंने नल-जल योजनाओं की प्रगति की भी समीक्षा की और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए कलेक्टर ने जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारियों को निर्देशित किया कि वे नल-जल योजनाओं और हैंडपंप सुधार कार्य का लगातार फॉलोअप लें। उन्होंने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों और विशेषकर दूरस्थ टोलों मजरों में पेयजल की उपलब्धता सुनिश्चित की जाए। जिन टोलों में पानी की समस्या है वहां प्राथमिकता के आधार पर त्वरित समाधान निकाला जाए बैठक में ग्रामीण और नगरीय क्षेत्रों की स्वच्छता पर विशेष जोर दिया गया। कलेक्टर ने सीईओ जनपद पंचायत घुघरी एवं मोहगांव को निर्देशित किया कि प्रत्येक ग्राम में सफाई व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाए उन्होंने घुघरी सीईओ को सभी ग्राम पंचायतों में स्वच्छता अभियान चलाने और ग्रामीणों को स्वच्छता अपनाने के लिए प्रेरित करने के निर्देश दिए व्यापारिक क्षेत्रों में स्वच्छता सुनिश्चित करने के लिए कलेक्टर ने एसडीएम घुघरी सचिन जैन को निर्देशित किया कि वे तत्काल सभी स्थानीय दुकानदारों की एक बैठक बुलाएं और उन्हें स्वच्छता नियमों की समझाइश दें प्रत्येक दुकान और सार्वजनिक स्थानों सर्जन के स्थानों पर डस्टबिन कूड़ादान रखना अनिवार्य होगा। जिस भी दुकान में डस्टबिन नहीं पाया जाएगा उस दुकानदार के विरुद्ध सख्त जुर्माने की कार्रवाई की जाएगी।

पिंडरई प्रीमियम लीग का हुआ समापन

मण्डला (स्वतंत्र मत)। विकासखंड नैनपुर के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिंडरई में पिछले एक महीने से खेल प्रेमियों के आकर्षण का केंद्र बना रात्रिकालीन क्रिकेट टूर्नामेंट पिंडरई प्रीमियम लीग का समापन हुआ। आईपीएल की तर्ज पर आयोजित इस प्रतिष्ठित टूर्नामेंट में कुल 12 टीमों ने हिस्सा लेकर अपने खेल कौशल का शानदार प्रदर्शन किया। खेले गए इस खिताबी महा मुकाबले का रोमांच अपने चरम पर था। मैच का लुत्फ उठाने के लिए दूर-दराज के क्षेत्रों से आए हजारों दर्शकों की भारी भीड़ से पूरा मैदान खचाखच भरा रहा। कार्यक्रम के मुख्य आयोजक एवं चेयरमैन उपसरपंच जितेन्द्र सिंह राजपूत ने फाइनल मुकाबले में पहुंचे सभी दर्शकों और क्षेत्रीय जनता का हृदय से आभार व्यक्त किया

एवं कार्यक्रम के मुख्य संचालक आशीष जैन ने सभी युवाओं के सहयोग की मंच के माध्यम से सराहना की एवं आयोजन में मुख्य अतिथि के रूप में पहुंचे सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते इस समापन समारोह और फाइनल मैच में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। उन्होंने ग्रामीण स्तर पर इतने भव्य और अनुशासित आयोजन के लिए जितेन्द्र सिंह राजपूत और उनकी पूरी टीम को बधाई दी। इस दौरान सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते से ग्राम पिंडरई में पत्रकार भवन निर्माण की मांग रखी जिस पर सांसद ने भरोसा दिलाया। इस दौरान विशिष्ट अतिथियों के रूप में विनोद कछवाहा नपा अध्यक्ष, प्रजय जैन भाजपा ग्रामीण मंडल अध्यक्ष, संदीप मरकाम सरपंच ग्राम पंचायत पिंडरई, आशीष जैन जिला उपाध्यक्ष भाजपा अल्पसंख्यक मोर्चा, प्रमोद सिंह राजपूत वरिष्ठ किसान नेता, ग्राम वरिष्ठ बलराम सिंह राजपूत टैगोर शिशु निकेतन स्कूल के संचालक सुकीर्ति भूषण उपस्थित हुए एवं सभी अतिथियों ने विजेता और उपविजेता टीमों को पुरस्कृत करते हुए।

30 जून तक करें आवेदन

मण्डला (स्वतंत्रमत)। जिले की शासकीय आईटीआई संस्थाओं में सत्र 2026 के लिए प्रवेश पंजीयन प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। जिले की शासकीय आईटीआई मंडला निवास नारायणगंज बीजाडांडी मवई घुघरी एवं मोहगांव में संचालित एनसीवीटी एससीवीटी पाठ्यक्रमों में प्रवेश के इच्छुक अभ्यर्थी ऑनलाइन माध्यम से विभागीय डीएसडी पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं।

पशुओं को खतरनाक बीमारियों से बचाएं

मण्डला (स्वतंत्रमत)। मानसून से पहले पशुओं को खतरनाक बीमारियों से बचाने के लिए पशुपालन विभाग ने जून माह में कराए जाने वाले जरूरी टीकों की सूची जारी की है। विभाग ने किसानों से अपील की है कि बरसात शुरू होने से पहले ही अपने पशुओं का टीकाकरण अवश्य करवा लें ताकि बीमारी से होने वाले नुकसान से बचा जा सके गलघोटू का टीका यह बरसात में तेजी से फैलने वाली बीमारी है। इसके लक्षण तेज बुखार सांस लेने में दिक्कत और गले में सूजन हैं। यह टीका साल में 1 बार मई-जून में लगवाना चाहिए लंगड़ा बुखार का टीका गाय और भैंस में होने वाली खतरनाक बीमारी है। पैर में सूजन, लंगड़ापन और तेज बुखार इसके मुख्य लक्षण हैं।

यह टीका भी साल में 1 बार बारिश से पहले लगवाना जरूरी है खुरपका मुंहपका टीका पशुओं की सबसे आम और नुकसानदायक बीमारी है। मुंह में छाले, लार गिरना और खुर में घाव इसके लक्षण हैं यह टीका हर 6 महीने में जून और दिसंबर में लगवाएं ब्रुसेलोसिस टीका मादा बछिया यह गर्भपात रोकने के लिए जरूरी है। केवल 4-8 महीने की बछिया को जीवन में एक बार लगाया जाता हैलंपी स्किन डिजीज टीका त्वचा पर गांठ और बुखार वाली इस बीमारी का टीका सरकारी अभियान में नि:शुल्क उपलब्ध है। इसे बरसात से पहले लगवाएं उप संचालक पशु पालन उग्रसेन तिवारी ने बताया कि पशुपालकों को कुछ सावधानियाँ रखनी हैं जैसे बीमार पशु को टीका न लगवाएं, टीके के बाद तुरंत नहलाएं नहीं गर्म धूप में टीकाकरण न करें केवल प्रशिक्षित डॉक्टर से ही टीका लगवाएं उन्होंने अपील की है कि किसान नजदीकी पशु चिकित्सक से सलाह लेकर समय पर टीकाकरण जरूर करवाएं।

मार्कफेड गोदाम और निजी विक्रेताओं की दुकानों का हुआ निरीक्षण

उर्वरक और कृषि उत्पादन सामग्री समय पर मिले

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। किसानों को गुणवत्ता युक्त उर्वरक एवं कृषि उत्पादन सामग्री उपलब्ध कराने के उद्देश्य से कृषि विभाग द्वारा मार्कफेड गोदाम एवं निजी विक्रेताओं की दुकानों का निरीक्षण किया गया। कृषि विभाग से अरविंद वर्मा सहायक संचालक कृषि मंडल द्वारा नैनपुर विकासखंड में मार्कफेड गोदाम निजी उर्वरक बीज कीटनाशक विक्रेता की दुकानों का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उर्वरक के भंडारण विक्रय अभिलेख स्टॉक पंजी रेट सूची एवं गुणवत्ता संबंधी दस्तावेजों की जांच की गई साथ ही उर्वरक एवं बीच के नमूने सैंपल लेकर प्रशिक्षण हेतु

प्रयोगशाला भेजा गया। जिससे जिले के किसानों को गुणवत्ता युक्त बीज उपलब्ध होना सुनिश्चित किया जा सके। निरीक्षण के दौरान संबंधित विक्रेताओं को शासन के निर्देश निर्धारित दर पर उर्वरक विक्रय करने तथा स्टाफ पंजी एवं विक्रय संबंधी अभिलेख रखने के निर्देश दिए गए। अनियमित पाए जाने पर संबंधित विक्रेताओं के विरुद्ध उर्वरक बीज कीटनाशक निरीक्षण आदेश के तहत वैधानिक कार्यवाही किये जाने की बात कही गई है।

ट्रक की टक्कर से महिला की मौत

मण्डला (स्वतंत्रमत)। *नेशनल हाईवे 30 पर शुक्रवार को बंजारी मंदिर के पास दर्दनाक सड़क हादसा हो गया जहां पहले लोहे की रॉड से भरा एक ट्रक अनियंत्रित होकर पलट गया जिससे हाईवे पर लंबा जाम लग गया। इसके बाद जाम में फंसे सड़क किनारे खड़े बाइक सवार दंपती को पीछे से आए तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में महिला की मौके पर ही मौत हो गई जबकि पुरुष गंभीर रूप से घायल हो गया जानकारी के अनुसार शुक्रवार को एनएच-30 पर बंजारी मंदिर के पास लोहे की रॉड से भरा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पलट गया। ट्रक पलटते ही उसमें भरी लोहे की लंबी छड़ें सड़क पर बिखर गईं। हादसे के कारण हाईवे के दोनों ओर वाहनों की लंबी कतार लग गई और यातायात पूरी तरह प्रभावित हो गया घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और सड़क पर फैली लोहे की छड़ों को हटाने तथा यातायात बहाल करने का काम शुरू किया। पुलिसकर्मी और स्थानीय लोग काफी देर तक सड़क साफ कराने में जुटे रहे इसी दौरान जाम में फंसे एक बाइक सवार महिला और पुरुष सड़क किनारे खड़े थे। तभी पीछे से तेज रफ्तार में आए एक ट्रक ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी।*

कार्यालय राकेश उपाध्याय अधिवक्ता
सिविल कोर्ट मंडला
मो. 9424940455
दिनांक-29/05/2026

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम बिनैका प.ह.नं. 35/70 रा.नि.मं. मण्डला तहसील व जिला मण्डला स्थित भूमि खसरा नंबर 296/2 रकवा 0.20 हेक्टयर भूमि मेरी पक्षकारा श्रीमति दीपाली खोत पति श्री मदन खोत नाईस कॉलेज तिलक वार्ड मण्डला, तह. जिला मण्डला, की स्वर्जित भूमि है, जिसमें से कुछ अंशभाग राष्ट्रीय राजमार्ग में अधिगृहीत कर ली गई है तथा राष्ट्रीय राजमार्ग से लगी हुई शेष भूमि पर मेरी पक्षकारा दीपाली खोत के हक, कब्जे, स्वामित्व की है। मेरी कार्यार्थी की उक्त भूमि खसरा नंबर 296/2 रकवा 0.20 हे. के अंशभाग को खसरा नंबर 296/3/2 रकवा 0.15 बताते हुए मोहन खोत पिता श्री कृष्ण राव खोत द्वारा अवैध कब्जा कर विक्रय करने, प्रयासरत होने से उनके मध्य विवाद की स्थिति उत्पन्न होने से न्यायालय माननीय अनुविभागीय अधिकारी महोदय मण्डला के समक्ष मामला विचाराधीन है। उक्त भूमि विवादित है अत: विवाद के निराकरण होने तक उक्त भूमि खसरा नंबर 296/3/2 रकवा 0.15 हे. या उसका कोई भी अंश को किसी भी व्यक्ति द्वारा क्रय, विक्रय या कोई भी संविदा ना करें, यदि किसी भी व्यक्ति संस्था, निकाय द्वारा उक्त विवादित भूमि के संबंध में कोई क्रय विक्रय या अन्य कोई संविदा की जाती है तो उसकी संपूर्ण जवाबदारी उसकी स्वयं की होगी।

राकेश उपाध्याय
अधिवक्ता मण्डला

संपादकीय

टीएमसी में भागमभाग

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव नतीजों के बाद बंगाल में राजनीतिक माहौल बदल गया है। और ये माहौल ऐसा बदला है कि घर से मंदिर तक, मैदान से पार्टी दफ्तरों तक हलचल मची हुई है। शुभेंदु राज में बंगाल में पुलिस से लेकर हुकूमत तक और नेता से लेकर सियासत तक सब एक्शन में नजर आ रहे हैं। इससे टीएमसी की टेंशन बढ़ती दिख रही है। कारण ये है कि एक तरफ पूरे बंगाल में टीएमसी नेताओं के खिलाफ कानून का डंडा चलना शुरू हो गया है, दूसरी तरफ टीएमसी के नेता पार्टी छोड़-छोड़कर जा रहे हैं। और जो अब तक नहीं गए हैं, उनके बीच अंदरूनी घमासान शुरू हो गया है।

बंगाल में बीजेपी का शुभेंदु राज क्या आया, टीएमसी के अंदर से लेकर बाहर तक कोहराम मच गया। टीएमसी सांसद काकोली घोष दस्तीदार पहले ही पार्टी के सभी पदों से इस्तीफा दे चुकी थीं। उन्हें सीआईएसएफ की वाय कैटेगरी सुरक्षा भी मिल चुकी है। अब काकोली घोष ने लोकसभा स्पीकर को चिट्ठी लिखकर मांग की है कि टीएमसी के ही लोकसभा चीफ व्हीप कल्याण बनर्जी के खिलाफ मुकदमा चलाने की अनुमति दी जाए। काकोली का आरोप है कि कल्याण बनर्जी ने संसद में कई बार उनके साथ दुर्व्यवहार किया। हालांकि ऐसे आरोप पहले टीएमसी सांसद महुआ मोइत्रा भी लगा चुकी हैं। लेकिन कल्याण बनर्जी का कहना है कि अगर काकोली घोष को शिकायत थी तो उन्होंने तीन महीने पहले संसद में इसकी शिकायत क्यों नहीं की। कल्याण बनर्जी का दावा है कि नारदा स्टिंग मामले में काकोली घोष के खिलाफ सीबीआई की कार्रवाई का खतरा मंडरा रहा है, इसलिए दूसरी मंशा से ऐसे आरोप लगाए जा रहे हैं। लेकिन मामला सिर्फ काकोली घोष तक सीमित नहीं है। थोड़ी देर पहले टीएमसी प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी अपने पदों से इस्तीफा दे दिया और कहा कि टीएमसी में भ्रष्टाचार है। इधर 15 नगरपालिका, नगर निगम और ग्राम पंचायतों से करीब 127 टीएमसी नेताओं और पार्षदों ने इस्तीफा दे दिया है। टीएमसी नेताओं पर 181 से ज्यादा मुकदमे दर्ज हो चुके हैं और दर्जनों गिरफ्तारियां भी हुई हैं। ऐसे में सवाल ये है कि क्या बंगाल में अब टीएमसी अपने वजूद की लड़ाई लड़ रही है? जिस तरह टीएमसी के विधायक सीएम शुभेंदु अधिकारी से लेकर मंत्री निशीथ प्रमाणिक की बैठकों में पहुंच रहे हैं, क्या वो बंगाल में टीएमसी के भविष्य के संकेत हैं? टीएमसी विधायक दिलीप मंडल को ओडिशा के पुरी से गिरफ्तार किया गया। बशीरहाट में टीएमसी के म्यूनिसिपैलिटी चेयरमैन के खेतों से सोना और नकदी मिलने के बाद गिरफ्तारी हुई। कूचबिहार में शुभेंदु अधिकारी के काफिले पर हमले के मामले में टीएमसी नेता तन्मय दास और सुब्रत आचार्य गिरफ्तार किए गए। उत्तर 24 परगना में अजित साहा और सुजीत साहा के घरों से करेंसी, राइफल, गोलियां और शराब बरामद होने का दावा किया गया। हुगली के टीएमसी जोनल चेयरमैन सुखदेव महतो गिरफ्तार हुए। बिधाननगर नगर निगम के चार टीएमसी पार्षदों की गिरफ्तारी हुई। दक्षिण दमदम नगरपालिका से पूर्व मंत्री सुजीत बोस गिरफ्तार हुए। दावा ये भी किया जा रहा है कि 50 नाराज विधायकों समेत मालदा, मुर्शिदाबाद और दक्षिण बंगाल के कई नेता बीजेपी के संपर्क में हैं। एसोसिएशन फॉर डेमोक्रेटिक रिफॉर्म्स के आंकड़ों के मुताबिक 2024 के चुनाव नतीजों के बाद से 150 से ज्यादा सांसद और विधायक अपनी पार्टियां छोड़कर बीजेपी में शामिल हो चुके हैं। हालांकि हर चुनाव से पहले और बाद में दलबदल देखने को मिलता है, लेकिन इस बार लगभग हर दल के नेताओं का रुख बीजेपी की तरफ दिखाई दे रहा है।

आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की

यह कैसा समाज है, जिसमें अदालतें समझाएं रिश्तों का धर्म

ललित गर्ग
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

किसी भी सभ्यता की वास्तविक पहचान उसकी ऊँची इमारतों, चमकती सड़कों, आर्थिक प्रगति या तकनीकी उपलब्धियों से नहीं होती, बल्कि इस बात से होती है कि वह अपने बुजुर्गों, माता-पिता और निर्बल वर्ग के प्रति कितना संवेदनशील है। लेकिन आज का सबसे पीड़ादायक प्रश्न यही है कि जिस भारत ने मातृ देवो भवः, पितृ देवो भवः का उद्घोष किया, जिस धरती से वसुधैव कुटुम्बकम् का विचार पूरी दुनिया में पहुँचा, उसी भूमि पर आज माता-पिता को अपने ही घर में सम्मान और आश्रय पाने के लिए अदालतों का दरवाजा खटखटाना पड़ रहा है। हाल के वर्षों में देश की अदालतों में ऐसे मामलों की संख्या बढ़ी है, जहाँ वृद्ध माता-पिता को अपने ही बच्चों से संरक्षण, भरण-पोषण, रहने की व्यवस्था और संपत्ति पर अधिकार के लिए न्यायिक हस्तक्षेप लेना पड़ा। कहीं बेटे को अदालत यह निर्देश दे रही है कि वह अपनी वृद्ध मां को घर में एक कमरा, अलग स्नानघर और बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराए, तो कहीं दुर्व्यवहार करने वाली संतान को माता-पिता की संपत्ति से बेदखल करने के आदेश दिए जा रहे हैं। यह केवल कानूनी घटनाएँ नहीं, बल्कि हमारे सामाजिक और नैतिक पतन की वे चेतावनियाँ हैं जो भविष्य के भारत की तस्वीर पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगा रही हैं।

वास्तव में यह अत्यंत विडंबनापूर्ण है कि जिस मां ने नौ महीने गर्भ में रखकर संतान को जीवन दिया, जिसने अपना रक्त, ममता और त्याग देकर उसे पाला, उसी मां को अपने ही घर में रहने के लिए न्यायालय की शरण लेनी पड़े। जिस पिता ने अपने पसीने और परिश्रम से घर बनाया, बच्चों का भविष्य संवारा, वृद्धावस्था में उसी घर में उसके अधिकार के लिए अदालत को हस्तक्षेप करना पड़े, यह स्थिति केवल व्यक्तिगत कृतघ्नता नहीं, बल्कि सामाजिक संवेदनाओं के क्षरण का प्रमाण है। यह प्रश्न इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि आज भारत विकसित भारत 2047 की दिशा में आगे बढ़ रहा है। आर्थिक विकास, डिजिटल क्रांति, स्मार्ट शहर, वैश्विक नेतृत्व और आत्मनिर्भरता की बातें हो रही हैं। लेकिन यदि घर के किसी कोने में बैठे वृद्ध माता-पिता अकेलेपन, उपेक्षा और अपमान का जीवन जी रहे हों, तो क्या यह विकास पूर्ण माना जा सकता है? यदि हमारे बुजुर्ग अपनी छोटी-छोटी आवश्यकताओं के लिए भी दूसरों पर निर्भर और उपेक्षित हो जाएँ, तो हमारी सारी उपलब्धियाँ खोखली प्रतीत होती हैं।

आज की सबसे बड़ी चुनौती केवल आर्थिक नहीं, बल्कि भावनात्मक निर्धनता की है। नई पीढ़ी का एक बड़ा वर्ग आत्मकेंद्रित होता जा रहा है। भौतिक उपलब्धियाँ, कैरियर, उपभोगवाद और व्यक्तिगत स्वतंत्रता की अवधारणाएँ जीवन के केंद्र में आ गई हैं। संयुक्त परिवार टूट रहे हैं, रिश्तों की ऊष्मा कम हो रही है और संवाद का स्थान डिजिटल माध्यम ले रहे हैं। परिणामतः बुजुर्गों का जीवन अकेलेपन, अवसाद और असुरक्षा का पर्याय बनता जा रहा है। यह सच है कि महानगरीय जीवन की अपनी कठिनाइयाँ हैं। रोजगार, समयाभाव, आर्थिक दबाव और बदलती जीवनशैली ने नई पीढ़ी की चुनौतियाँ बढ़ाई हैं। लेकिन इन कठिनाइयों के बावजूद माता-पिता के प्रति दायित्व समाप्त नहीं हो सकते। भारतीय संस्कृति में माता-पिता की सेवा केवल सामाजिक परंपरा नहीं, बल्कि जीवन-मूल्य रही है। श्रवण कुमार का आदर्श केवल कथा नहीं, बल्कि भारतीय चेतना का हिस्सा है।

दुर्भाग्य यह है कि आज संपत्ति और स्वार्थ ने अनेक संबंधों को प्रभावित किया है। अखबारों में आए दिन ऐसे समाचार दिखाई देते हैं जिनमें संपत्ति के लिए माता-पिता को प्रताड़ित किया जाता है, घर से निकाला जाता है, मानसिक यातना दी जाती है या उनकी उपेक्षा की जाती है। अनेक वृद्धाश्रम ऐसे माता-पिता से भरे पड़े हैं जिनकी सबसे बड़ी गलती केवल यह थी कि उन्होंने अपनी पूरी जिंदगी बच्चों के लिए समर्पित कर दी। यदि यह प्रवृत्ति यूँ ही बढ़ती रही तो भारत भी उस दिशा में बढ़ सकता है जहाँ पश्चिमी देशों की तरह माता-पिता और संतान के संबंध केवल कानूनी और औपचारिक होकर रह जाएँ। पश्चिमी समाज में अनेक माता-पिता प्रारंभ से ही बच्चों को आत्मनिर्भर बना देते हैं क्योंकि वे भविष्य में उनसे देखभाल की अपेक्षा नहीं रखते। लेकिन भारतीय समाज का आधार इससे भिन्न रहा है। यहाँ परिवार केवल जैविक इकाई नहीं, बल्कि भावनात्मक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संस्था रहा है।

यह भी स्मरणीय है कि देश में वरिष्ठ नागरिकों का भरण-पोषण एवं कल्याण अधिनियम, 2007 जैसे कानून बनाए गए हैं ताकि वृद्ध माता-पिता के अधिकारों की रक्षा हो सके। न्यायालयों ने अनेक अवसरों पर माता-पिता के संपत्ति अधिकारों को सुरक्षित रखा है और दुर्व्यवहार करने वाली संतानों के विरुद्ध कठोर टिप्पणियाँ भी की हैं। लेकिन कानून केवल सुरक्षा दे सकता है, संवेदना नहीं। अदालतें कमरे दिला सकती हैं, सम्मान नहीं, भरण-पोषण का आदेश दे सकती हैं, लेकिन ममता और अपनत्व नहीं लौटा सकतीं। यही कारण है कि समाधान केवल कानूनी नहीं, सामाजिक और सांस्कृतिक होना चाहिए। परिवारों में संस्कारों की पुनर्स्थापना आवश्यक है। बच्चों को केवल उच्च शिक्षा और आधुनिक सुविधाएँ देना पर्याप्त नहीं, बल्कि उन्हें मानवीय मूल्य भी देना होंगे। विद्यालयों, धार्मिक संस्थाओं और सामाजिक संगठनों को परिवार, सेवा, कृतज्ञता और बुजुर्ग सम्मान जैसे विषयों पर गंभीर पहल करनी चाहिए।

आज आवश्यकता है कि विकसित भारत 2047 की अवधारणा में वृद्ध सम्मान को भी एक महत्वपूर्ण सूचक बनाया जाए। जिस देश में बुजुर्ग सुरक्षित, सम्मानित और संतुष्ट होंगे, वही वास्तव में विकसित कहा जा सकेगा। हमें ऐसी नीतियाँ बनानी होंगी जिनमें वृद्धजन कल्याण, स्वास्थ्य, सामाजिक सुरक्षा और भावनात्मक सहयोग को प्राथमिकता मिले। साथ ही परिवारों को यह समझना होगा कि माता-पिता केवल जिम्मेदारी नहीं, हमारी जड़ें हैं। जिस वृक्ष की जड़ें सूख जाएँ, उसकी शाखाएँ अधिक समय तक हरी नहीं रह सकतीं। माता-पिता की उपेक्षा केवल एक व्यक्ति की नहीं, पूरी पीढ़ी की नैतिक पराजय है। यह भी विचारणीय है कि जो संतान आज अपने माता-पिता के साथ व्यवहार कर रही है, वही व्यवहार भविष्य में उसके हिस्से भी आ सकता है। बच्चे केवल उपदेश से नहीं, व्यवहार से सीखते हैं। यदि वे अपने माता-पिता को बुजुर्गों की उपेक्षा करते देखेंगे तो वही संस्कार आगे बढ़ेंगे।

आज आवश्यकता अदालतों के आदेशों से अधिक अंतःकरण के जागरण की है। रिश्तों की मर्यादाएँ, गरिमा और दायित्व यदि न्यायालयों को समझाने पड़ें तो यह केवल कानूनी संकट नहीं, बल्कि सभ्यता का संकट है। यह समय आत्ममंथन का है कि क्या हम तकनीकी रूप से आधुनिक होते-होते मानवीय रूप से निर्धन होते जा रहे हैं? भारत की पहचान उसकी संवेदनशीलता रही है। यदि हम इस संवेदनशीलता को बचा सके, तभी विकसित भारत का स्वप्न सार्थक होगा। अन्यथा ऊँची उपलब्धियों और भव्य योजनाओं के बीच भी हमारे घरों के किसी कोने में बैठा एक उपेक्षित वृद्ध हमारी समस्त प्रगति पर मौन प्रश्नचिह्न बनकर खड़ा रहेगा। अंततः याद रखना होगा-विरासत संपत्ति नहीं, संस्कार होते हैं, विकास इमारतों से नहीं, रिश्तों से मापा जाता है और वह समाज कभी महान नहीं कहलाता जहाँ माता-पिता को अपने अधिकार के लिए अदालतों में खड़ा होना पड़े।

पर्यावरण जागरूकता: वर्तमान आवश्यकता

डॉ.मुकुल तिवारी

पर्यावरण वह प्राकृतिक आवरण है जो पृथ्वी पर जीवन को संभव बनाता है। वायु, जल, मिट्टी, वृक्ष, जीव-जंतु और मनुष्य - सभी मिलकर एक संतुलित पारिस्थितिकी तंत्र बनाते हैं। परंतु औद्योगिक क्रांति के बाद से मनुष्य ने प्रकृति का अंधाधुंध दोहन शुरू कर दिया। परिणामस्वरूप आज हम जलवायु परिवर्तन, ग्लोबल वार्मिंग, वायु और जल प्रदूषण, जैव विविधता का विनाश जैसी गंभीर समस्याओं का सामना कर रहे हैं। ऐसे समय में पर्यावरण जागरूकता केवल एक विषय नहीं, बल्कि जीवन रक्षा का अभियान बन गई है।

पर्यावरण संकट के कारण- आज विश्व में पर्यावरण असंतुलन का मुख्य कारण मानवीय गतिविधियाँ हैं।प्रमुखतः सड़क चौड़ीकरण, सौंदर्यीकरण के नाम पर जंगलों की कटाई। पॉलथिन का निस्तारण आदि अनेंक कारण हैं।

औद्योगीकरण और नगरीकरण- कारखानों से निकलने वाला धुआँ,रासायनिक अपशिष्ट और बढ़ती आबादी के कारण जंगलों की कटाई ने वायु और मिट्टी को प्रदूषित कर दिया है।

प्लास्टिक का अंधाधुंध उपयोग- एक बार उपयोग होने वाला प्लास्टिक सैकड़ों वर्षों तक नष्ट नहीं होता और नदियों, समुद्रों तथा मिट्टी को दूषित करता है।

जल का दुरुपयोग और प्रदूषण - उद्योगों का रसायनयुक्त पानी नदियों में छोड़ने से जल स्रोत विषैले हो गए हैं।

वनों की अंधाधुंध कटाई-वृक्ष कार्बनडाइऑक्साइड अवशोषित करके वातावरण को शुद्ध करते हैं। उनकी कटाई से ग्रीनहाउस गैसें बढ़ रही हैं और तापमान में वृद्धि हो रही है।जीवाश्म ईंधन का उपयोग कोयला पेट्रोल, डीजल के जलने से कार्बन उत्सर्जन बढ़ता है, जो ग्लोबल वार्मिंग का प्रमुख कारण है।

पर्यावरण जागरूकता का महत्व- पर्यावरण जागरूकता का अर्थ है प्रकृति के महत्व को समझना और उसके संरक्षण के लिए सक्रिय होना। यदि आज हम जागरूक नहीं हुए तो आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ हवा, पीने योग्य पानी और उपजाऊ भूमि नहीं मिल पाएगी।

पर्यावरण जागरूकता से- 1. जलवायु परिवर्तन की गति को धीमा किया जा सकता हैं कम कार्बन उत्सर्जन और वृक्षारोपण से पृथ्वी का तापमान नियंत्रित रखा जा सकता है। 2. स्वास्थ्य की रक्षा कर सकते हैं। प्रदूषित वायु और जल से होने वाली अस्थमा, कैंसर, त्वचा रोग जैसी बीमारियों को रोका जा सकता है। 3. जैव विविधता को बचा सकते हैं। प्रत्येक जीव का पारिस्थितिकी में अपना महत्व है। उनके विलुप्त होने से पूरा तंत्र बिगड़ जाता है। 4. आर्थिक बचत कर सकते हैं ऊर्जा बचत, पुनर्चक्रण और जल संरक्षण से व्यक्तिगत और राष्ट्रीय स्तर पर संसाधनों की बचत होती है।

व्यक्तिगत स्तर पर क्या कर सकते हैं? - पर्यावरण संरक्षण के लिए सरकार और संस्थाओं के साथ-साथ प्रत्येक व्यक्ति का योगदान आवश्यक है। 1. वृक्षारोपण करें। एक व्यक्ति यदि जीवन में 10 पेड़ भी लगाए और उनकी देखभाल करे तो पर्यावरण को बड़ा लाभ होगा। 2. प्लास्टिक का बहिष्कार करें। कपड़े के थैले, स्टील की बोतल और पुनः उपयोग होने वाले सामान अपनाएँ। 3. जल बचाएँ। नल बंद करके ब्रश करें, वर्षा जल संचयन करें और लीकेज तुरंत ठीक कराएँ। 4. ऊर्जा का विवेकपूर्ण उपयोग करें। अनावश्यक बिजली बंद करें,सौर ऊर्जा का उपयोग बढ़ाएँ और सार्वजनिक परिवहन को प्राथमिकता दें। 5. अपशिष्ट प्रबंधन करें। गीले और सूखे कचरे को अलग करें, कंपोस्ट बनाएँ और पुनर्चक्रण को बढ़ावा दें। 6. जागरूकता फैलाएँ। अपने परिवार, मित्रों और समाज को पर्यावरण के प्रति संवेदनशील बनाएँ। स्कूलों और कॉलेजों में सेमिनार, पोस्टर प्रतियोगिता और स्वच्छता अभियान आयोजित करें।

सरकार और समाज की भूमिका

व्यक्तिगत प्रयासों के साथ-साथ नीतिगत बदलाव भी जरूरी हैं। सरकार को कठोर प्रदूषण नियंत्रण कानून बनाने चाहिए, नवीकरणीय ऊर्जा को प्रोत्साहन देना चाहिए और वनों की सुरक्षा के लिए कड़े कदम उठाने चाहिए। स्वच्छ भारत अभियान, नमामि गंगे, उज्ज्वला योजना जैसे कार्यक्रम इसी दिशा में सराहनीय हैं। गैर-सरकारी संगठन, स्कूल, मीडिया और धार्मिक संस्थाएँ भी जनजागरूकता फैलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। जब समाज सामूहिक रूप से पर्यावरण को धर्म और कर्तव्य मानेगा, तभी बदलाव संभव होगा।

भारतीय संस्कृति और पर्यावरण

भारत में प्रकृति को माता का दर्जा दिया गया है। वेदों में कहा गया हैमाता भूमिः पुत्रोऽहं पृथिव्याः-पृथ्वी मेरी माता है और मैं उसका पुत्र हूँ। पीपल, तुलसी, नदियाँ, पर्वत सभी पूजनीय माने गए हैं। हमारे त्योहार जैसे वट सावित्री, पर्यावरण से जुड़े हैं। यदि हम अपनी संस्कृति की इस शिक्षा को फिर से अपनाएँ तो पर्यावरण संरक्षण सहज हो जाएगा।

पर्यावरण का संकट आज वैश्विक संकट बन चुका है। यह किसी एक देश या व्यक्ति की समस्या नहीं है। यदि हम आज नहीं जागे तो कल पृथ्वी पर जीवन संकट में पड़ जाएगा। पृथ्वी को बचाओ का नारा केवल नारा न रहकर जीवनशैली बनना चाहिए।

छोटे-छोटे कदम-एक पेड़ लगाना, प्लास्टिक छोड़ना, जल बचाना-जब करोड़ों लोग करेंगे तो पृथ्वी फिर से हरी-भरी हो जाएगी। याद रखें, प्रकृति से लिया हुआ हर ऋण हमें चुकाना पड़ता है।

जांच तो होनी चाहिए

संतोष उत्सुक

गहन जांच का सख्त हुक्म होता है तो उसमें किसी तरह की राजनीति हो नहीं सकती क्यूंकि जांच के गर्भ में महत्त्वपूर्ण फैसला छिपा होता है। जांच के आदेश में जन भावना का सम्मान दिखता है। यह तो जांच होने के बाद ही पता चलता है कि जांच में क्या निकला और क्या नहीं निकला। कुछ को लगेगा जांच में यह नहीं निकला, वह तो बिलकुल नहीं निकलना चाहिए था। विद्वान व्यक्ति बता दिया करते हैं कि फलां जांच में कुछ ऐसा निकलना चाहिए था। समझदार लोगों का मत होता है कि जांच के आदेश से विपक्ष के झूठ और भ्रम पर रोक लगनी शुरू हो जाती है। उनके अनुसार राजपक्ष से सम्बंधित, मुश्किल से चुनाव जीत कर आए नेताओं को बदनाम करना शुरू हो गया था इसलिए जांच बिठानी पड़ी। बदनामी को दुर्भाग्यपूर्ण माना जाता है और जांच शुरू होने को शुभ मानते हुए कहा जाता है कि जांच जैसे पवित्र कार्य से सचाईजी, पूरी तरह सुसज्जित होकर सबके सामने खड़ी हो जाएंगी।

व्यंग्य

जांच किया जाना अच्छी बात है इसलिए तो जांच के निर्णय का स्वागत किया जाता है। यह बात दीगर है कि जांच होने के बाद निकलता क्या है। यह ठीक वैसा ही है कि गर्भ की जांच नहीं की जाती, डिलीवरी के बाद ही राज़ खुलता है। हालांकि अभिभावक मन्नतें मानते रहते हैं कि किसी तरह लड़का ही पैदा हो लेकिन हर तरह से लडकी ही पैदा हो जाती है। उस तरह की जांच के आदेश मात्र से एंटी सोशल मीडिया पर छाए तमाम वीडियो और दूसरे सामाजिक मंचों से फ़ैल रहे भ्रम और अराजकता का जो माहौल खड़ा किया जा रहा होता है उसका निर्माण गैर कानूनी ईमारत के निर्माण की तरह रुक जाता है। जांच उचित तरह से हो जाए तो जनता को बरगलाने वाले कुछ समय के लिए तो बेनकाब हो जाते हैं, क्या कहा करते हैं कि दूध का दूध पानी का पानी हो जाता है।

दिलचस्प यह है कि आजकल निरंतर प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने वाले, बड़े आकार के शहरों का पानी भी महादूषित और जानलेवा होने लगा है जिसकी जांच भी करने लायक है। दूध तो इतना उपलब्ध है जितने पशु नहीं हैं। अगर ऐसे मामलों में जांच घोषित हो तो जनता अपनी जीत समझ लेगी और मस्त रहेगी । वह बात अलग है कि जांच कई साल पकाने के बाद परिणाम का हलवा उन्हें स्वादिष्ट नहीं लगेगा। जांच करने वालों की विश्वसनीयता, ईमानदारी, पारदर्शिता और निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं लेकिन क्या फ़र्क पड़ता है सवाल उठाए जाएं या बिठा दिए जाएं। असली बात तो जवाबों में होती है। किसी ने लिखा भी है, जवाब जिनका नहीं वो सवाल होते हैं।

आम जनता तो सवालों से ही खुश हो जाती है। कुछ ख़ास लोग जांच के परिणामों का इंतज़ार करते रहते हैं। सवालों के न दिए जा सकने वाले जवाब चाहते रहते हैं। ख़ास सवाल जब जांच में फंस जाएं तो जवाबों के रंग ढंग सब बदल जाते हैं। जांच करने वाले भी सोचते तो होंगे कि कैसे कैसे संगीन मामलों की जांच को, बेचारी कर देना पड़ता है। जांच का फैसला दर्जनों पृष्ठ का होता है लेकिन दोषी परेशान नहीं दिखते। यही तो जांच की अच्छी बात होती है।

चुनाव आयोग सही है

आदित्य नारायण चौपड़ा
लेखक वरिष्ठ पत्रकार हैं

देश के सर्वोच्च न्यायालय ने मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को संवैधानिक करार देकर स्पष्ट कर दिया है कि यह प्रक्रिया भारत के चुनावी कानून जन प्रतिनिधित्व अधिनियम-1951 के प्रावधानों के विरुद्ध नहीं है तथा स्वतन्त्र व निष्पक्ष और पारदर्शी चुनाव कराये जाने के अनुरूप है। इससे यह भी साफ हो गया है कि चुनाव आयोग को समय-समय पर गहन पुनरीक्षण कराने का अधिकार है और यह प्रक्रिया पूरी तरह संविधान सम्मत है। विगत वर्ष अक्तूबर मास में जब बिहार राज्य में विधानसभा चुनाव कराये गये थे तो उनसे पहले चुनाव आयोग ने राज्य की मतदाता सूचियों का गहन पुनरीक्षण कराया था जिसके खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय में इसके विरुद्ध विभिन्न विपक्षी दलों व संस्थाओं व व्यक्तियों ने 20 के लगभग याचिकाएं दायर करते हुए कहा था कि चुनाव आयोग को व्यापाक आधार पर ऐसा करने का अधिकार ही नहीं है अतः यह प्रक्रिया असंवैधानिक घोषित की जानी चाहिए। पुनरीक्षण करते समय चुनाव आयोग ने सभी वयस्क भारतीय नागरिकों के लिए उनके मतदाता होने के सम्बन्ध में कुल 11 प्रपत्रों की सूची जारी की थी जिनमें से किसी एक को दिखा कर वे अपने वैध होने का प्रमाण दे सकें मगर इन प्रपत्रों में आधार कार्ड शामिल नहीं था। बाद में सर्वोच्च न्यायालय ने आदेश जारी कर आधार कार्ड को भी साक्ष्य मानने का हुक्म जारी कर दिया था।

याचिकाओं में कहा गया था कि चुनाव आयोग मतदाताओं की नागरिकता की जांच कर रहा है जिसका उसे अधिकार नहीं है क्योंकि यह क्षेत्र केन्द्रीय गृहमन्त्रालय का है और केवल वही किसी भी भारत में रहने वाले व्यक्ति की नागरिकता की जांच कर सकता है। इस सन्दर्भ में मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकान्त व जायमाल्या बागची की पीठ ने अपने निर्णय में स्पष्ट किया कि चुनाव आयोग यदि अपने पैमानों पर खरे न उतरने वाले नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल नहीं करता है अथवा उसका नाम मतदाता सूची से काट देता है तो इसका मतलब यह नहीं है कि वह व्यक्ति भारत का नागरिक नहीं है। इस मामले में पृथक प्रक्रिया है। चुनाव आयोग केवल अपनी मतदाता सूची में शामिल किये जाने या उससे बाहर किये जाने की कार्रवाई निर्धारित मानदंडों पर कर सकता है और उसका इसे पूरा अधिकार है। न्यायालय ने कहा कि लोकतन्त्र केवल चुनावों में मतदान का ही नाम नहीं है बल्कि यह इन चुनावों में भाग लेने वाले लोगों की वैध निशानदेही पर भी निर्भर करता है। चुनाव पूरी तरह साफ- सुथरे हों यह भी लोकतन्त्र में जरूरी होता है। अतः चुनाव आयोग यदि अपनी संवैधानिक सीमाओं व नियमों के तहत ऐसा काम करता है जो उसके निर्दिष्ट अधिकारों के भीतर हो तो उसे गैर कानूनी या असंवैधानिक नहीं कहा जा सकता। स्वतन्त्र और निष्पक्ष चुनावों का मतलब केवल मतदान की प्रक्रियागत पवित्रता ही नहीं होती बल्कि यह मतदाता सूचियों की शुद्धि पर भी निर्भर करती है जो कि लोकतन्त्र का आधार होती है।

न्यायमूर्तियों ने कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण के तहत इस प्रकार लक्ष्य की प्राप्ति होती है कि तार्किक आधार पर सूचियों का शुद्धिकरण हो और इस प्रक्रिया में ऐसा सुरक्षातन्त्र मौजूद हो जिससे किसी भी शिकायतकर्ता को पूरा न्याय मिल सके। चुनाव आयोग इस प्रक्रिया को करते समय ऐसे सुरक्षातन्त्र को भी तरजीह दे रहा है। पुनरीक्षण की प्रक्रिया का उद्देश्य मतदाता सूचियों को वैधानिक तरीके से सम्पूर्ण रूप से अशुद्धि रहित व विश्वसनीय बनाना है। अतः चुनाव आयोग को अधिकार है कि वह नागरिकों के लिए ऐसे साक्ष्यों की सूची जारी करे जिससे पुनरीक्षण के लक्ष्य की प्राप्ति हो सके। यदि किसी व्यक्ति का ऐसा मामला आता है जिसे सूची में दाखिल करने के चुनाव आयोग अयोग्य मानता है तो उसका मामला वह सक्षम केन्द्रीय विभाग के पास जांच हेतु प्रेषित कर सकता है। मगर चुनाव आयोग किसी भी व्यक्ति की नागरिकता की जांच नहीं कर सकता वह केवल उस व्यक्ति को सूची में शामिल करने या उसे बाहर निकालने के बारे में ही फैसला कर सकता है। न्यायमूर्तियों ने आज अपना केवल वह निर्णय पढ़ा है जो उन्होंने इस वर्ष के शुरू में ही जनवरी महीने में पुनरीक्षण के विरुद्ध दायर याचिकाओं की सुनवाई करने के बाद लिखकर सुरक्षित रख लिया था। इस फैसले के बाद अब तस्वीर पूरी तरह साफ हो गई है कि चुनाव आयोग को विशेष गहन पुनरीक्षण करते समय किसी भी व्यक्ति की नागरिकता की जांच करने का अधिकार नहीं है बेशक वह शक जरूर कर सकता है । इसके साथ यह भी स्पष्ट हो जाना चाहिए कि हम जिस लोकतन्त्र में जी रहे हैं उसमें मतदाता सूचियों का समय- समय पर शुद्धिकरण कितना जरूरी है लेकिन तस्वीर का दूसरा पहलू यह भी है कि भारत में हर वयस्क नागरिक को वोट देने का अधिकार है अतः चुनाव आयोग को उसके इस अधिकार की हर हालत में रक्षा करनी चाहिए और एक भी ऐसा मतदाता नहीं छूटना चाहिए जो जायज तौर पर वोट देने का अधिकार रखता हो क्योंकि ऐसा होने पर भारत से भागीदारी का लोकतन्त्र होने का भाव हल्का पड़ जायेगा। अभी तक जिन राज्यों में विशेष गहन पुनरीक्षण हुआ है वहां पर लाखों लोगों के नाम मतदाता सूचियों से उड़ाये गये हैं। ऐसे सभी नामों की भी जांच कराये जाने की मांग उठ सकती है। इसके साथ एक सवाल यह भी है कि अभी तक यह परंपरा रही है कि नया मतदाता बनने के लिए प्रत्येक वयस्क नागरिक को यह शपथ देनी पड़ती है कि वह भारत का नागरिक है और उसके बाद उसका नाम जुड़ जाता है मगर गहन पुनरीक्षण के क्रम में नई साक्ष्य प्रक्रिया को जोड़ दिया गया है, हालांकि आधार कार्ड के शामिल हो जाने के बाद इसमें नागरिकों को सुविधा हुई मगर प. बंगाल से ऐसी शिकायतें भी मिली जिनमें चुनाव आयोग ने इस कार्ड के अलावा पासपोर्ट प्रमाण तक को नहीं माना। अतः सर्वोच्च न्यायालय के फैसले के बाद चुनाव आयोग को भी चौकन्ना होना पड़ेगा। वैसे पाठकों को याद होगा कि एस आई आर के मसले पर संसद के शीतकालीन सत्र के दौरान भी लम्बी बहस हुई थी और विपक्ष अपनी इस जिद पर अड़ा रहा था कि संविधान में सामूहिक तौर पर इसे कराने की इजाजत नहीं है। सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय के बाद विपक्ष को भी दिशा मिलेगी और वह इस प्रक्रिया को कराने में अब नागरिकों की मदद भी करेगा। स्वस्थ लोकतन्त्र में ऐसी ही अपेक्षा की जा सकती है।

गाजा के 70% हिस्से पर कब्जे का आदेश

नेतन्याहू बोले- हमास के खात्मे तक जारी रहेगा युद्ध

नई दिल्ली

पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने गाजा पट्टी के 70 प्रतिशत हिस्से पर सैन्य नियंत्रण हासिल करने की योजना की घोषणा की है। यह पिछले साल अक्टूबर में इजरायल और हमास के बीच हुए युद्धविराम की शर्तों के विपरीत है। जार्डन में आयोजित एक सम्मेलन में इजरायली प्रधानमंत्री ने कहा कि हम वर्तमान में हमास पर दबाव बना रहे हैं। अब हम गाजा पट्टी के 60 प्रतिशत क्षेत्र पर नियंत्रण रखते हैं। आप जानते हैं, हम 50 प्रतिशत पर थे, फिर 60 प्रतिशत पर पहुंच गए। मेरा निर्देश है कि हम 70 प्रतिशत तक पहुंचें। सम्मेलन में मौजूद एक व्यक्ति ने चिल्लाकर कहा कि इजरायल को गाजा के 100 प्रतिशत क्षेत्र पर कब्जा कर लेना चाहिए, जिस पर नेतन्याहू ने जवाब देते हुए कहा कि हम क्रमबद्ध तरीके से आगे बढ़ेंगे। पहले 70 प्रतिशत हिस्से से शुरुआत करेंगे।

इजरायल और हमास के बीच युद्धविराम समझौते के अगले चरण को लेकर अप्रत्यक्ष बातचीत जारी है। इसमें हमास द्वारा हथियार छोड़ना और गाजा से इजरायली सैनिकों की वापसी शामिल है। युद्धविराम के बावजूद इजरायल अभी भी गाजा के आधे से ज्यादा हिस्से पर कंट्रोल रखता है, जबकि हमास तटीय क्षेत्र के एक छोटे से हिस्से पर अपना अधिकार रखता है। गाजा के स्वास्थ्य अधिकारियों का कहना है कि युद्धविराम लागू होने के बाद से इजरायली हमलों में लगभग 900 फलस्तीनी मारे गए हैं। महीनों तक चले युद्ध, बार-बार किए गए हवाई हमलों और जमीनी हमलों के बाद गाजा के बड़े हिस्से पहले ही तबाह हो चुके हैं। गाजा शहर में बकरीद के दौरान बुधवार की रात इजरायली हमले में 10 लोग मारे गए। इसमें पांच बच्चे, एक बुजुर्ग और एक हमास आतंकवादी शामिल था। शिफा अस्पताल के अनुसार, हमलों में 20 से अधिक लोग घायल हुए है। घटनास्थल से मिले वीडियो में एक इमारत की ऊपरी मंजिल की खिड़की से आग की लपटें निकलती दिखाई दे रही थीं, जबकि आसपास मौजूद लोग बच्चों सहित घायलों को एम्बुलेंस तक ले जा रहे थे।

दुनिया में हमें अवैध ठहराया जाता है, लेकिन भारत में नहीं

अमेरिका में घटती लोकप्रियता के बीच बोले नेतन्याहू

नई दिल्ली

वैश्विक मंच पर अपनी घटती लोकप्रियता और आलोचनाओं का सामना कर रहे इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने भारत के साथ अपने देश के रिश्तों को लेकर खूब सराहा है। गुरुवार को वेस्ट बैंक में एक कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए, नेतन्याहू ने भारत नाम की एक बड़ी ताकत के साथ इजरायल के अनोखे रिश्ते के बारे में बात की और कहा कि मेरे सबसे अधिक फॉलोअर्स भारत में हैं।

वेस्ट बैंक में आयोजित कॉन्फ्रेंस के दौरान नेतन्याहू ने कहा कि जहां दुनिया के कई हिस्सों में इजरायल को अपनी वैधता साबित करने में दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है, वहीं भारत में उसे %जबरदस्त और अटूट% समर्थन हासिल है। नेतन्याहू ने कहा कि

मुझे लगता है कि आबादी के लिहाज से इजरायल के सबसे ज्यादा प्रशंसक और फॉलोअर्स आज भारत में हैं।

गौरतलब है कि इजरायली पीएम नेतन्याहू की यह टिप्पणी अमेरिकी जनता के बीच अपनी गिरती लोकप्रियता की खबरों के बीच आई है। अप्रैल में जारी प्यू रिसर्च सेंटर के हालिया सर्वे के मुताबिक, 60त्न अमेरिकी वयस्क इजरायल के बारे में नकारात्मक राय रखते हैं। पिछले साल यह आंकड़ा 53त्न था।

आधे से अधिक अमेरिकी नेतन्याहू पर दुनिया के मामलों में सही काम करने का बहुत कम या बिल्कुल भी भरोसा नहीं है, पिछले साल यह आंकड़ा 52त्न था। नेतन्याहू ने अपनी लोकप्रियता में आई गिरावट के लिए पाकिस्तान को जिम्मेदार ठहराया है। उसी इंटरव्यू में उन्होंने पाकिस्तान पर सोशल मीडिया बॉट फार्म का इस्तेमाल करके अमेरिकी जनता की राय में इजरायल-विरोधी भावना को बढ़ावा देने का आरोप लगाया।

यह पहली बार नहीं है जब नेतन्याहू ने भारत में अपनी लोकप्रियता के बारे में प्रशंसा की हो। इससे पहले उन्होंने 2018 में अपनी पत्नी सारा के साथ नई दिल्ली की अपनी पिछली यात्रा को प्यार का उत्सव बताया था और दावा किया था कि भारतीयों के मन में इजरायल के लिए बहुत ज्यादा सम्मान है। इस दौरान उन्होंने कहा था क भारत की आबादी 1.4 अरब है, और वहां इजरायल बहुत लोकप्रिय है। यहां मोदी का बहुत प्यार से स्वागत किया गया था। और मैं अपनी पत्नी के साथ भारत गया था, और वह एक प्यार का उत्सव था।

देश के अधिकांश हिस्सों में सामान्य से कम रह सकती है बारिश : मौसम विभाग

नयी दिल्ली, (वार्ता)। मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने साल 2026 के दक्षिण-पश्चिम मानसून के लिए अपना दूसरा दीर्घकालिक अनुमान शुक्रवार को जारी कर दिया। इसके अनुसार देश के प्रमुख कई हिस्सों में इस साल मानसून की बारिश सामान्य से कम रहने का अनुमान है। मौसम विभाग के अनुसार देश में मानसून दीर्घावधि अनुमान के 90 प्रतिशत रह सकता है। यह स्थिति सामान्य से कम मानसून को दर्शाती है। विभाग के अनुसार इस प्रतिशत में चार प्रतिशत घट बढ़ हो सकता है। मौसम विभाग ने यहां बताया कि उत्तर-पूर्वी भारत में मानसून की स्थिति सामान्य रहने का अनुमान है, जहां दीर्घावधि औसत की 94 से 106 प्रतिशत तक बारिश हो सकती है। जबकि उत्तर-पश्चिमी भारत में समग्र रूप से बारिश सामान्य से कम (दीर्घावधि औसत के 92 प्रतिशत से भी कम) रहने की आशंका है।

माफ कीजिए हम इसमें दखल नहीं देंगे, स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद नहीं जाएंगे जेल, पॉक्सो केस में सुप्रीम कोर्ट से मिली बड़ी राहत

नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने 29 मई को इलाहाबाद हाई कोर्ट के उस आदेश में हस्तक्षेप करने से इनकार कर दिया, जिसमें स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद सरस्वती को यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम (पीओसीएसओ) के तहत दर्ज मामले में अग्रिम जमानत दी गई थी। न्यायमूर्ति एम.एम. सुंदरेश और न्यायमूर्ति एन कोटिश्वर सिंह की पीठ ने शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी की याचिका खारिज कर दी। पीठ ने कहा कि क्षमा करें, हम इस मामले में हस्तक्षेप नहीं करेंगे। 25 मार्च को इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और उनके शिष्य मुकुंदानंद ब्रह्मचारी को पीओसीएसओ अधिनियम के तहत उनके खिलाफ दर्ज एक मामले में

अग्रिम जमानत दे दी। हालांकि, उच्च न्यायालय ने प्रथम शिकायतकर्ता और याचिकाकर्ताओं (स्वामी अविमुक्तेश्वरानंद और शिष्य) दोनों को इस संबंध में मीडिया के समक्ष कोई भी बयान देने से रोक दिया। न्यायालय ने दोनों को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया था।

यह मामला प्रयागराज के झूंसी पुलिस स्टेशन में पीओसीएसओ अदालत के निर्देशों के बाद दर्ज की गई एफआईआर से संबंधित है, जिसमें आरोपी द्वारा कई बटुकों (युवा शिष्यों) के यौन शोषण का आरोप लगाया गया है। शिकायतकर्ता आशुतोष ब्रह्मचारी द्वारा दायर विशेष अनुमति याचिका (एसएलपी) में उच्च न्यायालय के 25 मार्च के आदेश के कानूनी आधार पर सवाल उठाया गया है और यह तर्क दिया गया है कि नाबालिगों से जुड़े गंभीर अपराधों में अग्रिम जमानत केवल असाधारण परिस्थितियों में ही दी जानी चाहिए। याचिका में तर्क दिया गया है कि आरोपियों के खिलाफ आरोप गंभीर हैं, जिनमें आजीवन कारावास तक की सजा हो सकती है, और उच्च न्यायालय ऐसे मामलों में गिरफ्तारी से पहले जमानत देने के संबंध में स्थापित सिद्धांतों को लागू करने में विफल रहा है। इसमें जोर दिया गया है कि अदालतों को अत्यधिक सावधानी बरतनी चाहिए, विशेष रूप से जहां पीओसीएसओ अधिनियम जैसे विशेष कानून एक कठोर ढांचा लागू करते हैं।

मातृभूमि का ऋण चुकाना सबसे बड़ा दायित्व: योगी

मऊ, (वार्ता)

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को कहा कि किसी व्यक्ति के लिए जननी और जन्मभूमि से बढ़कर कुछ नहीं होता तथा मातृभूमि का ऋण चुकाना सबसे बड़ा दायित्व है। ताजोपुर गांव स्थित ग्रामीण सैनिक अस्पताल के लोकार्पण अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रिगेडियर पीएन सिंह के नेतृत्व में संचालित संस्थान केवल व्यावसायिक या सामाजिक गतिविधियों के केंद्र नहीं, बल्कि ग्रामीण विकास और स्वावलंबन के प्रेरणास्रोत हैं। सेवानिवृत्त ब्रिगेडियर पीएन सिंह द्वारा स्थापित संस्थान ग्रामीण स्वावलंबन का अनुपम उदाहरण हैं, जो क्षेत्रीय आर्थिक आत्मनिर्भरता और निवेश को नई दिशा दे रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि ब्रिगेडियर पीएन सिंह ने अपने गांव में सैनिक आईटीआई, सैनिक कॉलेज, सैनिक फार्मेसी कॉलेज, सैनिक नर्सिंग कॉलेज और अब 150 बेड के ग्रामीण सैनिक अस्पताल की स्थापना कर यह साबित किया है कि गांवों में भी आधुनिक और गुणवत्तापूर्ण संस्थान विकसित किए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्य केवल व्यवसाय नहीं बल्कि राष्ट्रसेवा और समाज सेवा का एक पुनीत प्रयास है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि विकसित भारत की संकल्पना तभी साकार होगी जब गांव विकसित होंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'पंचप्रण' का उल्लेख करते हुए कहा कि विरासत का सम्मान, गुलामी की मानसिकता का त्याग, एक भारत-श्रेष्ठ भारत, सैनिकों का सम्मान और नागरिक कर्तव्यों का पालन ही देश को विश्व में अग्रणी बनाएगा। उन्होंने कहा कि ब्रिगेडियर पीएन सिंह के संस्थान इन्हीं सिद्धांतों पर कार्य कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने प्रदेश सरकार की उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वर्ष 2017 तक उत्तर प्रदेश में केवल 41 मेडिकल कॉलेज थे, जबकि अब उनकी संख्या बढ़कर 83 हो गई है। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने अपने नौ वर्ष के कार्यकाल में पिछले सौ वर्षों की तुलना में अधिक मेडिकल कॉलेज स्थापित कराए हैं।

उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार अपराध और भ्रष्टाचार के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति पर कार्य कर रही है और विकास, सुरक्षा तथा स्वास्थ्य सेवाओं के क्षेत्र में लगातार सुधार किए जा रहे हैं। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री एके शर्मा, दारा सिंह चौहान, दयाशंकर सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

इससे पूर्व मुख्यमंत्री ने मधुबन विधानसभा क्षेत्र में 392 करोड़ रुपये से अधिक लागत की 114 परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

राजस्थान में अराजकता के लिए राज्य सरकार जिम्मेदार:गहलोत

जयपुर (वार्ता)

राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री एवं कांग्रेस नेता अशोक गहलोत ने प्रदेश में अराजकता के लिए राज्य सरकार को जिम्मेदार ठहराते हुए कहा है कि जब लोग कानून अपने हाथ में लेकर किसी की जान ले लें, तो इसे कानून का राज नहीं कहा जा सकता।

श्री गहलोत ने शुक्रवार को सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि बांदीकुई में मोटरसाइकिल चुराने के शक में युवक दिनेश कुमार मीणा की मॉब लिंचिंग होना तथा अजमेर में पेड़ से बांधकर बेरहमी से एक युवक की पिटाई करना प्रदेश में बढ़ती अराजकता एवं जंगलराज का गंभीर उदाहरण है। उन्होंने कहा कि लोग कानून अपने हाथ में लेकर किसी की जान ले लें, तो इसे कानून का राज नहीं कहा जा सकता। साफ है कि आज राजस्थान अराजकता का शिकार हो चुका है। उस मां पर क्या बीत रही होगी, जिसका बेटा इस तरह उसकी आंखों के सामने ही मार दिया गया। इस पूरी घटना के दौरान पुलिस कहां थी, यह भी एक बड़ा प्रश्न है।

उन्होंने आरोप लगाया कि पूर्ववर्ती भाजपा सरकार की भांति अब पुन: प्रदेश में मॉब लिंचिंग की घटनाएं होने लगी हैं। यह गृह विभाग और पुलिस की असफलता को दिखाता है। यदि ऐसी घटनाएं होती रहीं, तो भाजपा का सत्ता में रहने का क्या नैतिक अधिकार रह जाएगा।

अमेरिका-ईरान एक समझौता पत्र पर सहमत, दोनों ओर से मंजूरी अभी बाकी

वॉशिंगटन, (वार्ता)

अमेरिका-ईरान के वार्ताकारों के बीच एक समझौता पत्र (एमओयू) पर सहमति बन गयी है। रिपोर्टों के अनुसार, लेकिन दोनों ओर से अभी अंतिम सहमति मिलनी बाकी है। चैनल 12 की रिपोर्ट के अनुसार, ह्वाइट हाउस ने इस बात की पुष्टि की है कि इस समझौते से मौजूदा युद्धविराम 60 दिन के लिए और बढ़ जायेगा। इस दौरान दोनों पक्ष ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर रोक लगाने को लेकर बातचीत करेंगे।

सूत्रों के अनुसार, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अभी एमओयू पर हस्ताक्षर करने बाकी है। रिपोर्ट में एक अमेरिकी अधिकारी के हवाले से कहा गया है कि श्री ट्रंप एमओयू को मंजूरी देने से पहले इस पर विचार करने के लिए कुछ दिनों का समय चाहते है। मध्यस्थता प्रक्रिया में शामिल देशों में से एक के राजनयिक ने द टाइम्स ऑफ इजरायल को बताया कि चैनल 12 की रिपोर्ट में बातचीत की स्थिति को गलत तरीके से पेश किया गया है और अभी ईरान की तरफ से भी अंतिम मंजूरी मिलनी बाकी है।

ईरान की अर्ध-सरकारी समाचार एजेंसी तस्नीम ने तेहरान की वार्ताकार टीम के करीबी सूत्र के हवाले से इस बात से इनकार किया है कि ईरान की तरफ इसे अंतिम मंजूरी मिली है। सूत्र ने दावा किया है कि समझौते के मसौदे को अभी अंतिम रूप दिया जा रहा है और मंजूरी मिलने की स्थिति में ईरान इसकी सार्वजनिक रूप से घोषणा करेगा। इजरायल ने गुरुवार के इन घटनाक्रमों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया जारी नहीं की, लेकिन चैनल 12 ने वरिष्ठ इजरायली सूत्रों के हवाले से कहा कि उसे ऐसे कोई संकेत नहीं मिले हैं कि ईरान के सर्वोच नेता मोजतबा खामेनेई ने इन शर्तों को मंजूरी दे दी है। इसलिए अभी ट्रंप के पास मंजूरी देने के लिए कुछ नहीं है।

यहां तक कि चैनल 12 ने भी काफी सतर्कता के साथ रिपोर्ट लिखी है। इसमें पहले एक बेहद वरिष्ठ अमेरिकी सूत्र के हवाले से कहा गया है कि ईरान के नेतृत्व के सभी स्तरों ने एमओयू की शर्तों पर सहमति दे दी है, लेकिन बाद में यह स्पष्ट किया गया है कि हमें देखना होगा कि क्या श्री खामेनेई ने वाकई इसे मंजूरी दी है या नहीं। यह साफ नहीं है कि ह्वाइट हाउस ने ईरान पर सहमति बनाने का दबाव डालने के लिए एक्सियोस की रिपोर्ट की पुष्टि करने का फैसला किया है या फिर ईरान ने वास्तव में निजी तौर पर इस समझौता पत्र को अपनी मंजूरी दे दी है, लेकिन वह तब तक सार्वजनिक घोषणा करने से बच रहा है, जब तक कि श्री ट्रंप खुद इसकी आधिकारिक मंजूरी नहीं दे देते।

उपराष्ट्रपति जेडी वांस गुरुवार को बाद में ने पत्रकारों को बताया कि अमेरिका अभी ईरान के साथ अंतिम सहमति तक नहीं पहुंचा है, लेकिन दोनों पक्ष समझौते के काफी करीब हैं। उन्होंने कहा कि अमेरिका ऐसी स्थिति में है, जहां से वह ईरान के परमाणु कार्यक्रम को काफी हद तक पीछे धकेल सकता है। श्री वांस ने कहा, हमने काफी प्रगति की है। उन्होंने यह दावा भी किया, यह बिल्कुल साफ है कि ईरानी समझौता चाहते हैं। वे होर्मुज जलडमरूमध्य को खोलना चाहते हैं और हम भी चाहते हैं कि वे होर्मुज जलडमरूमध्य खोलें।

उन्होंने स्वीकार किया कि परमाणु विषय से जुड़े कुछ मुद्दे बाकी हैं जिसमें अत्यधिक संवर्धित यूरेनियम का भंडार और उसके संवर्धन का सवाल। उन्होंने कहा, इसलिए हमारे बीच उनके साथ बातचीत का दौर चल रहा है। हम यह मानते हैं कि वे, कम से कम अब तक नेक नीयती से बातचीत कर रहे हैं। हम कुछ प्रगति कर रहे हैं। उम्मीद है कि हम आगे भी प्रगति करना जारी रखेंगे और राष्ट्रपति इस स्थिति में होंगे, जहां वे समझौते का समर्थन कर सकें, लेकिन जाहिर तौर पर यह अभी होना बाकी है।

एक्सियोस की होर्मुज फिर से खुला, परमाणु वार्ता शुरू ह्वाइट हाउस की पुष्ट की गयी इस रिपोर्ट में एमओयू के जो ब्योरे दिये गये हैं, वे काफी हद तक उसी तरह के हैं, जो इस हफ्ते की शुरुआत में तब लीक हुए थे, जब रविवार को श्री ट्रंप ने घोषणा की थी कि समझौता लगभग पूरा हो चुका है।

फिल्म/टीवी मनोरंजन

सोनी सब के शो 'पुष्पा इम्पॉसिबल' में राशी के लिए रचे गए खतरनाक जाल में खुद फँसती दिखेगी शानाया

सोनी सब का लोकप्रिय फैमिली ड्रामा पुष्पा इम्पॉसिबल अपनी भावनात्मक कहानी और पारिवारिक रिश्तों की गहराई के लिए लगातार दर्शकों का पसंदीदा बना हुआ है। शो अब एक ऐसे रोमांचक और इमोशनल ट्रैक की ओर बढ़ रहा है, जिसमें बापोदरा चाल का पूरा पटेल परिवार संकट में फंसता नजर आएगा। शो में पुष्पा का मजबूत किरदार करुणा पांडे निभा रही हैं, जो हर मुश्किल का सामना हिम्मत से करती दिखाई देती हैं। आने वाले एपिसोड्स में बापोदरा चाल में राशी की गोद भराई की तैयारियां जोर-शोर से चल रही होती हैं। राशी का किरदार अक्षया हिंदालकर निभा रही हैं, और परिवार इस खुशी के मौके को खास बनाने में जुटा होता है।लेकिन इन खुशियों के बीच एक खतरनाक साजिश भी आकार लेती है। दिलीप पटेल से बदला लेने की नीयत से संतोष एक योजना बनाता है, जिसमें राशी को निशाना बनाने की तैयारी होती है। इसी दौरान एक चौंकाने वाले मोड़ में, राशी के लिए तैयार किया गया ताज ज़हर से भरा होता है।हालात तब बदल जाते हैं जब शानाया मदद करने के इरादे से उस ताज को पहन लेती है और अनजाने में खुद ही इस खतरनाक जाल में फंस जाती है। शानाया का किरदार मुस्कान बामने निभा रही हैं। यह घटना खुशियों के माहौल को तुरंत डर और अफरा-तफरी में बदल देती है।

दिव्यांका त्रिपाठी, जूही परमार और श्रद्धा आर्या ने आधुनिक मातृत्व पर महाभारत की कालातीत सीखों के जरिए साझा किए अपने अनुभव

लोकप्रिय टेलीविज़न अभिनेत्रियाँ दिव्यांका त्रिपाठी, जूही परमार और श्रद्धा आर्या हाल ही में एक साथ आईं और साझा किया कि किस तरह महाभारत की कहानियाँ और किरदार उनकी माँ बनने और पैरेंटिंग की यात्रा से गहराई से जुड़ते हैं। दिल से निकले उनके विचारों ने यह दिखाया कि कुंती, गांधारी और गुरु द्रोणाचार्य की कहानियाँ आज भी आधुनिक पैरेंटिंग के फैसलों को प्रेरित करती हैं। दिव्यांका त्रिपाठी ने आज की दुनिया में लगातार होने वाली तुलना के दबाव, खासकर मातृत्व और बच्चों को लेकर, अपनी भावनाएँ साझा करते हुए कहा, आजकल तुलना बच्चे के जन्म से पहले ही शुरू हो जाती है। एक माँ के तौर पर यह सोच मुझे सच में डराती है। मैं अक्सर सोचती हूँ कि अपने बच्चे को हर कदम पर तुलना और जजमेंट से भरी इस दुनिया से कैसे बचाऊँगी। इस पर विचार करते हुए मुझे कुंती की याद आई। उन्होंने कभी अपने बच्चों की आपस में तुलना नहीं की। बल्कि हर बच्चे की अलग अलग खूबियों को पहचाना ङ्क युधिष्ठिर की बुद्धिमत्ता, भीम की ताकत, अर्जुन का ध्यान, नकुल और सहदेव का संतुलन और प्यार ङ्क और हर बच्चे को अलग तरह से सँवारा। मेरे लिए यही असली पैरेंटिंग है। जब हर बच्चे को उसका सर्वश्रेष्ठ बनने के लिए प्रोत्साहित किया जाए, तो तुलना अपने आप गायब हो जाती है और उसकी जगह प्यार ले लेता है। जूही परमार ने आज के डिजिटल दौर में पैरेंटिंग पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, लोगों को मेरे और समायरा के साथ बनाए गए रील्स बहुत पसंद आते हैं और सच कहूँ तो हमारा रिश्ता बहुत खूबसूरत है। हम दोस्त की तरह मज़े करते हैं, साथ घूमते हैं और अनगिनत यादें बनाते हैं। लेकिन असली पैरेंटिंग सिर्फ रील्स तक सीमित नहीं है। जैसेजैसे बच्चे बड़े होते हैं, माँ को दोस्त भी बनना पड़ता है और रक्षक भी। महाभारत से मैंने एक अहम सीख ली है कि पैरेंट्स बच्चों को पालते समय 'गांधारी जैसी पट्टी' नहीं बाँध सकते। दुर्योधन में गुणों की कमी नहीं थी, लेकिन गलत संगत और सही मार्गदर्शन की कमी ने उसे बदल दिया। इसी वजह से मुझे लगता है कि हर पैरेंट को भावनात्मक रूप से जागरूक रहना चाहिए, अपने बच्चे की दुनिया को समझना चाहिए और हर कदम पर उसके साथ खड़ा रहना चाहिए श्रद्धा आर्या ने मातृत्व के इर्दगिर्द लगातार आती राय और सुझावों के शोर पर अपने विचार साझा करते हुए कहा, हर नई माँ इस बात से सहमत होगी कि 'कांग्रैचुलेशन्स' से लेकर अनगिनत सुझावों तक का सफर बहुत जल्दी शुरू हो जाता है। खाने की पसंद से लेकर कपड़ों की सलाह तक, अचानक हर किसी की राय बनने लगती है। एक दिन मैंने खुद से पूछा कि इस सारे शोर के बीच मेरे और मेरे बच्चे के लिए सबसे ज़रूरी क्या है। तभी मुझे गुरु द्रोणाचार्य की प्रसिद्ध परीक्षा याद आई, जहाँ उन्होंने राजकुमारों से पूछा कि पक्षी पर निशाना लगाते समय वे क्या देख रहे हैं। सबने अलगअलग चीज़ें देखीं, लेकिन अर्जुन ने सिर्फ पक्षी की आँख देखी। वही ध्यान मेरे साथ रह गया। मुझे एहसास हुआ कि माँ बनने के लिए भी ऐसी ही स्पष्टता चाहिए।

सैराब में दिखेगी मशहूर पॉप स्टार और एक साधारण महिला की भावनात्मक कहानी, मदिराक्षी मुंडले ने खोले शो के कई राज

स्टार प्लस के नए शो सैराब में दर्शकों को मशहूर पॉप स्टार और एक साधारण महिला की भावनात्मक कहानी देखने को मिलेगी। टेलीविजन की प्रेम कहानियां तभी खास बनती हैं जब दर्शक किरदारों और उनकी केमिस्ट्री से भावनात्मक रूप से जुड़ जाएं, और स्टार प्लस का नया शो सैराब अपने प्रीमियर से पहले ही दर्शकों के बीच चर्चा का विषय बन चुका है। शो के प्रोमो सामने आने के बाद से ही फैंस रोहित चंदेल और मदिराक्षी मुंडले की शानदार केमिस्ट्री, इमोशनल कनेक्शन और स्क्रीन प्रेजेंस की खूब तारीफ कर रहे हैं। दर्शक इस नई जोड़ी को काफी पसंद कर रहे हैं और सोशल मीडिया पर भी इनके बारे में लगातार बातें हो रही हैं।

दर्शकों को सबसे ज्यादा जो बात पसंद आ रही है, वह यह है कि सैराब सिर्फ एक आम लव स्टोरी नहीं, बल्कि भावनाओं से भरी एक गहरी कहानी लेकर आ रहा है। लाल रंग की थीम पर बनी इसकी दुनिया प्यार, तड़प, दर्द और जुनून को दर्शाती है। शो की कहानी एक मशहूर पॉप स्टार और एक ऐसी साधारण महिला के इर्द-गिर्द घूमती है, जिसने अपनी पूरी जिंदगी परिवारऔर बच्चों के लिए जी दी, लेकिन कहीं ना कहीं खुद की खुशियों और सपनों को पीछे छोड़ दिया।

स्वामी विवेकानंद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नरसिंहपुर की बेटियों ने बढ़ाया जिले का मान

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

रेफरी और कोचिंग तकनीक सीखने पहुंचीं अशोकनगर पी जी कॉलेज नरसिंहपुर की बेटियों ने एक बार फिर खेल जगत में अपनी प्रतिभा का परचम लहराते हुए जिले का गौरव बढ़ाया है। सेपक टकरा खेल में राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना चुकी आमगांव बड़ा करेली की चार प्रतिभावान खिलाड़ी अनीता वंशकार बीएससी 3ह्स्त्र ईयर, दिव्या जाटव बीएससी 3ह्स्त्र ईयर, नेहा बसोर बी ए 2ठ्स्त्र ईयर एवं रमा भारिया बी ए 2ठ्स्त्र ईयर हाल ही में अशोकनगर में आयोजित विशेष प्रशिक्षण एवं सेमिनार कार्यक्रम में शामिल हुईं। क्रीड़ा अधिकारी अर्पित सक्सेना ने जानकारी दी कि यह कार्यक्रम मध्यप्रदेश सेपक टकरा एसोसिएशन द्वारा आयोजित किया गया था, जिसका मुख्य उद्देश्य खिलाड़ियों को खेल के नवीनतम नियमों, रेफरीशिप की बारीकियों तथा आधुनिक कोचिंग तकनीकों की जानकारी प्रदान करना रहा। साथ ही प्रदेश में प्रशिक्षित रेफरी एवं कोच तैयार कर खेल के स्तर को और अधिक मजबूत बनाना भी इस आयोजन का प्रमुख उद्देश्य था। सेमिनार में खिलाड़ियों को खेल संचालन की तकनीकी जानकारी, निष्पक्ष रेफरीशिप, मैच प्रबंधन और खिलाड़ियों को प्रशिक्षित करने की आधुनिक पद्धतियों के बारे में विस्तार से बताया गया। इस प्रशिक्षण से खिलाड़ियों को खेल की तकनीकी समझ और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का अवसर मिला। उल्लेखनीय है कि अनीता वंशकार एवं दिव्या जाटव पहले ही सेपक टकरा खेल में ऑल इंडिया स्तर पर जिले और प्रदेश का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं। अब उनका लक्ष्य केवल खिलाड़ी बनकर खेलना ही नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ी को प्रशिक्षित करना और खेल को नई दिशा देना भी है। अनीता वंशकार (आमगांव बड़ा) ने बताया कि,हम चाहते हैं कि नरसिंहपुर जिले के बच्चे भी प्रोफेशनल तरीके से सेपक टकरा खेल सीखें और राष्ट्रीय स्तर तक पहुंचें। रेफरी और कोच बनकर हम अपने जिले की नई प्रतिभाओं को आगे बढ़ाने का प्रयास करेंगे। दिव्या जाटव ने कहा कि,खेल के नियमों की सही जानकारी हर खिलाड़ी के लिए बेहद जरूरी होती है। इस प्रशिक्षण से हमें खेल को बेहतर तरीके से समझने और दूसरों को सिखाने का अवसर मिल रहा है। वहीं नेहा बसोर और रमा भारिया ने बताया कि प्रशिक्षण पूर्ण होने के बाद वे नरसिंहपुर जिले के स्कूलों एवं कॉलेजों में कैंप आयोजित करेंगी, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चों को भी इस खेल में आगे बढ़ने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि आज के समय में खेलों के प्रति जागरूकता बढ़ाना बहुत जरूरी है और सेपक टकरा जैसे खेलों को गांव-गांव तक पहुंचाना उनका उद्देश्य है। इन खिलाड़ियों के उत्साह और समर्पण से यह स्पष्ट है कि आने वाले समय में नरसिंहपुर जिले में सेपक टकरा खेल को नई पहचान और नई दिशा मिलेगी। जिले की बेटियों का यह प्रयास अन्य खिलाड़ियों के लिए भी प्रेरणा का स्रोत बन रहा है।छात्राओं की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय प्राचार्य ,समस्त प्रोफेसर एवं सभी खेल प्रेमियों ने अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं प्रेषित की है।

राहवीर योजना बनी जिंदगी बचाने का संकल्प

दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति को गोल्डन ऑवर में अस्पताल पहुंचाने वाले को मिलेंगे 25 हजार रुपये, पुलिस नहीं करेगी पूछताछ

कटनी (स्वतंत्रमत)। सड़क पर किसी घायल की तड़पती जिंदगी को बचाने के लिए बढ़ाया गया एक हाथ अब केवल इंसानियत की मिसाल ही नहीं बनेगा, बल्कि शासन द्वारा सम्मानित भी किया जाएगा। सड़क दुर्घटनाओं में समय पर उपचार उपलब्ध कराने और आमजन को निसंकोच मदद के लिए प्रेरित करने के उद्देश्य से लागू की गई राहवीर योजना मानवता और संवेदनशीलता की नई पहचान बनकर उभर रही है। योजना के तहत यदि कोई व्यक्ति सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल पीड़ित को दुर्घटना के बाद गोल्डन ऑवर यानी पहले एक घंटे के भीतर अस्पताल पहुंचाकर उसकी जान बचाने में मदद करता है, तो उसे शासन द्वारा 25 हजार रुपये की प्रोत्साहन राशि प्रदान की जाएगी। दरअसल, कई बार सड़क हादसों में घायल लोग केवल इसलिए समय पर इलाज नहीं पा पाते क्योंकि राहगीर पुलिस कार्रवाई, पूछताछ या कोर्ट-कचहरी के झंझट के डर से मदद करने से बचते हैं। लेकिन अब शासन ने साफकर दिया है कि घायल को अस्पताल पहुंचाने वाले व्यक्ति को पुलिस द्वारा किसी प्रकार की अनावश्यक पूछताछ या परेशान नहीं किया जाएगा। यही वजह है कि राहवीर योजना लोगों में भरोसा और संवेदनशीलता दोनों बढ़ा रही है। विशेषज्ञों के अनुसार दुर्घटना के बाद का पहला एक घंटा सबसे महत्वपूर्ण होता है। इसी दौरान यदि घायल को त्वरित चिकित्सा मिल जाए तो उसकी जान बचने की संभावना कई गुना बढ़ जाती है। इसी महत्वपूर्ण समय को गोल्डन ऑवर कहा जाता है। शासन की यह योजना उसी जीवनरक्षक समय को केंद्र में रखकर तैयार की गई है। योजना में उन गंभीर दुर्घटनाओं को शामिल किया गया है जिनमें पीड़ित को बड़ी सर्जरी की आवश्यकता हो, कम से कम तीन दिन अस्पताल में भर्ती रहना पड़े,या रीढ़ की गंभीर चोट हो अथवा उपचार के दौरान मृत्यु हो जाए। ऐसे मामलों में यदि किसी राहगीर ने तत्परता दिखाते हुए घायल को अस्पताल पहुंचाया है।

असंगठित श्रमिकों के लिए बड़ा सहारा: प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना से सुरक्षित होगा भविष्य

कटनी (स्वतंत्रमत)। असंगठित क्षेत्र में मेहनत कर अपने परिवार का जीवन चलाने वाले श्रमिकों के लिए केन्द्र सरकार की प्रधानमंत्री श्रम-योगी मानधन योजना भविष्य को सुरक्षित बनाने वाली महत्वपूर्ण पहल साबित हो रही है। इस योजना के माध्यम से छोटे मजदूर, रेहड़ी-पटरी व्यवसायी, रिक्शा चालक, निर्माण कार्य से जुड़े श्रमिक एवं अन्य असंगठित क्षेत्र में कार्यरत कामगारों को वृद्धावस्था में आर्थिक सुरक्षा प्रदान की जा रही है। योजना के तहत पात्र श्रमिकों को 60 वर्ष की आयु पूर्ण होने के बाद प्रतिमाह 3 हजार रुपये की सुनिश्चित पेंशन प्रदान की जाती है। खास बात यह है कि श्रमिक द्वारा जितना मासिक अंशदान जमा किया जाता है, उतनी ही राशि केन्द्र सरकार भी उसमें योगदान के रूप में जमा करती है। यानी यह योजना श्रमिकों के लिए साझेदारी आधारित सामाजिक सुरक्षा कवच बनकर सामने आई है। जानकारी के अनुसार 18 से 40 वर्ष आयु वर्ग के ऐसे श्रमिक, जिनकी मासिक आय 15 हजार रुपये से कम है, इस योजना का लाभ ले सकते हैं। आयु के अनुसार श्रमिक को प्रतिमाह 55 रुपये से 200 रुपये तक का अंशदान जमा करना होता है। उदाहरण के तौर पर यदि श्रमिक 55 रुपये जमा करता है तो सरकार भी उतनी ही राशि उसमें जोड़ेगी। योजना का लाभ लेने के लिए श्रमिक के पास आधार कार्ड, बचत बैंक खाता अथवा जन-धन खाता होना आवश्यक है। साथ ही आवेदक किसी अन्य केन्द्र सरकार की पेंशन योजना जैसे एनपीएस, ईएसआईसी या ईपीएफओ का सदस्य नहीं होना चाहिए और आयकर दाता भी नहीं होना चाहिए।

गिराये गए सुभाष चौक की जर्जर इमारत के हिस्से

कटनी (स्वतंत्रमत)। कटनी नगर निगम द्वारा इन दिनों शहर में मौजूद मौत को आमंत्रण देते भयावह जर्जर भवनों को तोड़ने की कार्यवाही की जा रही है। आयुक्त के निर्देश पर अतिक्रमण अमले ने आज इमारत के जर्जर हिस्सों को गिराना शुरू कर दिया। आनंद जैन, गुड्डू जैन, अनिल केवलानी सहित दर्जनों व्यापारियों ने नगर निगम की इस कार्यवाही की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान में जर्जर भवनों के खिलाफ नगर निगम के द्वारा की जा रही सख्त कार्यवाही न केवल सराहनीय है।

नशामुक्त भारत अभियान के तहत जरजोला में कार्यक्रम सम्पन्न

नरसिंहपुर। स्वतंत्रमत।

सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग नरसिंहपुर के कला पथक दल के द्वारा गुरूवार को ग्राम जरजोला में नशा मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत जन जागरूकता का कार्यक्रम आयोजित किया गया। आयोजित कार्यक्रम में नागरिकों को नशे की आदतों से दूर रहने और समाज में नशामुक्त

वातावरण तैयार करने का संदेश दिया गया। नागरिकों को कार्यक्रम में नशा मुक्ति की शपथ दिलाई गई और रैली निकालकर नशे से दूर रहने के लिए प्रेरित किया गया।

आरएलआई विंध्याचल द्वारा ईटी-2025 बैच हेतु तीन दिवसीय कैंपस टू कॉर्पोरेट कार्यशाला का हुआ शुभारंभ

सिंगरौली।

आरएलआई विंध्याचल द्वारा 28 मई 2026 को एनटीपीसी विंध्याचल एवं एनटीपीसी सिंगरौली के कार्यकारी प्रशिक्षु-2025 बैच के लिए तीन दिवसीय च्कैंपस टू कॉर्पोरेटज्ज कार्यशाला का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य युवा पेशेवरों को शैक्षणिक जीवन से कॉर्पोरेट जगत में सहज रूप से प्रवेश करने हेतु तैयार करना है। कार्यशाला के माध्यम से प्रतिभागियों के व्यावसायिक, पारस्परिक, संचार, टीमवर्क एवं नेतृत्व कौशल को सुदृढ़ किया जाएगा।

कार्यक्रम का औपचारिक उद्घाटन डॉ. देबस्मिता त्रिपाठी, अपर महाप्रबंधक (आरएलआई) द्वारा किया गया। उन्होंने प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए कहा कि एनटीपीसी केवल एक संगठन नहीं, बल्कि एक ऐसा परिवार है जो सीखने, विकास, नवाचार एवं नेतृत्व को निरंतर प्रोत्साहित करता है। अपने प्रेरणादायी संबोधन में उन्होंने बताया कि एनटीपीसी तापीय ऊर्जा के साथ-साथ परमाणु ऊर्जा सहित विभिन्न क्षेत्रों में भी निरंतर विस्तार कर रहा है। उन्होंने प्रशिक्षुओं को जिज्ञासु, संवादशील एवं सतत सीखने के प्रति समर्पित रहने के लिए प्रेरित किया।

डॉ. त्रिपाठी ने प्रशिक्षक श्रीमती अरुणिमा पात्रा, संस्थापक एवं निदेशक, तन्वी कंसल्टेंसी सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड का स्वागत करते हुए विश्वास व्यक्त किया कि अनुभवात्मक एवं गतिविधि-आधारित सत्र प्रतिभागियों को अकादमिक जीवन और कॉर्पोरेट वास्तविकताओं के बीच की दूरी को समझने एवं जानने में सहायक होंगे।

इस अवसर पर श्री राघवेंद्र प्रसाद, अपर महाप्रबंधक, आरएलआई विंध्याचल, एनटीपीसी सिंगरौली से श्री ओम प्रकाश, उप महाप्रबंधक (राजभाषा) एवं श्री राहुल प्रसाद, उप महाप्रबंधक (ईडीसी) सहित अन्य गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे। सभी ने आरएलआई विंध्याचल द्वारा इस प्रकार के सार्थक विकासात्मक कार्यक्रमों के आयोजन एवं एनटीपीसी सिंगरौली के प्रशिक्षुओं को भी इस उपयोगी प्रशिक्षण अवसर से जोड़ने की सराहना की।

तीन दिवसीय यह कार्यशाला कार्यकारी प्रशिक्षुओं को आत्मविश्वास के साथ अपने कॉर्पोरेट जीवन की शुरुआत करने तथा एनटीपीसी की निरंतर प्रगति एवं उत्कृष्टता में प्रभावी योगदान देने हेतु तैयार करेगी।

भारतीय मानक व्यूरो एक शासकीय मानक निकाय है जो गुणवत्ता सामग्री, गुणवत्ता सेवा हेतु मानक तैयार करता है

कटनी (स्वतंत्रमत)। भारतीय मानक व्यूरो, खाद्य नागरिक आपूर्ति तथा उपभोक्ता संरक्षण भारत सरकार भोपाल कार्यालय द्वारा आयोजित उपभोक्ता चौपाल कार्यक्रम का आयोजन अखिल भारतीय उपभोक्ता उत्थान संगठन कटनी के सहयोग से इन्डियन काफी हाउस बरगवा कटनी मे मानक मित्र, संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष हरिशंकर शुक्ल की अध्यक्षता मे 28 मई को शायं 5बजे से आयोजित किया गया, कार्यक्रम में लगभग 45महिला तथा पुरुष उपस्थित रहे, प्रशिक्षक शुक्ल ने भारतीय मानक व्यूरो के बारे मे बिस्तार से जानकारी देते हुए बताया कि भारतीय मानक व्यूरो एक शासकीय मानक निकाय है जो गुणवत्ता सामग्री, गुणवत्ता सेवा हेतु मानक तैयार करता है, वही सोने चादी के आभूषण की शुद्धता की जाच हेतु हाल मार्किंग सर्टिफिकेशन देता है। शुक्ल ने बीआईएस एप डाउनलोड कराकर आईएसआई मार्का की जांच करने, सोने मे हॉलमार्किंग की जाच करने की विधी भी बताया, तथा किसी भी प्रकार की ठगी होने पर शिकायत कैसे, कहा दर्ज करानी है जानकारी दी, तथा उपभोक्ता विवाद प्रतितोषण आयोग पर शिकायत दर्ज कराने की प्रक्रिया बताई, ग्राम चौपाल कार्यक्रम मे जिलाध्यक्ष के.एल. पांडेय, जिलाध्यक्ष महिला विग प्रीती सेन, सुमन सैनी, उमा बहरे, कल्पना दुवे, संतोष कनकने ने भी अपने बिचार रखे, उपस्थिति में, शशी शुक्ला, मीना सिह, मीना सिंह बघेल, आराधना तिवारी, पीताम्बर भेरवानी, ओए पी दुबे, नीता बिचपुरिया, सुनीता कनकने, पूनम त्रिसोलिया, शीतल पांडे, बीना नामदेव, अनामिका गुप्ता, बंदना गेलानी, कल्पना कोटक, अलका अग्रवाल, नीति वर्मा, रिचा बाजपेई, आकांक्षा बरसिया, शिखा पांडेप, आराधना निषाद, योगिता त्रिसोलिया, कल्पना कुचिया, राजा अहिरवार, गुरमुखदास बालानी, रिचा तिवारी, पूर्णिमा सिंह, लता खरे, सुभाष गुप्ता, कान्ती चौवे सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रमों को लेकर कलेक्टर और पुलिस अधीक्षक ने किया स्थल का निरीक्षण

गाडरवारा (स्वतंत्र मत)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नरसिंहपुर जिले के एनटीपीसी गाडरवारा में 5 या 6 जून 2026 को कार्यक्रम प्रस्तावित है। कलेक्टर श्रीमती रजनी सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीणा ने गुरूवार को उक्त कार्यक्रम की तैयारियों के लिए संयुक्त रूप से कार्यक्रम स्थल का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान सीईओ जिला पंचायत गजेन्द्र सिंह नागेश, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संदीप भूरिया, एसडीएम गाडरवारा श्रीमती कलावती ब्यारे सहित विभिन्न विभागों के जिला अधिकारी मौजूद थे। कलेक्टर श्रीमती सिंह और पुलिस अधीक्षक डॉ. मीणा ने प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम का सुचारू रूप से तैयारियों के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने हेलीपैड स्थल, कार्यक्रम स्थल और पार्किंग स्थल का निरीक्षण किया। प्रधानमंत्री के प्रस्तावित कार्यक्रम के दौरान कानून व्यवस्था, परिवहन व्यवस्था, हेलीपैड एवं सुरक्षा बेरीकेटिंग व्यवस्था, सत्कार व्यवस्था, परिवहन, पार्किंग, विद्युत, चिकित्सा व्यवस्था, फायर बिग्रेड, पेयजल व्यवस्था और साफ-सफाई आदि व्यवस्थाओं के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए।

साँईखेड़ा पुलिस ने 8.5 ग्राम स्मैक के साथ 1 आरोपी को किया गिरफ्तार

गाडरवारा (स्वतंत्र मत) ।

नरसिंहपुर जिले में पुलिस अधीक्षक डॉ. ऋषिकेश मीना के निर्देशन में अवैध मादक पदार्थ के विरूद्ध चलाए जा रहे विशेष अभियान च्ऑपरेशन ईगल क्लॉज्ज के तहत जिले के विभिन्न थानों में लगातार धरपकड़ की कार्यवाही की जा रही है । इसी तारतम्य में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक नरसिंहपुर संदीप भूरिया एवं अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) गाडरवारा ललित सिंह डागुर के मार्गदर्शन में थाना साँईखेड़ा पुलिस टीम द्वारा दिनांक 27 मई को एक आरोपी से अवैध मादक पदार्थ लगभग 8.5 ग्राम स्मैक जप्त कर आरोपी को गिरफ्त में लिया गया । दिनांक 27/05/26 को शाम करीब 06/00 बजे साँईखेड़ा पुलिस टीम द्वारा गाडरवारा तरफ जाते समय यात्री प्रतिक्षालय के पास, सेठान तिराहा पर एक व्यक्ति खड़ा दिखा जो पुलिस को देखकर भागने का

प्रयास करने लगा । जिसे सांईखेड़ा पुलिस टीम द्वारा संदेह के आधार पर घेरा बंदी कर पकड़ा । जिससे नाम पता पूछने पर अपना नाम सुनील उर्फ पप्पू मेहरा पिता महादेव मेहरा उम्र 47 वर्ष नि. ग्राम बनबारी थाना साँईखेड़ा के कब्जे से लगभग 8.5 ग्राम अवैध मादक पदार्थ स्मैक जिसकी कीमत करीबन 85000 रूपये है को समक्ष गवाहान जप्त किया गया । आरोपी को मौके पर ही विधिवत गिरफ्तार कर आरोपी के विरूद्ध थाना साँईखेड़ा में अपराध क्र. 117/26 धारा 8,21(ड्ड),29 एन.डी.पी.एस. एक्ट के तहत अपराध पंजीबद्ध किया गया एवं गिरफ्तारशुदा आरोपी को माननीय न्यायालय के समक्ष ज्यूडिशियल रिमांड पर प्रस्तुत किया गया ।

विशेष भूमिकाः-

उक्त कार्यवाही में थाना प्रभारी साँईखेड़ा निरीक्षक संधीर चौधरी के नेतृत्व में उनि वर्षा धाकड़, प्रधान आरक्षक भास्कर पटेल, नरेन्द्र कुशवाहा, आरक्षक दिनेश पटेल, सुदीप ठाकुर, आदर्श पाठक, म.आर. हेमलता मेहरा एवं सैनिक सुरेश पुरी की सराहनीय भूमिका रही ।

महापौर की अध्यक्षता में मेयर-इन-काउंसिल की बैठक संपन्न

विभिन्न विभागीय प्रस्तावों को मिली स्वीकृति

कटनी (स्वतंत्रमत)

नगर पालिक निगम कटनी में शुक्रवार को महापौर प्रीति संजीव सूरी की अध्यक्षता में मेयर-इन-काउंसिल की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में नगर विकास, स्वच्छता व्यवस्था, राजस्व संवर्धन एवं जनहित से जुड़े विभिन्न प्रस्तावों पर विस्तारपूर्वक चर्चा कर आवश्यक निर्णय लिए गए। बैठक के दौरान मेयर इन काउंसिल सदस्य रमेश सोनी, सुरेन्द्र गुप्ता, सुभाष शिब्बू साहू, जयनारायण निषाद, उमेन्द्र कुमार अहिरवार ओमी, बीना संजू बैनर्जी, तुलसा गुलाब बेन, निगमायुक्त तपस्या परिहार, उपायुक्त शैलेष गुप्ता और प्रियंका झारिया सहित नगर निगम की विभिन्न शाखाओं के विभागीय अधिकारियों की मौजूदगी रही। बैठक में शहर की व्यवस्थाओं को अधिक सुदृढ़ एवं प्रभावी बनाने के उद्देश्य से विभिन्न विभागों के प्रस्तावों को स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक में नगर निगम के विभिन्न कार्यों

हेतु आउटसोर्स के माध्यम से मेन पावर, श्रमिकों, व्यक्तियों को उपलब्ध कराने की निविदा के संबंध में प्रस्तुत प्रस्ताव पर विचार विमर्श किया जाकर कार्यालयीन कार्य व्यवस्था को दृष्टिगत रखते हुए प्रस्ताव पर शर्तो पर संशोधन किये जाने की स्वीकृति प्रदान की गई। वहीं प्रमोटर स्कीम के अंतर्गत कटनी रेलवे स्टेशन के पास विश्राम गृह क्रमांक 2 के स्थान पर वाणिज्यिक कॉम्प्लेक्स के संबंध में माननीय उच्च न्यायालय म.प्र. जबलपुर में विचाराधीन प्रकरण में पारित आदेशानुसार माननीय न्यायालय के समक्ष राशि रूपये 10 करोड़ जमा किये जाने का अनुमोदन सर्व सम्मति से किया गया। बैठक के दौरान ट्रेड लायसेंस की वसूली, स्वास्थ्य विभाग के अंतर्गत विभिन्न कार्यो हेतु आउटसोर्स श्रमिकों, स्वास्थ्य विभाग में पूर्व से कार्यरत अकुल देनिक वेतन श्रमिकों, जलकर शाखा में वसूली कार्य हेतु आटसोर्स के माध्यम से कुशल श्रमिकों, की स्वीकृति एवं अतिक्रमण शाखा में कार्यरत पूर्व से आउटसोर्स श्रमिकों की कार्योत्तर सहित स्वीकृति अवधि बढायें जाने संबंधी प्रस्तावों पर विचार विमर्श उपरांत स्वीकृति प्रदान की गई। बैठक के दौरान प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत ए.एच.पी घटक के 153 हितग्राहियों की सूची का अनुमोदन सहित आदर्श कार्मिक संरचना अनुसार रिक्त पदों की पूर्ति एवं आई.एच.एस.डी.पी योजना के तहत 20 हितग्राहियों को आपसी सहमति के आधार पर भवनों के अदला बदली संबंधी प्रस्ताव पर भी विस्तार पूर्वक चर्चा की जाकर स्वीकृति प्रदान की गई।

चड्ढा ऑटोनॉमस कॉलेज के बीबीए तृतीय वर्ष की छात्राओं ने किया शहर का नाम रोशन

कटनी (स्वतंत्रमत)

कटनी आर्ट्स एण्ड कामर्स ऑटोनॉमस कॉलेज के बी.बी.ए. तृतीय वर्ष के छात्र/छात्राओं का परीक्षा परिणाम रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय, जबलपुर द्वारा गत दिवस घोषित किया गया जिसमें महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय की मेरिट सूची में अपना स्थान बनाया। महाविद्यालय की बी.बी.ए. तृतीय वर्ष की छात्रा सोनल गेलानी ने ए.जी.पी.ए. 8.60 के साथ प्रथम स्थान, छात्रा दीपाली वरयानी एवं अंशिता टुड्हा ने ए.जी.पी.ए. 8.35 के साथ द्वितीय स्थान, छात्रा कोमल भागवानी एवं भूमि मिश्रा ने ए.जी.पी.ए. 8.20 प्राप्त कर तृतीय स्थान प्राप्त किया।

ए.जी.पी.ए. ने अपनी इस सफलता का श्रेय महाविद्यालय प्राध्यापकों द्वारा समय-समय पर स्पेशल कक्षाएँ आयोजित करने, प्रैक्टिल ट्रेनिंग हेतु इंडस्ट्रियल विजिट, विभिन्न मैनेजमेंट एक्टीविटीज, श्रेष्ठ अध्यापन, आंतरिक परीक्षा, वर्कशॉप, सेमीनार एवं अत्याधुनिक एवं हाईटेक लाईब्रेरी को दिया। चड्ढा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन के डायरेक्टर देवाशीष चड्ढा एवं महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. जय चड्ढा ने छात्र/छात्राओं को बधाई देते हुए कहा कि महाविद्यालय का उद्देश्य छात्र/छात्राओं का सर्वांगीण विकास करना है जिसमें महाविद्यालय सदैव अग्रसर रहता है। उन्होंने महाविद्यालय उप प्राचार्य डॉ. राजीव खत्री, ऑटोनॉमस कुलसचिव शरद निरंकारी, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आर. आर. एस. परिहार, विभागाध्यक्ष अतुल जैन, ऋचा डेंगरे, रवि यादव, पंकज सेक्सरिया, पवन केवट, प्रदीप श्रीवास्तव, मनोज मिश्रा को मार्गदर्शन के लिए बधाई दी तथा छात्र/छात्राओं को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की।

लू से बचाव के लिए लोगों से एहतियात बरतने का आग्रह

कटनी (स्वतंत्रमत)। मौसम विभाग द्वारा जिले में बढ़ते हुये तापमान के मद्देनजर भीषण लू की संभावना व्यक्त किया है। लोगों के स्वास्थ्य हित

को देखते हुये गर्मी के प्रकोप से बचाव के लिए जिला प्रशासन द्वारा एडवायजरी जारी की गई है। वरिष्ठ चिकित्सक एवं ढीमरखेड़ा के बीएमओ डॉ बीके प्रसाद ने बताया कि ग्रीष्म ऋतु में लू लगने से गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। वृद्ध, बच्चे, खिलाड़ी, धूप में काम करने वाले श्रमिक सर्वाधिक खतरे में रहते हैं। पसीना न आना, गर्म-लाल एवं शुष्क त्वचा, मतली, सिरदर्द, थकान, चक्कर आना, उल्टियां होना, बेहोश हो जाना एवं पुतलियां छोटी हो जाना लू (तापघात) के प्रमुख लक्षण एवं संकेत हैं। लोगों से आग्रह किया गया है कि गर्मी व लू से बचाव के लिए खूब पानी पिएं व खाली पेट न रहें, शराब व कैफीन के सेवन से बचें, ठण्डे पानी से नहाएं, सर ढ़कें व हल्के रंग के ढीले व पूरी बांह के कपड़े पहनें, बच्चों को बंद वाहनों में अकेला न छोड़ें, दिन में दोपहर 12 से शाम 4 बजे के बीच यथा संभव बाहर जाने से बचें, धूप में नंगे पाँव न चलें, बहुत अधिक भारी कार्य न करें। बाहर निकलना आवश्यक हो तो छतरी व धूप के चश्मे का उपयोग करें, धूप में निकलने से पहले कम से कम दो गिलास पानी अवश्य पिए, बुखार व लू लगने पर निकट के अस्पताल में संपर्क कर आवश्यक दवा का उपयोग सुनिश्चित करें। यात्रा के समय पानी की बोतल अवश्य साथ रखें। ओआरएस का घोल, नारियल पानी, छाछ, नींबू पानी, फलों का रसए कच्चे आम का रस इत्यादि का सेवन लाभदायक है, इनका प्रयोग करें।

कन्या महाविद्यालय में विश्व तंबाकू निषेध दिवस पर कार्यक्रम आयोजित

कटनी (स्वतंत्रमत)

राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार शासकीय कन्या महाविद्यालय में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम के अंतर्गत विश्व तंबाकू निषेध दिवस 2026 मनाया गया। 25 मई से 31 मई 2026 तक आयोजित सप्ताहभर की गतिविधियों के अंतर्गत 27 मई को महाविद्यालय में छात्राओं के लिए पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के मार्गदर्शन तथा राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई के संयोजन में संपन्न हुआ। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य युवा पीढ़ी, विशेषकर छात्राओं को तंबाकू के हानिकारक प्रभावों के प्रति जागरूक करना तथा तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में सकारात्मक पहल करना था। कार्यक्रम का शुभारंभ

प्राचार्य डॉ. चित्रा प्रभात के उद्बोधन से हुआ। उन्होंने छात्राओं को संबोधित करते हुए मानव स्वास्थ्य पर तंबाकू के घातक प्रभावों की विस्तृत जानकारी दी। उन्होंने कहा कि तंबाकू की लत न केवल व्यक्ति, बल्कि उसके परिवार एवं पूरे समाज को भी गंभीर रूप से प्रभावित करती है। इस वर्ष विश्व तंबाकू निषेध दिवस की थीम (आकर्षण का पर्दाफाश- निकोटिन और तंबाकू की लत का मुकाबला) रखी गई है। इसी थीम के अनुरूप महाविद्यालय में सप्ताहभर विभिन्न जागरूकता गतिविधियों एवं प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जा रहा है। 27 मई को आयोजित पोस्टर एवं निबंध प्रतियोगिता में छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया तथा अपनी रचनात्मक प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। निबंध प्रतियोगिता परिणाम प्रथम स्थान- आरती पाल, द्वितीय स्थान- ज्ञानेश्वरी दहिया, तृतीय स्थान- सोनम पटेल, पोस्टर प्रतियोगिता परिणाम प्रथम स्थान- दिशा सिंह, द्वितीय स्थान- आराधना कुर्मी, तृतीय स्थान- पूनम चक्रवर्ती एवं साक्षी इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त स्टाफ सदस्य उपस्थित रहे, जिनमें डॉ. विमला मिंज, डॉ. रश्मि चतुर्वेदी, डॉ. आर.के. गुप्ता, के.जे. सिन्हा, बंदना मिश्रा, डॉ. सुनील कुमार, डॉ. रोशनी पाण्डेय, डॉ. शिल्पी सिंह, पंकज सेन, डॉ. रीना मिश्रा, डॉ. आशुतोष द्विवेदी, डॉ. अशोक शर्मा, भीम बर्मन, प्रेमलाल कॉवरे, रिचा दुबे, डॉ. प्रतिमा सिंह, प्रियंका सोनी, स्मृति दहायत, आरती वर्मा, नम्रता निगम, डॉ. सृष्टि श्रीवास्तव, मीनाक्षी वर्मा, डॉ. सोनिया कश्यप, डॉ. अनिल द्विवेदी, डॉ. रंजना वर्मा, डॉ. वंदना चौहान, पूनम गर्ग, डॉ. श्रद्धा वर्मा, डॉ. मैत्रेयी शुक्ला, डॉ. अपर्णा मिश्रा, डॉ. मदन सिंह मरावी तथा पूजा सिंह राजपूत सहित बड़ी संख्या में छात्राओं की उपस्थिति रही।

नई दिल्ली में केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया से आत्मीय भेंट

कटनी (स्वतंत्रमत)। भारतीय जनता युवा मोर्चा के प्रदेश कार्यसमिति सदस्य दिलराज अमर सिंह बग्गा ने नई दिल्ली स्थित आवास पर भारत सरकार के केंद्रीय संचार मंत्री एवं पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्री ज्योतिरादित्य एम. सिंधिया से आत्मीय सौजन्य भेंट की। इस अवसर पर जनहित, क्षेत्रीय विकास, युवा सहभागिता, संगठनात्मक गतिविधियों तथा आमजन से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा हुई। बग्गा ने अपने क्षेत्र की प्रमुख आवश्यकताओं एवं

जनभावनाओं से मंत्री को अवगत कराया तथा उनके प्रभावी निराकरण के संबंध में मार्गदर्शन प्राप्त किया। सिंधिया ने विकासोन्मुखी सोच, सुशासन एवं जनसेवा के मूल्यों को केंद्र में रखकर कार्य करने पर बल देते हुए अपने अनुभव एवं विचार साझा किए। उन्होंने युवाओं की भूमिका को राष्ट्र निर्माण का महत्वपूर्ण आधार बताते हुए समाजहित में निरंतर सक्रिय रहने का संदेश दिया। बग्गा ने मंत्री के स्नेह, आत्मीयता एवं बहुमूल्य समय के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि उनका मार्गदर्शन जनसेवा एवं संगठनात्मक कार्यों को नई ऊर्जा और दिशा प्रदान करने वाला है। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सिंधिया के नेतृत्व एवं प्रेरणा से जनकल्याण और विकास के कार्यों को और अधिक गति मिलेगी।

महेश्वरी महिला मंडल ने चलाया सशक्त भारत अभियान

कटनी (स्वतंत्रमत)

महेश्वरी महिला मंडल द्वारा कटनी के भाजपा अध्यक्ष दीपक टंडन से भेट कर राष्ट्रीय संकल्प विषय पर चर्चा की कटनी पदाधिकारी ने उन्हें बताया कि माहेश्वरी समाज द्वारा स्वदेशी को अपनाने, सोने का मोह त्यागने, ईंधन की बचत, विदेशी मुद्रा का संरक्षण, वर्क फ्रॉम होम एवं स्वस्थ जीवन सशक्त भारत को लेकर अभियान चलाया जा रहा है। दीपक ने सभी बिंदुओं को गंभीरता से सुना एवं सराहना की उन्होंने कहा महिलाओं द्वारा उठाए गए यह छे संकल्प प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के

आत्मनिर्भर भारत में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे टंडन ने बहुत सुंदर बात यह भी कहीं की महिलाएं एमबीए कि डिग्री जन्म से ही लेकर आती है घर का बजट हो या बच्चों का भविष्य सबसे बेहतरीन मैनेजमेंट महिलाएं ही करती है समाज निर्माण में महिलाओं का योगदान सबसे बड़ा है स्वदेशी से लेकर स्वस्थ भारत तक यह छे संकल्प तभी सफल होंगे जब महिला शक्ति इन्हें लीड करेगी क्योंकि संसाधन प्रबंधन कि कला महिलाओं से बेहतर कोई नहीं जानता उन्होंने स्वदेशी संकल्प शिविर लगाने का सुझाव देते हुए संगठन के पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया तथा कहा कि स्वदेशी संकल्प शिविर लगाकर बहनों को जोड़ें का कार्य करें इस कार्यक्रम में जिला अध्यक्ष सुनीता गट्टानी, जिला सचिव रेखा गट्टानी, लोकल अध्यक्ष सरोज गट्टानी, लोकल सचिव सपना गट्टानी उपस्थित रहे तथा ममता गट्टानी, शीला तेला, रेनू गट्टानी, पूनम गट्टानी, कंचन गट्टानी यह सभी उपस्थित रहे तथा इनका पूरा सहयोग रहा।

पेट्रोल का अवैध परिवहन करने वाले ढीमरखेड़ा पुलिस की गिरफ्त में

कटनी (स्वतंत्रमत)। पुलिस अधीक्षक कटनी अभिनय विश्वकर्मा के निर्देशन में जिले में अवैध परिवहन के विरुद्ध लगातार कार्यवाही की जा रही है। इसी क्रम में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक संतोष डेहरिया एवं एसडीओपी स्लीमनाबाद आकांक्षा चतुर्वेदी एवं थाना प्रभारी ढीमरखेड़ा अभिषेक चौबे के मार्गदर्शन में चौकी सिलौडी थाना ढीमरखेड़ा पुलिस द्वारा अवैध रूप से पैट्रोल का परिवहन करने वाले आरोपियों को अपनी गिरफ्त में लिया है। आपको बता दें कि 28 मई को चौकी सिलौड़ी थाना ढीमरखेड़ा

पुलिस को मुखबिर की सूचना मिली कि ग्राम गोपालपुर तिराहा के पास से एक सफेद रंग की बोलेरो गाड़ी में अवैध रूप से पेट्रोल रखा हुआ है। मुखबिर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए मौके पर पहुंचकर एक सफेद रंग की बोलेरो वाहन को पकड़ा गया और उक्त वाहन को चैक किया जिसमें 7 कैन पैट्रोल, प्रत्येक कैन में 50 ली पेट्रोल, कुल 350 लीटर, कीमती करीब 35000/ रु. होना पाया गया। वाहन में आरोपी बोलेरो चालक मनोज साहू पिता नन्हेलाल साहू उम्र 47 नि ग्राम बम्हनी थाना उमरिया पान जिला कटनी और साथ में रामकेश पिता भारतलाल नि. ग्राम बम्हनी थाना उमरिया पान जिला कटनी को पुलिस अभिरक्षा में लिया गया। आरोपियों के पास पेट्रोल परिवहन करने के कोई वैद्य दस्तावेज प्राप्त नहीं हुए। आरोपियों के द्वारा ज्वलनशील पदार्थ उपेक्षा एवं लापरवाही पूर्णतः वाहन में परिवहन करने पाए जाने पर धारा 3,7 ईसी एक्ट एवं धारा 287 बीएनएस के तहत जप्त के कब्जा पुलिस लिया गया।

आदिवासी समाज पर कथित टिप्पणी से भड़की कांग्रेस, सड़कों पर उतरा आक्रोश

रैली, नारेबाजी और पुतला दहन के बीच गरमाया माहौल, भीड़ हटाने पुलिस ने चलाया वॉटर कैनन

कटनी (स्वतंत्रमत)

जिला कांग्रेस कमेटी शहर एवं आदिवासी कांग्रेस के तत्वाधान में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह द्वारा आदिवासी समाज को लेकर दिए गए कथित अमर्यादित बयान के विरोध में जोरदार पुतला दहन एवं विरोध प्रदर्शन किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में कांग्रेसजन एवं आदिवासी समाज के लोगों ने शामिल होकर आदिवासी अस्मिता एवं पहचान पर किए गए इस कथित आघात के खिलाफ अपना आक्रोश व्यक्त किया। विरोध प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं आदिवासी समाज के साथियों ने कहा कि आदिवासियों को वनवासी कहकर उनकी वास्तविक पहचान को

कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है, जिसे किसी भी कीमत पर स्वीकार नहीं किया जाएगा। सभी ने एक स्वर में आदिवासी समाज के सम्मान, अधिकार एवं अस्तित्व की रक्षा के लिए संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला ने कहा कि आदिवासी समाज इस देश की मूल संस्कृति, परंपरा एवं गौरव का प्रतीक है। आदिवासियों की पहचान और सम्मान पर किसी भी प्रकार की टिप्पणी समाज की भावनाओं को आहत करने वाली है। कांग्रेस पार्टी सदैव आदिवासी समाज के अधिकारों, जल-जंगल-जमीन एवं सम्मान की लड़ाई मजबूती से लड़ती रहेगी। आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष अजय कोल ने कहा कि आदिवासी समाज अपनी अस्मिता एवं अधिकारों की रक्षा के लिए सदैव एकजुट रहा है और आगे भी मजबूती के साथ अपनी आवाज बुलंद करता रहेगा। आदिवासी समाज के सम्मान के साथ किसी भी प्रकार का खिलवाड़ बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी शहर अध्यक्ष एड. अमित शुक्ला, प्रियदर्शन गौर, राकेश जैन कक्का, आदिवासी कांग्रेस अध्यक्ष अजय कोल, ओमकार सिंह मरकाम, रजनी वर्मा, अंशु मिश्रा, जितेंद्र गुप्ता, राजेश जाटव, अजय जैसवानी, कमल पांडे, मंगल सिंह, संदीप यादव, इस्तियाक अहमद, दिग्विजय सिंह, विनीत जायसवाल, रमेश अहिरवार, विनोद अहिरवार, शुभम सोनखरे, अकबर अहमद, अदिता वर्मा, कपिल पटेल, जार्ज डेविड, रॉबिन पीटर, सुमन सैनी, श्याम पाहुजा, श्याम यादव, अजय खटीक, शशांक गुप्ता, सुरेश पांडे, शैलेन्द्र सिंह, माधवेंद्र सिंह, मुकेश बर्मन, तुलाराम गोटिया, हर्षित मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता एवं आदिवासी समाज के साथी उपस्थित रहे।

आदिवासी ग्राम गौरहा में रात्रिकालीन चौपाल, ग्रामीणों की सुनी समस्याएं

कटनी (स्वतंत्रमत)

समीपस्थ संपूर्ण आदिवासी ग्राम पंचायत गौरहा में शासन की मंशानुसार तथा जिला कलेक्टर आशीश तिवारी के निर्देशन में ग्रामीणों को समय पर न्याय एवं समस्याओं का त्वरित समाधान उपलब्ध कराने के उद्देश्य से बुधवार रात्रि चौपाल का आयोजन किया गया। चौपाल में अनुविभागीय अधिकारी प्रदीप मिश्रा, नायब तहसीलदार राजकुमार नामदेव, महिला बाल विकास विभाग से सतीश पटैल, विकासखंड शिक्षा अधिकारी मनोज गर्ग, वीआरसी प्रशांत मिश्रा, बीएमओ आनंद अहिरवार उभय श्रीवास्तव, ब्लॉक समन्वयक उभय सिंह ऐमा सहित राजस्व अमला उपस्थित रहा। इस दौरान अधिकारियों ने ग्रामीणों की समस्याएं सुनीं तथा कई मामलों का मौके पर ही निराकरण किया। चौपाल में दावा, नामांतरण,

बंटवारा, राजस्व, पेयजल, बिजली एवं शासकीय योजनाओं से संबंधित समस्याएं ग्रामीणों द्वारा रखी गईं। एसडीएम प्रदीप मिश्रा ने संबंधित कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश देते हुए समस्याओं के शीघ्र समाधान सुनिश्चित करने की बात कही। ग्रामीणों ने प्रशासन की इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि गांव में पहुंचकर समस्याएं सुनने से उन्हें राहत मिल रही है। रात्रिकालीन चौपाल में प्रमुख रूप से जनपद सदस्य रोहित राजा भैया सरपंच सुनील यादव सचिव शिवचरण चौधरी सहायक सचिव अजय राय सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। शासन द्वारा लोगो की समस्याऐ निपटाने लगाये गये रात्रि कालीन शिविर मे न विजली रही न ही विभाग का कोई अधिकारी उपस्थित रहा।

सिंधु क्वाफा में हारीं, सात्विक चिराग, ध्रुव-तनिषा सेफा में

सिंगापुर (वार्ता)।

पीवी सिंधु का सिंगापुर बैडमिंटन ओपन 2026 में अभियान शुक्रवार को समाप्त हो गया जब भारतीय खिलाड़ी महिला एकल क्वार्टर फाइनल में दुनिया की नंबर 1 और मौजूदा ओलंपिक चैंपियन कोरिया गणराज्य की एन से-यंग से हार गईं। दो बार की ओलंपिक पदक विजेता, सिंधु यह मैच 21-17, 21-14 से हार गईं, जिससे एन से-यंग के खिलाफ उनकी हार का सिलसिला नौ मैचों तक बढ़ गया। 12वीं रैंक वाली सिंधु, इस दौरान सिर्फ़ एक बार कोरियाई खिलाड़ी से गेम जीत पाई हैं, वह भी 2023 बैडमिंटन एशिया चैंपियनशिप में। सिंधु शुरुआती गेम में 7-7 से बराबर थीं, इससे पहले एन से-यंग, जो इस साल अपने 32 मैचों में से सिर्फ़ एक हारी हैं, ने पांच पॉइंट की बढ़त बना ली। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी ने अंतर को 19-17 तक कम कर दिया, लेकिन कुछ गलतियों की वजह से कोरियाई खिलाड़ी ने गेम अपने नाम कर लिया। दूसरे गेम में भी यही पैटर्न रहा, जिसमें एन से-यंग ने 6-0 की बढ़त बना ली। सिंधु ने वापसी करते हुए 30 शॉट की कड़ी रैली जीतकर अंतर को 14-12 कर दिया, लेकिन टॉप सीड खिलाड़ी ने 48 मिनट में मैच जीत लिया।

भारत के डबल्स स्टार सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी तथा ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो शुक्रवार को सिंगापुर इंडोर स्टेडियम में सिंगापुर ओपन 2026 के सेमीफाइनल में पहुंच गए।

चौथी सीडेड सात्विक-चिराग ने एक गेम से पिछड़ने के बाद वापसी करते हुए मलेशिया के कांग खाई जिंग और एरॉन ताई को 65 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21,21-17,21-13 से हराया। भारतीयों ने दूसरे गेम में कांटे की टक्कर दी, फिर निर्णायक गेम के लिए मजबूर किया और तीसरे गेम में भी दबदबा बनाकर सेमीफाइनल में अपनी जगह पक्की की।

मिक्स्ड डबल्स में, ध्रुव-तनिषा आगे बढ़े जब मलेशिया के तीसरे सीड चेन टैंग जी और तोह ई वेई पहले गेम के दौरान रिटायर हो गए। भारतीय जोड़ी अब फाइनल में जगह बनाने के लिए जापान के युइची शिमोगामी और सयाका होबारा से भिड़ेगी।

पुरुषों के सिंगल्स में, ऑल इंग्लैंड 2026 के रनर-अप लक्ष्य सेन जापान के कोकी वतनबे से 68 मिनट तक चले मुकाबले में 19-21, 21-15, 15-21 से हार गए।

बीसीसीआई एएससीयू ने स्मार्ट सनग्लासेस के इस्तेमाल पर रोक लगाई

मुम्बई,(वार्ता)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की भ्रष्टाचार निरोधक और सुरक्षा ईकाई ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2026 में हिस्सा लेने वाली टीमों को टूर्नामेंट में स्मार्ट गॉगल्स रखने या उनका इस्तेमाल न करने की चेतावनी दी है। क्रिकबज की रिपोर्ट के अनुसार बीसीसीआई द्वारा 18 मई को फ्रैंचाइजी को साझा किये गये प्रोटोकॉल में बताया गया है कि कुछ कंपनियां जो खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को ये स्मार्ट सनग्लास या गॉगल्स बेचती हैं, उनमें एडवांस्ड कम्युनिकेशन फीचर्स होते हैं, जिनमें लाइव स्ट्रीमिंग, टेक्स्ट मैसेज भेजना और पाना, साथ ही मोबाइल डेटा या वाई फाई के जरिए ऑडियो और वीडियो कॉलिंग ऑप्शन शामिल हैं। प्लेयर्स एंड मैच ऑफिशियल्स एरिया (पीएमओए) स्टैंडर्ड्स के तहत, इन चश्मों या गॉगल्स को ऑडियो/वीडियो रिकॉर्डिंग डिवाइस और कम्युनिकेशन डिवाइस के तौर पर क्लासिफाई किया गया है।

ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स की कप्तानी छोड़ी

लखनऊ (वार्ता)। आईपीएल 2026 में ख़राब प्रदर्शन के बाद ऋषभ पंत ने लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) की कप्तानी छोड़ दी है। पंत को 2025 के सीजन से पहले मेगा नीलामी में एलएसजी ने ख़रीदा था और उन्हें टीम का कप्तान नियुक्त किया गया था। हालांकि पंत की कप्तानी में एलएसजी लगातार दूसरी बार प्लेऑफ़ में नहीं पहुंच पाई। इस सीज़न 14 मुक़ाबलों में केवल चार जीत के साथ एलएसजी ने लीग स्टेज को अंक तालिका में अंतिम स्थान पर रहते हुए समाप्त किया। एलएसजी ने अपनी प्रेस रिलीज़ में कहा, लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) औपचारिक रूप से यह घोषणा करती है कि ऋषभ पंत ने फ़्रेंचाइज़ी से कप्तानी छोड़ने का अनुरोध किया है। फ़्रेंचाइज़ी ने उनके इस अनुरोध को तत्काल प्रभाव से स्वीकार कर लिया है।साथ ही एलएसजी प्रबंधन ने कप्तान के रूप में ऋषभ पंत के योगदान की सराहना करते हुए उनके नेतृत्व और टीम के प्रति समर्पण के लिए आभार व्यक्त किया है। एलएसजी के क्रिकेट निदेशक टॉम मूडी ने कहा, ऋषभ ने फ़्रैंचाइज़ी से इस संबंध में संपर्क किया था और हमने सम्मानपूर्वक उनके अनुरोध को स्वीकार कर लिया है। ऐसे निर्णय लेना कभी आसान नहीं होता। कप्तान के रूप में ऋषभ ने इस ड्रेसिंग रूम में जो कुछ भी योगदान दिया है, उसके लिए हम उनके आभारी हैं। अब हमारा ध्यान सर्वश्रेष्ठ मानकों तक पहुंचने के लिए टीम के सामूहिक पुनर्निर्माण और पुनर्गठन पर है। पंत की कप्तानी में एलएसजी को कुल 10 जीत और 18 हार मिली है। आईपीएल 2026 में अंतिम स्थान पर रहते हुए सीज़न को समाप्त करने से पहले आईपीएल 2025 में एलएसजी सातवें स्थान पर रही थी। कप्तानी का असर पंत की बल्लेबाज़ी पर दिखाई दिया।

कोको गॉफ ने मायर शरीफ को सीधे सेटों में हराया

पेरिस (वार्ता)।

मौजूदा चैंपियन कोको गॉफ ने 2026 फ्रेंच ओपन के तीसरे दौर में जगह बना ली है। उन्होंने मायर शरीफ को 6-3, 6-2 से हराया। मैच के बाद गॉफ ने कहा, यह एक शारीरिक और कठिन मैच था; आज मेरे धैर्य की परीक्षा हुई। लेकिन माया एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं; वह यह सुनिश्चित करती हैं कि आपको हर पॉइंट के लिए संघर्ष करना पड़े, और मुझे आसानी से कोई पॉइंट नहीं मिला।मैं अपने खेल से खुश हूँ। दो बार की टेनिस ग्रैंड स्लैम चैंपियन ने शानदार शुरुआत की; उन्होंने अपनी सर्विस बचाई और फिर शरीफ के पहले सर्विस गेम को तोड़कर 2-0 की बढ़त बना ली। लेकिन शरीफ ने शुरुआती सेट में वापसी करते हुए गॉफ की सर्विस तोड़ी और स्कोर 3-2 कर दिया। अगले गेम में शरीफ को दो ब्रेक पॉइंट का सामना करना पड़ा। उन्होंने दोनों को बचाया, लेकिन ड्यूस के कई दौर चलने के बाद खेल तब रुका, जब स्टैंड में बैठे एक दर्शक को मेडिकल मदद की ज़रूरत पड़ गई। जब खेल दोबारा शुरू हुआ, तो गॉफ इस गेम में अपना चौथा ब्रेक पॉइंट भुनाने में नाकाम रहीं, लेकिन कुछ ही देर बाद अपने पाँचवें मौके पर उन्होंने जीत पक्की कर ली। मैच का उतार-चढ़ाव भरा सिलसिला जारी रहा, और शरीफ ने तुरंत गॉफ की सर्विस तोड़कर सेट का स्कोर फिर से बराबर कर दिया। गॉफ ने भी वैसा ही जवाब दिया और 5-4 की बढ़त बनाते हुए सेट जीतने के लिए सर्विस करने का मौका हासिल कर लिया। इस अमेरिकी खिलाड़ी ने बिना कोई पॉइंट गंवाए सर्विस बचाई और 6-3 से जीत दर्ज की। उन्होंने दूसरे सेट में भी अपनी लय बरकरार रखी और शुरुआती गेम में ही शरीफ की सर्विस तोड़ दी। लेकिन, ठीक पहले सेट की तरह, गॉफ इस बढ़त को कायम नहीं रख पाईं। शरीफ ने वापसी करते हुए गॉफ की सर्विस तोड़ी और स्कोर 1-1 से बराबर कर दिया।

भारत के शीर्ष सर्फर्स ने इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग में किया दमदार आगाज

मंगलुरु (वार्ता)।

सातवें एनएमपीए इंडियन ओपन ऑफ सर्फिंग का शुक्रवार को मंगलुरु के ब्लू बे तन्निरभावी इको बीच पर शानदार आगाज़ हुआ, जहां देशभर से आए सर्फर्स ने भारत की प्रमुख सर्फिंग प्रतियोगिताओं में से एक के पहले दिन लहरों पर अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। नेशनल चैंपियनशिप सीरीज़ के एक महत्वपूर्ण चरण और एशियन गेम्स चयन प्रक्रिया के अहम टूर्नामेंट के रूप में आयोजित इस प्रतियोगिता की शुरुआत बेहतरीन सर्फिंग परिस्थितियों में हुई। साफ लहरों और अनुकूल मौसम ने देश के शीर्ष सर्फर्स को अपनी क्षमता दिखाने के लिए आदर्श मंच प्रदान किया। वीमेंस ओपन वर्ग में कमाली मूर्ति, शुगर शांति बनारसे, इशिता मालवीय, देवी रमणाथन, सान्वी हेगड़े और श्रृष्टि सेल्वम ने सेमीफाइनल में जगह बनाई, जो चैंपियनशिप के अंतिम दिन खेले जाएंगे। दिन की शुरुआत में प्रतियोगिता का औपचारिक उद्घाटन पारंपरिक दीप प्रज्वलन समारोह के साथ हुआ। समारोह में तटीय कर्नाटक की प्रसिद्ध लोक वाद्य कला 'चेंडे' की पारंपरिक प्रस्तुति भी हुई, जिसने आयोजन को स्थानीय सांस्कृतिक रंग प्रदान किया। प्रतियोगिता के पहले दिन मेन्स ओपन, वीमेंस ओपन, अंडर-18 बॉयज़ और अंडर-14 बॉयज़ वर्गों में मुकाबले आयोजित किए गए। जहां मेन्स ओपन वर्ग में 12 हीट्स के साथ पहला राउंड पूरा हुआ, वहीं वीमेंस ओपन प्रतियोगिता क्वार्टरफाइनल चरण तक पहुंची। जूनियर वर्गों में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले। अंडर-18 बॉयज़ वर्ग में शुरुआती हीट्स खेले गए, जबकि पहली बार शामिल किए गए अंडर-14 बॉयज़ वर्ग में क्वार्टरफाइनल मुकाबले संपन्न हुए। दिन की शुरुआत मेन्स ओपन वर्ग से हुई, जिसमें 45 सर्फर्स ने 12 हीट्स में हिस्सा लेते हुए अगले दौर में जगह बनाने के लिए कड़ा संघर्ष

किया। प्रत्येक हीट के शीर्ष दो सर्फर्स ने शनिवार को होने वाले राउंड-2 के लिए क्वालीफाई किया। इस वर्ग में किशोर कुमार (12.90), रमेश बुदिहाल (12.57), तायिन अरुण (12.10), संजैकुमार एस (11.84), अजीश अली (11.74), अकिलन एस (11.66), सिवराज बाबू (11.33), संजय सेल्वमणि (11.33), हरीश एम (10.27), श्रीकांत डी (9.33), रुबन वी (7.93) और सोम सेठी (7.30) ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। वीमेंस ओपन क्वार्टरफाइनल में तमिलनाडु की कमाली मूर्ति ने 13.83 के शानदार स्कोर के साथ दिन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। गोवा की शुगर शांति बनारसे ने 11.00 अंक हासिल कर दूसरा सर्वश्रेष्ठ स्कोर दर्ज किया। दोनों सर्फर्स ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में बेहतरीन तकनीक और नियंत्रण का प्रदर्शन करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई। सेमीफाइनल में उनके साथ इशिता मालवीय (6.40), देवी रमणाथन (5.90), सान्वी हेगड़े (5.37) और श्रृष्टि सेल्वम (5.33) भी पहुंचीं। सर्फिंग जूनियर्स अंडर-18 बॉयज़ वर्ग में भी रोमांचक मुकाबले देखने को मिले, जहां 19 सर्फर्स ने छह हीट्स में हिस्सा लेते हुए क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई। क्वालीफाई करने वाले सर्फर्स में हरीश पी (12.67), तायिन अरुण (10.33), सोम सेठी (9.93), प्रदीप पुजार (9.07), प्रह्लाद श्रीराम (8.60), शेख दावूध एस (6.93), योगेश ए (6.33), राजू सुरेश पुजार (5.63), प्रवीण पुजार (4.40), हारुस मोहैयादीन (3.63), संकु कार्तिक (3.07) और आकाश पुजार (2.57) शामिल रहे।

पहले दिन का समापन पहली बार आयोजित किए गए सर्फिंग जूनियर्स अंडर-14 बॉयज़ वर्ग के क्वार्टरफाइनल मुकाबलों के साथ हुआ। हरीश पी (11.33), शेख दावूध एस (6.67), योगेश ए (6.50), प्रह्लाद श्रीराम (5.43), प्रशांत (4.53), मुखेश (3.70), लिखित सालियान (2.67) और ईशांत के. सतीश (2.07) ने शनिवार को होने वाले सेमीफाइनल के लिए क्वालीफाई किया।

चावल, गेहूं, चीनी, दालों के भाव बढ़े

नयी दिल्ली, (वार्ता)।

घरेलू थोक जिंस बाजारों में शुक्रवार को चावल का औसत भाव बढ़ गया। गेहूं, चीनी और दालों में भी तेजी रही। अधिकतर खाद्य तेल भी महंगे हुए। औसत दर्जे के चावल की औसत कीमत 36 रुपये बढ़कर 3,868 रुपये प्रति क्विंटल पर पहुंच गयी। गेहूं 19 रुपये की बढ़त में 2,793 रुपये प्रति क्विंटल बोला गया। आटा भी 23 रुपये महंगा हुआ।

दाल-दलहनों में मूंग दाल की औसत कीमत 33 रुपये और चना दाल की 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ गयी। तुअर दाल और उड़द दाल के दाम 25-25 रुपये बढ़े। मसूर दाल 14 रुपये सस्ती हुई। मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अगस्त वायदा दो रिंगिट टूटकर 4,535 रिंगिट प्रति टन रह गया। जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 1.41 प्रतिशत चढ़कर 77.78 सेंट प्रति पौंड के भाव बोला गया। स्थानीय बाजारों में सरसों तेल की कीमत 100 रुपये प्रति क्विंटल चढ़ गयी। वनस्पति 95 रुपये और पाम ऑयल 63 रुपये प्रति क्विंटल महंगा हुआ। सूरजमुखी तेल की कीमत 44 रुपये और मूंगफली तेल की 41 रुपये बढ़ गयी। वहीं, सोया तेल में सात रुपये प्रति क्विंटल की गिरावट रही।

अडानी समूह करेगा कच्छ के 11 आईटीआई संस्थानों में सुधार

भुज (वार्ता)। अडानी समूह के प्रकल्प अडानी स्किल्स एंड एजुकेशन ने गुजरात सरकार के साथ मिल कर राज्य के कच्छ क्षेत्र के युवाओं के स कौशल-आधारित करियर और कार्यबल विकास के उद्येश्य से 11 औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) में सुधार करने की पहल की है। अडानी समूह की ओर से शुक्रवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि इस परियोजना के अंतर्गत आईटीआई संस्थानों का विकास इस प्रकार किया जाएगा कि स्थानीय रोजगार के नये अवसर पैदा हो सकें, रोजगार के लिए पलायन कम हो तथा नवीकरणीय ऊर्जा, लॉजिस्टिक्स और इंफ्रास्ट्रक्चर क्षेत्रों के लिए प्रशिक्षित कार्यबल विकसित हो सके। इस सहयोग के तहत पाठ्यक्रम उन्नयन, शिक्षक-प्रशिक्षक विकास, बुनियादी ढांचे का आधुनिकीकरण, व्यावहारिक प्रशिक्षण और रोजगार के साथ साथ प्रशिक्षण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। यहां कर्म उत्सव नाम से आयोजित कार्यक्रम में इसकी शुरुआत की गयी। इस कार्यक्रम में 650 से अधिक छात्रों, शिक्षकों, नीति-निर्माताओं और उद्योग प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में राज्य के श्रम, कौशल विकास एवं रोजगार तथा ग्रामीण विकास मंत्री माननीय कुंवरजीभाई बावलिया, श्रम, कौशल

विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री माननीय कांतिलाल अमृतिया, कच्छ जिले के वरिष्ठ नेता और गुजरात सरकार के प्रतिनिधि उपस्थित थे। साथ ही, अडानी समूह के वरिष्ठ अधिकारी, फैकल्टी सदस्य और कच्छ के सभी 11 सरकारी आईटीआई संस्थानों के छात्र भी कार्यक्रम में शामिल हुए। अडानी स्किल्स एंड एजुकेशन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी रॉबिन भौमिक के हवाले से बयान में कहा गया है कि कच्छ एएसई की दीर्घकालिक कौशल विकास दृष्टि का केंद्र बना हुआ है। उन्होंने कहा, कच्छ हमारी कर्मभूमि है और हम इसके भविष्य के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध हैं। गुजरात सरकार और क्षेत्र के आईटीआई संस्थानों के साथ हमारी साझेदारी के माध्यम से हम एक निरंतर प्रशिक्षित, उद्योग-तैयार कार्यबल तैयार करना चाहते हैं।

रुपया 73 पैसे मजबूत

मुंबई (वार्ता)। कच्चे तेल में नरमी से अंतरबैंकिंग मुद्रा बाजार में रुपया शुक्रवार को 73 पैसे मजबूत हुआ और कारोबार की समाप्ति पर एक डॉलर 94.85 रुपये का बोला गया। रुपये में यह लगातार दूसरी तेजी है। पिछले कारोबारी दिवस पर भारतीय मुद्रा 12.50 पैसे चढ़कर 95.58 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुई थी। रुपये की शुरुआत आज गिरावट के साथ हुई, लेकिन इसके बाद यह लगातार मजबूत हुआ।

यह 20 पैसे नीचे 95.78 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और यही इसका दिन का निचला स्तर रहा। इसके बाद बाजार में डॉलर की बिकवाली बढ़ने से रुपया दिन की समाप्ति तक 94.85 रुपये प्रति डॉलर तक चढ़ गया और अंत में उसी स्तर पर बंद भी हुआ। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल आज गिरावट में है। कच्चे तेल का मानक ब्रेंट क्रूड वायदा डेढ़ फीसदी से ज्यादा उतरकर 92 डॉलर प्रति बैरल के आसपास है।

भारत एआई आधारित काम में चौथे , डिजिटल अर्थव्यवस्था रैंकिंग में पांचवें स्थान पर: रिपोर्ट

नई दिल्ली (वार्ता)। भारतीय अंतराष्ट्रीय संबंध अनुसंधान परिषद और प्रोसस सेंटर फॉर इंटरनेट एंड डिजिटल इकॉनमी (आईपीसीआईडीई) की भारतीय डिजिटल अर्थव्यवस्था की स्थिति पर केंद्रित इस वर्ष की रिपोर्ट के अनुसार भारत दुनिया की पाँचवीं सबसे अधिक डिजिटाइज्ड अर्थव्यवस्था और चिप्स-एआई इंडेक्स में चौथे स्थान पर उभरा है। शुक्रवार को यहां जारी स्टेट ऑफ इंडियास डिजिटल इकोनॉमी 2026 शीर्षक इस रिपोर्ट के अनुसार, 71 देशों को शामिल करने वाला यह व्यापक अध्ययन, जो वैश्विक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 96 प्रतिशत को कवर करता है, दर्शाता है कि भारत डिजिटल प्रदर्शन में जर्मनी, फ्रांस, जापान और कनाडा जैसी विकसित अर्थव्यवस्थाओं से आगे निकल रहा है। रिपोर्ट वैश्विक डिजिटल परिदृश्य में एक बड़े बदलाव को दर्शाती है। इसके अनुसार अब दुनिया के 72 प्रतिशत एआई उपयोगकर्ता विकासशील देशों में हैं, जिनमें भारत और चीन मिलकर वैश्विक एआई अपनाने का लगभग 40 प्रतिशत हिस्सा रखते हैं। जनरेटिव एआई इतिहास की किसी भी पूर्व तकनीक की तुलना में सबसे तेजी से फैलने वाली तकनीक बन गई है और लॉन्च के तुरंत बाद ही यह विकासशील देशों में व्यापक रूप से अपनाई गई। वैश्विक डिजिटल नेतृत्व में भी बुनियादी बदलाव आ रहा है।

पश्चिम एशिया संकट से देश के आर्थिक विकास और महंगाई पर होगा प्रतिकूल असर :आरबीआई

नयी दिल्ली (वार्ता)। पश्चिम एशिया संकट और इसके कारण कच्चे तेल की कीमतों में उछाल देश के आर्थिक विकास और महंगाई के लिए जोखिम पैदा कर रही हैं, हालांकि विकास की संभावनाएं अब भी सकारात्मक हैं। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने शुक्रवार को जारी अपनी वार्षिक रिपोर्ट 2025-26 में कहा कि भारतीय बैंकिंग प्रणाली के मजबूत बने रहने की उम्मीद है, लेकिन भू-राजनीतिक तनाव और आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधानों का लगातार जारी रहना निकट भविष्य में कॉर्पोरेट की आय और बैंकों के ऋण पोर्टफोलियो के प्रदर्शन के लिए खतरा पैदा कर सकते हैं। इसमें पश्चिम एशिया संकट और उसके कारण ईंधनों की कीमतों में तेजी, आपूर्ति श्रृंखला में बाधा, वित्तीय बाजारों में अस्थिरता, वैश्विक व्यापार नीतियों को लेकर अनिश्चितता तथा मौसम संबंधी चिंताओं के कारण विकास और महंगाई दर पर नकारात्मक प्रभाव की आशंका व्यक्त की गयी है। केंद्रीय बैंक ने कॉर्पोरेट और बैंकों की मजबूत बैलेंस शीट, सरकार द्वारा पूंजीगत व्यय पर लगातार जोर और प्रमुख साझेदार देशों के साथ व्यापार समझौतों के क्रियान्वयन से निवेश और विकास की गति बनी रहने की उम्मीद जतायी है। रिपोर्ट में कहा गया है, कुल मिलाकर, मजबूत बुनियादी आर्थिक स्थिति और मजबूत बैलेंस

शीट के चलते घरेलू वित्तीय प्रणाली प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करने में सक्षम है। इसमें इस बात को रेखांकित किया गया है कि सरकार की राजकोषीय संतुलन बनाये रखने की प्रतिबद्धता और रिजर्व बैंक द्वारा तरलता बढ़ाने के उपाय बॉन्ड यील्ड पर दबाव को नियंत्रित करने में मदद करेंगे। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले दिनों कहा था कि भारतीय अर्थव्यवस्था मजबूत है, लेकिन पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल, उर्वरक और सोने की ऊंची कीमतों से विदेशी मुद्रा व्यय पर दबाव बढ़ रहा है। उन्होंने कहा, भारत अंतर्राष्ट्रीय उर्वरक और सोने की कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि का भी सामना कर रहा है। इन तीनों के भुगतान विदेशी मुद्रा में करने होंगे। वहां रुपये में व्यापार नहीं हो रहा है।

विदेशी मुद्रा भंडार घटा

मुंबई (वार्ता)। देश का विदेशी मुद्रा भंडार गत 22 मई को समाप्त सप्ताह में 7.511 अरब डॉलर घटकर 681.384 अरब डॉलर रह गया जो अप्रैल 2025 के बाद का निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा के देश के भंडार में लगातार दूसरे सप्ताह कमी आयी है। यह 15 मई को समाप्त सप्ताह में 8.096 अरब डॉलर घटकर 688.894 अरब डॉलर रहा था। रिजर्व बैंक द्वारा शुक्रवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, 22 मई को समाप्त सप्ताह में स्वर्ण भंडार 4.53 अरब डॉलर घटकर 114.786 अरब डॉलर हो गया। यह आठ सप्ताह में सबसे कम है। विदेशी मुद्रा परिसंपत्तियों में आलोच्य सप्ताह में 2.872 अरब डॉलर की गिरावट रही। यह 22 मई को 543.032 अरब डॉलर रह गया। इसमें अमेरिकी डॉलर के अलावा जापानी येन, यूरो और ब्रितानी पाउंड को भी शामिल किया जाता है। इनके मूल्य का आंकलन डॉलर के मुकाबले संदर्भ दर के आधार पर किया जाता है।

कमजोर मानसून की भविष्यवाणी के बाद लुढ़के शेयर बाजार

प्रमुख सूचकांकों में डेढ़ फीसदी की गिरावट

मुंबई (वार्ता)। मौसम विभाग द्वारा इस साल मानसून के कमजोर रहने की भविष्यवाणी से घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को गिरावट देखी गयी और प्रमुख सूचकांक डेढ़ फीसदी टूट गये। बढ़त में खुलने का बाद सेंसेक्स 1,092.06 अंक (1.44 प्रतिशत) लुढ़ककर 13 मई के बाद के निचले स्तर 74,775.74 अंक पर बंद हुआ। हालांकि आईटी कंपनियों में लिवाली ने दोपहर तक सूचकांक को हरे निशान में बनाये रखा, लेकिन इसके बाद बिकवाली का जोर बढ़ गया। सेंसेक्स ऊपर 76,220 अंक और नीचे 74,589 अंक तक गया। इस प्रकार एक ही दिन में 1,631 अंकों का उतार-चढ़ाव देखा गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी-50 सूचकांक भी 359.40 अंक यानी 1.5 प्रतिशत नीचे 23,547.75 अंक पर आ गया। यह 20 मई के बाद का इसका निचला स्तर है। भारतीय मौसम विभाग ने आज बताया कि इस साल मानसून सीजन में दीर्घावधि औसत के 90 प्रतिशत के आसपास बारिश होने की उम्मीद है, यानी मानसून औसत से कम रहेगा। कमजोर मानसून की चिंता में बाजार में

बिकवाली शुरू हो गयी। वृहत बाजार में भी गिरावट रही। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 1.49 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.85 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। आईटी (0.60 प्रतिशत की बढ़त) को छोड़कर सभी सेक्टरों के सूचकांक लाल निशान में रहे। तेल एवं गैस, धातु, ऑटो, बैंकिंग, वित्त, एफएमसीजी, फार्मा, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और रसायन समूहों में बिकवाली ज्यादा देखी गयी। एनएसई में जिन 3,422 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ उनमें से 2,171 के शेयर लाल निशान में और 1,145 के हरे निशान में बंद हुए। अन्य 106 कंपनियों के शेयर दिनभर के उतार-चढ़ाव के बाद अपरिवर्तित बंद हुए। सेंसेक्स की 30 में से 26 कंपनियों के शेयर टूट गये। चौथी तिमाही में 2,537 करोड़ रुपये का नुकसान उठाने के बात सामने आने के बाद इंडिगो का शेयर 3.55 प्रतिशत नीचे बंद हुआ। पावर ग्रिड का शेयर 3.46 प्रतिशत, एनटीपीसी का 2.86, बजाज फाइनेंस का 2.82, महिंद्रा एंड महिंद्रा और टाटा स्टील दोनों का 2.72, सन फार्मा का 2.39, हिंदुस्तान यूनीलिवर का 2.36, इटरनल का 2.20, रिलायंस इंडस्ट्रीज का 2.18 और अल्ट्राटेक सीमेंट का 2.07 प्रतिशत गिर गया। बीईएल में 1.94 प्रतिशत, मारुति सुजुकी में 1.84, एचडीएफसी बैंक में 1.81, आईटीसी में 1.71, टाइटन में 1.58, आईसीआईसीआई बैंक में 1.32, बजाज फिनसर्व में 1.31, एक्सिस बैंक और टीसीएस दोनों में 1.19, भारती एयरटेल में 1.16 और अडानी पोर्ट्स में 1.07 प्रतिशत की गिरावट रही। कोटक महिंद्रा बैंक, ट्रेंट और भारतीय स्टेट बैंक के शेयर भी नीचे बंद हुए। टेक महिंद्रा सबसे अधिक 1.96 प्रतिशत की तेजी रही। एचसीएल टेक्नोलॉजीज का शेयर 1.65 प्रतिशत ऊपर बंद हुआ। एलएंडटी में भी तेजी रही।

जल संरक्षण और संवर्धन के पुनीत कार्य में देश का अग्रणी राज्य बना मध्यप्रदेश : डॉ. यादव

जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य पूर्ण

भोपाल (स्वतंत्र मत)।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि जल ही जीवन का मुख्य आधार है और हमारी पारंपरिक जल संरचनाओं को संरक्षित और संवर्धित करना हमारा परम सामाजिक और पर्यावरणीय कर्तव्य है। इसी पावन उद्देश्य के साथ राज्य में शुरू किया गया जल गंगा संवर्धन अभियान आज केवल एक शासकीय कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक के सहयोग से एक पवित्र जन-आंदोलन का रूप ले चुका है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने बताया कि मध्यप्रदेश में जल संरक्षण और पुनर्जीवन के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य हुआ है, जिसके अंतर्गत अब तक रिकॉर्ड 2 लाख से अधिक जल संरचनाओं का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश जल सहेजने के इस पुनीत कार्य में पूरे देश में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार कार्य हुए पूरे

जल गंगा संवर्धन अभियान-2026 के तहत राज्य में कुल 3,67,777 कार्यों का महत्वाकांक्षी लक्ष्य निर्धारित किया गया था। इसमें से 2,00,844 महत्वपूर्ण संरचनाओं का निर्माण और जीर्णोद्धार पूरा किया जा चुका है, जबकि 1,51,093 कार्य तीव्र गति से प्रगति पर हैं।

इस विशाल अभियान को समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण ढंग से क्रियान्वित करने के लिए राज्य सरकार द्वारा कुल 10,644.02 करोड़ रुपये की राशि स्वीकृत की गई है, जिसमें से अब तक 6,330.81 करोड़ रुपये की राशि का उपयोग किया गया है, जो विकास की वास्तविक गति को दर्शाती है।

कृषि और ग्रामीण क्षेत्रों में हुई जल क्रांति

ग्रामीण और कृषि क्षेत्रों में जल आत्मनिर्भरता सुनिश्चित करने के लिए रिकॉर्ड 57,794 खेत तालाब और 91,838 डग वेल रिचार्ज संरचनाओं का निर्माण व जीर्णोद्धार किया गया है। इसके अतिरिक्त, पारंपरिक और नए जल स्रोतों को सहेजने के उद्देश्य से 29,906 जल संरक्षण एवं पुनर्भरण संरचनाओं तथा 126 भव्य अमृत सरोवरों का कार्य शत-प्रतिशत् पूरा किया जा चुका है। सिंचाई के बुनियादी ढांचे को मजबूत करने के लिए 1,152 विशेष सिंचाई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और पुरानी जल संरचनाओं के पुनर्जीवन के लिए 2,721 मरम्मत एवं रखरखाव संबंधी कार्यों को सफलतापूर्वक संपन्न किया गया है।

देश के लिए मिसाल बनेगा मध्यप्रदेश का जल प्रबंधन मॉडल

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस ऐतिहासिक सफलता का श्रेय प्रदेश की जागरूक जनता, स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समर्पित प्रशासनिक अमले को देते हुए कहा कि मध्यप्रदेश का यह सशक्त जल प्रबंधन मॉडल पूरे देश के लिए एक नई और अनुकरणीय दिशा तय करेगा। आने वाली पीढ़ियों को जल संकट से बचाना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है और मध्यप्रदेश इस दिशा में निरंतर नवाचार करता रहेगा।

भारत को अक्षय ऊर्जा की वैश्विक महाशक्ति बना रही पीएम सूर्य घर योजना : मुख्यमंत्री

पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना से जगमगा रहे मध्यप्रदेश के करीब 1.30 लाख घर

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना भारत को अक्षय ऊर्जा के क्षेत्र में एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में स्थापित कर रही है। आत्मनिर्भर ऊर्जा के साथ सशक्त भारत की दिशा में केन्द्र सरकार के बढ़ते कदमों का ही सुपरिणाम है कि आज देश के 40 लाख घरों में रूफटॉप सोलर पैनल स्थापित हो गए हैं। इनमें मध्यप्रदेश के 1 लाख 29 हजार 971 घर शामिल हैं। ये सभी घर-परिवार अब बिजली बिल की चिंता से हमेशा के लिए मुक्त होकर स्वच्छ एवं अक्षय ऊर्जा से रौशन हो रहे हैं। मध्यप्रदेश में स्थापित इन सोलर संयंत्रों से 456 मेगावॉट से अधिक स्वच्छ सौर ऊर्जा का उत्पादन भी हो रहा है। केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय द्वारा संचालित पीएम सूर्य घर-मुफ्त बिजली योजना के नेशनल पोर्टल के अनुसार इस योजना से अब तक प्रदेश के 1 लाख 34 हजार 436 परिवार लाभान्वित हो चुके हैं। प्रदेश के पीएम सूर्य घर योजना हितग्राहियों को अब तक 901.92 करोड़ रुपये की अनुदान (सब्सिडी) राशि रिलीज की जा चुकी है। उल्लेखनीय है कि राज्य सरकार के नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा विभाग द्वारा प्रदेश में 6 लाख घरों को पीएम सूर्य घर - मुफ्त बिजली योजना के तहत सौर ऊर्जा से रौशन करने का लक्ष्य लिया गया है। लक्ष्य प्राप्ति के लिए तेजी से काम जारी है। विभाग को अब तक 2 लाख 4 हजार 601 आवेदन मिल चुके हैं।

गजल की खुशबू का गजल संग्रह का विमोचन

दमोह (स्वतंत्र मत)। शायर अरुण कुमार दुबे सागर के दीवान गजल की खुशबू का इजरा मप्र उर्दू अकादमी द्वारा संस्कृति भवन के सभागार में किया गया उर्दू अकादमी ने अपने आर्थिक सहयोग से इस गजल संग्रह का प्रकाशन कराया है। मध्य प्रदेश उर्दू अकादमी की निर्देशक डॉ. नुसरत मेहदी द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। अध्यक्षता भोपाल के डॉ. नौमान खान एवं संचालन इकबाल मसूद साहब भोपाल ने किया कार्यक्रम में मुख्य। वक्ता अजमेर के प्रसिद्ध विद्वान शीन काफ निजाम साहब रहे। निजाम साहब ने अपने व्याख्यान में किताबों के प्रकाशन से जियादा किताबों के पढ़ने उर्दू जबान को सीखने पढ़ने लिखने तथा अन्य अदब के पहलुओं पर सारगर्भित विचार रखे। अंत में निर्देशक मोहतरमा डॉ नुसरत मेहदी ने सभी का आभार व्यक्त किया।

साबरकर की किताबों और बलिदान ने क्रांतिकारियों को भी प्रेरित किया है : जालम विश्वकर्मा

ग्राम भूरी में वीर सावरकर जयंती का आयोजन, युवाओं ने ली राष्ट्रीय एकता की शपथ

दमोह (स्वतंत्र मत)।

मेरा युवा भारत दमोह के तत्वावधान में ग्राम भूरी में महान क्रांतिकारी विनायक दामोदर सावरकर वीर सावरकर की जयंती बड़े उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाई गई। कार्यक्रम का शुभारंभ वीर सावरकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर किया गया। कार्यक्रम के दौरान जितेंद्र राजपूत बांसातारखेड़ा नेहरू युवक मंडल ने आयोजन की रूपरेखा प्रस्तुत करते हुए वीर सावरकर के जीवन एवं उनके संघर्षों पर प्रकाश डाला। इसके पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया।

मुख्यवक्ता जालम विश्वकर्मा प्रधानाध्यापक सरस्वती शिशु मंदिर भूरी ने कहा कि वीर सावरकर का स्वतंत्रता संग्राम में योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है। सावरकर की रचनाओं और उनके बलिदान ने अनेक क्रांतिकारियों को प्रेरित किया और देशभक्ति की भावना को सशक्त किया।

सामाजिक कार्यकर्ता विशाल सेन ने भी वीर सावरकर के साहित्यिक योगदान एवं राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत कार्यों की जानकारी साझा की। कार्यक्रम में ग्राम के युवाओं और महिलाओं ने भी अपने विचार व्यक्त कर सावरकर जी को श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम के अंत में समन्वयक मिशन जन जागृति युवा मंडल द्वारा उपस्थित सभी प्रतिभागियों को देश की राष्ट्रीय एकता एवं अखंडता बनाए रखने की शपथ दिलाई गई। इस अवसर पर शंकर सिंह, महेश विश्वकर्मा, रामकिशुन व्यास, राजेंद्र सेन, त्रिलोक सिंह, मुकेश साहू, बबीता लोधी, सविता लोधी, रश्मि सेन एवं साक्षी सेन सहित ग्रामवासी उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण वह विशाल वृक्ष हैं जो आंधियों में झुकता नहीं बल्कि आंधियों की दिशा मोड़ देता है : शास्त्री

दमोह (स्वतंत्र मत)। अथाई आम चौपरा मार्ग पर स्थित श्रीदेव रासबिहारी राधाकृष्ण मंदिर में चल रही श्रीमद् भागवत कथा के छठवें दिवस में कथा व्यास रवि शास्त्री ने कहा कि श्रीकृष्ण वह विशाल वृक्ष हैं जो आंधियों में झुकता नहीं बल्कि आंधियों की दिशा मोड़ देता, एक दिन श्रीकृष्ण की दो पत्नियां सत्यभामा और जाम्बवंती श्रीकृष्ण की मां रोहिणी से जिद करने लगीं कि उन्हें कृष्ण बलराम की गोकुल ब्रज और वृंदावन वाली कथाएं सुननी हैं जाम्बवंती ने कहा कि यहां सभी श्रीकृष्ण के बचपन की कहानियां खूब कहते सुनते हैं वहीं सत्यभामा कहने लगीं कि मैंने तो राधा की भी कहानियां सुनी हैं मैंने रुक्मणि दीदी से पूछा तो वह भी हंस कर टाल देती हैं कोई हमें कुछ बताता ही नहीं है ये सब सुनकर वसुदेव की पहली पत्नी और बलरामजी की मां रोहिणी खूब हंसने लगीं पहले तो उन्होंने मना किया लेकिन जब दोनों ही बहुएं बहुत जिद करने लगीं तब उन्होंने कहा कि ठीक है मैं तुम दोनों को कृष्ण की बाललीला सुनाऊंगी लेकिन ध्यान रहे कि ये कथा कृष्ण और बलराम के कानों में न पड़ जाए अगर ऐसा हुआ तो दोनों ही इस कथा में इतना डूब जाएंगे कि फिर वे ब्रज की ओर ही चले जाएंगे तब तुम सभी कुछ नहीं कर पाओगी इस पर सत्यभामा प्रसन्न होते हुए बोलीं आप चिंता न करें मेरे पास एक योजना है हम सभी एक दिन रैवतक पर्वत पर मां अम्बिका के पूजन के लिए चलेंगे सुहागिन स्त्रियों के इस पूजन के लिए सभी इकट्ठा होंगी और इस तरह हमें एकांत भी मिल जाएगा ऐसी योजना बनाकर द्वारिका के राजमहल की सभी बहुएं श्रीकृष्ण की बालकथा सुनने के दिन का इंतजार करने लगीं तय दिन सभी बहुएं रोहिणी मां के साथ रैवतक पर्वत पर देवी अंबिका के मंदिर पहुंचीं यहां उन्होंने सुभद्रा को बाहर पहरे पर बिठा दिया और फिर सभी रोहिणी मां से कथा सुनने लगीं देवी रोहिणी ने देवकी और वसुदेव के

विवाह से कथा का आरंभ किया। कंस द्वारा आकाशवाणी को सुनना ऋषि की हत्या नवदंपति को कारागार में डालना और देवकी के छह पुत्रों की हत्या की घटना सुनकर सभी भावुक हो गईं माता रोहिणी एक-एक कर घटनाक्रम का वर्णन करती जा रही थीं फिर उन्होंने कृष्ण जन्म की कथा सुनाई कहा कि एक काली रात में कान्हा ने बहन देवकी के गर्भ से जन्म लिया इस दौरान वर्षा ऋतु का समय था और अपने पुत्र के प्राण बचाने के लिए स्वामी वसुदेव ने उफनती यमुना नदी को पार किया और कान्हा को गोकुल के पार पहुंचा दिया तुम सबके दाऊ बलभद्र को मैं पहले ही गोकुल पहुंचा चुकी थी कान्हा के गोकुल में पहुंचते ही सारी सृष्टि मुस्कुराने लगी दिन बीतने लगे और बलभद्र कान्हा की शरारतों अठखेलियों नटखट लीलाओं से सारा ब्रज खिलखिलाने लगा। उसने बालपन में ही कंस के भेजे राक्षसों का वध कर दिया। शकटासुर पूतना वकासुर अघासुर सभी का उद्धार किया। माता रोहिणी कथा सुनाते जा रही थीं और उनकी बहुएं इस कथा के सागर में डूबती जा रही थीं उधर द्वार पर खड़ी सुभद्रा का भी यही हाल था क्योंकि यह सिर्फ कृष्ण और बलराम की ही कथा नहीं थी बल्कि उसके भी बचपन की बात थी सुभद्रा यह सब सुनते.सुनते जड़वत हो गईं रोहिणी कथा सुनाती जा रही थीं कृष्ण जब मुरली बजाना शुरू करते तो गोपियां अपने काम धाम छोड़ देती थीं गायों के थन से खुद दूध झरने लगते रसोई में दूध उफन कर बह जाता तो चूल्हे पर रोटियां जल जातीं स्त्रियां श्रृंगार भूल जातीं काजल गाल पर लगा लेतीं कुमकुम होंठ पर मल लेतीं और ध्यान में बैठी गोपियां भी सुध भूल जातीं सबसे विचलित होती राधाए जो मुरली की तान सुनकर ही वन में दौड़ी चली जाती थीं उधर राजमहल में राज परिवार की स्त्रियों के न होने से हलचल मच गई कृष्ण बलराम ने सुना तो किसी अनिष्ट की आशंका से खुद सुभद्रा व अन्य सभी को खोजते हुए रैवतक मंदिर तक पहुंच गए वहां उन्होंने सुभद्रा को जड़ स्थिति में खड़े देखा तो वे भी वहीं खड़े हो गए उधर माता रोहिणी अपनी कथा सुनाने में ही मग्न थीं अपनी बालकथाएं सुनते सुनते तीनों भाई.बहन जड़वत हो गए उनके अस्तित्व खोने लगे नेत्र फैलने लगे हाथ.पैर लुप्तप्राय से लग रहे थे ऐसा लगता था कि जैसे शरीर से कोई धारा ही फूट पड़ी हो बाललीला का प्रसंग अंदर जारी था और इधर श्रीकृष्ण अपने बड़े भाई और बहन के साथ परमलीला कर रहे थे ।

विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस पर किशोरियों को दी स्वास्थ्य एवं स्वच्छता की महत्वपूर्ण जानकारी

हटा।

किशोरियों को माहवारी के प्रति जागरूक करने और समाज में फैली भ्रांतियों को दूर करने के उद्देश्य से हटा नगर में विश्व माहवारी स्वच्छता दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम द्वारा आंगनवाड़ी केंद्र संजय वार्ड क्रमांक.136 के सहयोग से आयोजित इस कार्यक्रम में किशोरी बालिकाओं ने भाग लेकर स्वास्थ्य और स्वच्छता संबंधी महत्वपूर्ण जानकारियां प्राप्त कीं। कार्यक्रम के दौरान रेड डॉट अभियान के माध्यम से माहवारी स्वच्छता का संदेश दिया गया। प्रशिक्षकों एवं परामर्शदाताओं ने किशोरियों को बताया कि माहवारी एक सामान्य एवं प्राकृतिक शारीरिक प्रक्रिया है जिसे लेकर किसी भी प्रकार का संकोच या शर्म नहीं होना चाहिए। कार्यक्रम में उपस्थित बालिकाओं ने खुलकर अपने सवाल पूछे जिनका वैज्ञानिक तथ्यों के आधार पर समाधान किया गया।

इस अवसर पर माहवारी के दौरान स्वच्छता बनाए रखने, सैनिटरी पैड के सही उपयोग, संक्रमण से बचाव तथा आयरन युक्त पौष्टिक आहार के महत्व पर विशेष चर्चा की गई। विशेषज्ञों ने बताया कि सही पोषण और स्वच्छता से एनीमिया जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है और किशोरियों का शारीरिक एवं मानसिक विकास बेहतर होता है। उमंग क्लिनिक के परामर्शदाताओं एवं प्रशिक्षकों ने किशोरियों को यह भी समझाया कि किसी भी स्वास्थ्य समस्या को छिपाने के बजाय परिवार या स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं से सलाह लेना जरूरी है।

कार्यक्रम में मौजूद आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं ने कहा कि ऐसे आयोजनों से किशोरियों में आत्मविश्वास बढ़ता है और वे अपने स्वास्थ्य के प्रति अधिक जागरूक बनती हैं। संपूर्ण कार्यक्रम भारती महिला मंडल दमोह के जिला संरक्षक नीतेश कुसम्हा एवं प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर महेंद्र मिश्रा के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम के परामर्शदाता अनिल अहिरवार, प्रशिक्षक अमजद कुरैशी, वर्षा राजपूत, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता रेखा पटेल, साधना गर्ग, ज्योति कोरी, मालती सिंह सहित अनेक किशोरी बालिकाएं उपस्थित रहीं।

प्रदेश के बंगला पान की महक पड़ोसी देशों तक

पान की खेती को प्रोत्साहित करने 10 जिलों के लिये बनी विशेष कार्य योजना

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश में किसान कल्याण के लिये निरंतर कार्य किये जा रहे। इसके सकारात्मक परिणाम देखने को मिल रहे है। आज मध्यप्रदेश का पान अपनी विशिष्ट सुगंध, कोमलता और स्वाद के कारण देश ही नहीं, बल्कि पड़ोसी देशों में भी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है। प्रदेश के छतरपुर, रीवा, मंदसौर, नरसिंहपुर और टीकमगढ़ जैसे जिलों में पान की खेती वर्षों से की जा रही है, जो आज किसानों की आय का एक मजबूत आधार बनती जा रही है। विशेष रूप से

छतरपुर का बंगला पान अपनी गुणवत्ता के लिए प्रसिद्ध है, जिसकी मांग पड़ोसी देशों-पाकिस्तान, बांग्लादेश और श्रीलंका तक फैली हुई है। मध्यप्रदेश सरकार द्वारा पान की खेती को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष कार्य योजना लागू की गई है, जिसके तहत 10 जिलों को शामिल करते हुए 1 करोड़ 3 लाख रुपये का प्रावधान किया गया है। इस योजना में किसानों को प्रशिक्षण, आधुनिक तकनीक, उन्नत किस्मों की रोपाई सामग्री और बरोज निर्माण के लिए सहायता प्रदान की जा रही है।

अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही-छतरपुर में उगाया जाने वाला बंगला पान अपनी पतली बनावट, हल्की मिठास और लंबे समय तक ताजगी बनाए रखने की क्षमता के कारण निर्यात के लिए उपयुक्त माना जाता है। यही वजह है कि अंतर्राष्ट्रीय बाजार में इसकी मांग लगातार बढ़ रही है। दूसरी ओर रीवा जिले के महसांव क्षेत्र के 2 गांवों में उत्पादित पान की पहचान भी विशेष है। यहां का पान उत्तर प्रदेश के प्रमुख शहरों-वाराणसी, प्रयागराज और लखनऊ-तक बड़े पैमाने पर भेजा जाता है, वहां इसे अत्यंत पसंद किया जाता है।

पान की खेती मुख्यत चौरसिया समाज द्वारा की जाती है-मध्यप्रदेश में पान की खेती मुख्यतः चौरसिया समाज द्वारा परंपरागत रूप से की जाती रही है। यह समाज पीढ़ियों से इस व्यवसाय से जुड़ा है और अपने अनुभव और पारंपरिक ज्ञान के आधार पर उच्च गुणवत्ता का पान तैयार करता है।

लोक गीतों का प्रसारण आज

दमोह (स्वतंत्र मत)। नगर के कलाकार नंदराम तिवारी का आज 30 मई को आकाशवाणी छतरपुर से युगल लोकगीतों का सीधा प्रसारण किया जा रहा हैं, जिसमें पूजारूपा तिवारी, नंदराम तिवारी शाम 6.30 बजे से युगल प्रसारण करेंगें। वहीं 31 मई को दूसरा प्रसारण आकाशवाणी छतरपुर से सुबह 9 बजे से 9.30 बजे तक नंदराम तिवारी द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर उन्हें राहुल तिवारी, कृष्ण कुमार चौबे, डॉ. बबीता चौबे, जमना रैकवार उपस्थित थे।

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 29/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री पियुष सुमन पिता श्री मिथलेश कुमार वर्मा ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 321 चैतन्य सिटी फेस-2 संपत्ति के पिन क्रमांक 2000273410 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1509 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री भाई लाल कुशवाहा पिता श्री शिवकांत कुशवाहा का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 29/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती निशा पाठक पति श्री दीपक कुमार पाठक ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक प्लाट नं. 294 फेस-2 पार्ट-2 संपत्ति के पिन क्रमांक 1004572521 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 1500 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती नमिता श्रीवास्तव पति श्री सागर श्रीवास्तव का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 29/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्रीमती पूजा दुबे पति श्री शशांक दुबे ने वार्ड क्रमांक 65 वार्ड का नाम सुभाष चंद्र बैनर्जी के भवन क्रमांक म.नं. 617/6 ब्लाक सी फ्लेट नं. 113 संपत्ति के पिन क्रमांक 1000397870 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल वर्ग फुट जिस पर निर्मित भूतल 950 व.फु.निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्रीमती मेघा भिडे पति श्री अनिल भिडे का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 29/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री संदीप यादव पिता स्व. राजू यादव ने वार्ड क्रमांक 66 वार्ड का नाम रानी लक्ष्मी बाई के भवन क्रमांक कपूर पान भण्डार के पास कजरवारा संपत्ति के पिन क्रमांक 1002845706 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल जिस पर निर्मित भूतल 450 व.फु. कच्चा पर निम्न दस्तावेज मृत्यु प्रमाण पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री राज यादव पिता भारत दीन यादव का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

कार्यालय संभागीय अधिकारी संभाग क्र. 11 नगर निगम जबलपुर
पत्र क्र./ सं.क्र.11/26-27
दिनांक 29/5/2026

भवन नामांतरण सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि श्री श्रवण कुमार शर्मा पिता श्री संतोष कुमार शर्मा ने वार्ड क्रमांक 67 वार्ड का नाम रानी अवंती बाई के भवन क्रमांक एल 42 कजरवारा संपत्ति के पिन क्रमांक 1003909425 पर दर्ज भूमि का क्षेत्रफल 999 व.फु. जिस पर निम्न दस्तावेज विक्रय पत्र के आधार पर निगम में दर्ज श्री भुवन लाल नामदेव पिता स्व. कोकलाल नामदेव का नाम हटाये जाने एवं आवेदक के नाम से नाम परिवर्तन किये जाने पर जिस किसी को भी उक्त नाम परिवर्तन पर आपत्ति हो तो वे इस प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अंदर कार्यालय संभाग क्रमांक 11 राजा गोकुलदास धर्मशाला नगर निगम जबलपुर में प्रमाण सहित आपत्ति प्रस्तुत करें।

संभागीय अधिकारी
संभाग क्रमांक-11
नगर निगम, जबलपुर

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैं श्रीमति शकुन जैन पति स्व. श्री सुमनचन्द जैन निवासी 543, लोकमान्य तिलक वार्ड, खटीक मोहल्ला जबलपुर की निवासी हूं एवं प्रकाशित आम सूचना के माध्यम से आम जनता को सूचित करती हूं कि मेरा पुत्र सौरभ जैन पिता स्व. श्री सुमनचन्द जैन उम्र लगभग 45 वर्ष जो कि विगत कुछ समय से अलग निवासरत है एवं जिसकी मानसिक स्थिति, हरकतें, आचरण, व्यवहार शराब की लत के कारण ठीक नहीं है। मेरे पति सुमनचन्द जैन का स्वर्गवास 08/04/2025 को हो चुका है, जिनकी समस्त चल एवं अचल सम्पत्तियों की एक मात्र मालिक स्वामिनी समस्त राजस्व अभिलेखों में बतौर मालिक काबिज मैं हूं, एवं भविष्य में मेरे द्वारा मैं जिसे चाहूं अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति की वसीयत/दानपत्र/विक्रय पत्र करने का अधिकार अपने पास सुरक्षित रखती हूं। अतः इस प्रकाशित आम सूचना के आधार पर मैं अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से अपने पुत्र सौरभ जैन (कैनी) को बेदखल करती हूं। आज दिनांक को इस आम सूचना के माध्यम से मैं आम जनता को सूचित करती हूं कि मेरा व मेरे परिवार के किसी भी अन्य सदस्यों का मेरे पुत्र सौरभ जैन से कोई लेना-देना नहीं है एवं मैं अपनी समस्त चल एवं अचल सम्पत्ति से सौरभ जैन को बेदखल करती हूं। भविष्य में सौरभ जैन एवं उसकी पत्नी, बच्चे यदि मेरी चल-अचल सम्पत्ति पर किसी भी प्रकार का दावा उजर करते है तो वह वैधानिक रूप से शून्य होगा एवं सर्व साधारण द्वारा यदि सौरभ जैन से कोई भी संव्यवहार लेन-देन किया जाता है तो उसकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी स्वयं की होगी। प्रकाशित सूचना सनद रहे व वक्त जरूरत पर काम आये।

जबलपुर दिनांक 29/5/2026

शकुन जैन पति स्व. श्री सुमनचन्द जैन
निवासी 543, लोकमान्य तिलक वार्ड,
खटीक मोहल्ला जबलपुर (म.प्र.)
मो. 9301111414
वास्ते नितिन जैन
(अधिवक्ता)
47, पुष्पांजलि, एस.बी.आई. कॉलोनी
बल्देवबाग जबलपुर (म.प्र.)
मो. 9826130179

➤ नवोदित अंडर 14 क्रिकेट प्रतियोगिता

नर्मदा क्लब ने गोलबाजार को हरा ट्रॉफी पर किया कब्जा

जबलपुर। जबलपुर डिविजन क्रिकेट एसोसिएशन के तत्वाधान में नवोदित अंडर 14 क्रिकेट टूर्नामेंट का फाइनल मैच नर्मदा क्लब और गोल बाजार क्लब के बीच शिवजी मैदान सदर में खेला गया। जिसमे पहले बल्लेबाजी करते हुए गोल बाजार ने अपने सभी विकेट खोकर 122 रन बनाएं जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी नर्मदा क्लब ने 5 विकेट के नुकसान पर लक्ष्य को हासिल कर लिया । नर्मदा क्लब के आदित्य को मैन ऑफ़ द मैच चुना गया। मुख्य अतिथि निश्चित पटेल ,डॉ वाणी अहलूवालिया ने विजेता खिलाड़ियों को ट्रॉफी प्रदान की।

➤ लिफ्ट मांगने के बहाने की थी लूट

बाइक और मोबाइल लूटने वाला शातिर बदमाश गिरफ्तार

जबलपुर। माढ़ोताल थाना क्षेत्र के अंतर्गत लिफ्ट मांगने के बहाने एक नाबालिग को झांसे में लेकर मारपीट करने और उसका मोबाइल व मोटरसाइकिल लूटकर भागने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर मामला दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, कठौंदा पुरानी बस्ती निवासी 16 वर्षीय ऋषि मलिक ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। ऋषि के पिता बीते 28 मई को इनोवा कार छोड़ने भोपाल गए थे।

मेडिकल कॉलेज रैगिंग मामला

5 सीनियर डॉक्टरों के खिलाफ ट्रायल जारी रखने के आदेश

हाईकोर्ट ने खारिज की डॉक्टरों की राहत याचिका

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में जूनियर छात्र की आत्महत्या से जुड़े बहुचर्चित मामले में मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने महत्वपूर्ण फैसला सुनाते हुए पांच सीनियर डॉक्टरों को बड़ी राहत देने से इनकार कर दिया है। हाईकोर्ट ने एफआईआर और ट्रायल कोर्ट में लंबित आपराधिक प्रकरण को निरस्त करने की मांग खारिज कर स्पष्ट कर दिया कि मामले में उपलब्ध साक्ष्य प्रथम दृष्टया गंभीर आरोपों की ओर संकेत करते हैं और इसकी विधिवत सुनवाई होना आवश्यक है। अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी द्वारा जुटाए गए तथ्यों के आधार पर मुकदमे की कार्रवाई जारी रखना कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग नहीं माना जा सकता। जानकारी अनुसार वर्ष 2020 में नेताजी सुभाष चंद्र बोस मेडिकल कॉलेज में ऑर्थोपेडिक्स विषय में पोस्ट ग्रेजुएशन कर रहे छात्र भगवत देवांगन ने अपने हॉस्टल के कमरे में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली थी। इस घटना ने पूरे चिकित्सा जगत और शैक्षणिक संस्थानों में रैगिंग की समस्या को लेकर गंभीर बहस छेड़ दी थी। मृतक के भाई प्रहलाद देवांगन की शिकायत पर गढ़ा पुलिस ने 3 नवंबर 2020 को पांच सीनियर डॉक्टरों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 306 और 34 के तहत प्रकरण दर्ज किया था। बाद में जांच पूरी कर आरोप पत्र न्यायालय में प्रस्तुत किया गया।

एफआईआर निरस्त करने की थी मांग

मामले में आरोपी बनाए गए डॉक्टरों में सलमान खान, विकास द्विवेदी सहित अन्य वरिष्ठ छात्र शामिल हैं। सभी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर कर एफआईआर और उनके विरुद्ध चल रही आपराधिक कार्रवाई को निरस्त करने की मांग की थी। याचिकाकर्ताओं का तर्क था कि मृतक छात्र मानसिक तनाव, अवसाद और व्यक्तिगत समस्याओं से जूझ रहा था तथा उसके आत्महत्या करने के पीछे कई अन्य कारण भी हो सकते हैं। उनका कहना था कि उपलब्ध तथ्यों के आधार पर उनके खिलाफ आत्महत्या के लिए उकसाने का अपराध नहीं बनता। हालांकि पुलिस जांच में कई ऐसे तथ्य सामने आए, जिन्होंने मामले को गंभीर बना दिया। जांच के दौरान मेडिकल कॉलेज से जुड़े कई डॉक्टरों और कर्मचारियों के बयान दर्ज किए गए. गवाहों ने बताया कि सीनियर छात्रों द्वारा भगवत देवांगन को लगातार प्रताड़ित किया जाता था। उसे सार्वजनिक रूप से अपमानित किया जाता, शारीरिक दंड दिए जाते और रैगिंग के नाम पर उसकी गरिमा को ठेस पहुंचाने वाली हरकतें की जाती थीं। जांच में यह भी सामने आया कि उसे उसकी क्षमता से अधिक काम कराया जाता था और ऑपरेशन थिएटर में सजा के तौर पर 'मुर्गा' बनाकर खड़ा किया जाता था। कई मौकों पर नहाने जाते समय भी उसके साथ दुर्व्यवहार किए जाने की बातें सामने आईं थी।

आपराधिक कार्रवाई को समाप्त करना उचित नहीं

मामले की सुनवाई के बाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति बी.पी. शर्मा की एकलपीठ ने याचिकाकर्ताओं की दलीलों को स्वीकार नहीं किया। अदालत ने अपने आदेश में कहा कि आत्महत्या के लिए उकसाने की अवधारणा को केवल प्रत्यक्ष शब्दों या स्पष्ट निर्देशों तक सीमित नहीं माना जा सकता। यदि किसी व्यक्ति के साथ लगातार ऐसा व्यवहार किया जाए जिससे वह मानसिक रूप से टूट जाए और उसे जीवन समाप्त करने के अलावा कोई विकल्प न दिखाई दे, तो वह भी उकसावे की श्रेणी में आ सकता है।

अदालत ने कहा कि जांच के दौरान एकत्र किए गए साक्ष्य प्रथम दृष्टया आरोपियों के खिलाफ धारा 306 और 34 के तहत अपराध का मामला बनाते हैं। ऐसे में इस स्तर पर न्यायालय द्वारा हस्तक्षेप कर एफआईआर या आपराधिक कार्रवाई को समाप्त करना उचित नहीं होगा। हाईकोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि किसी संस्थान की आंतरिक जांच और आपराधिक जांच का दायरा अलग-अलग होता है। यदि एंटी-रैगिंग कमेटी को पर्याप्त साक्ष्य नहीं मिले, तो इसका अर्थ यह नहीं कि पुलिस द्वारा एकत्र किए गए स्वतंत्र साक्ष्यों को नजरअंदाज कर दिया जाए। अदालत ने माना कि जांच एजेंसी ने पर्याप्त सामग्री एकत्र की है, जिसकी सत्यता और वैधानिकता का परीक्षण ट्रायल कोर्ट में साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर किया जाना चाहिए। इसी आधार पर हाईकोर्ट ने सभी याचिकाओं को खारिज करते हुए स्पष्ट कर दिया कि मामले का ट्रायल जारी रहेगा।

मृतक के फोन से मिले साक्ष्य

पुलिस ने जांच के दौरान मृतक के मोबाइल फोन से भी महत्वपूर्ण डिजिटल साक्ष्य एकत्र किए। जांच एजेंसी का दावा था कि आरोपी यह जानते थे कि भगवत देवांगन मानसिक तनाव और अवसाद से गुजर रहा है, इसके बावजूद उसके साथ अपमानजनक व्यवहार जारी रखा गया। पुलिस के अनुसार लगातार मानसिक प्रताड़ना और दबाव ने छात्र को इस कदर तोड़ दिया कि उसने आत्मघाती कदम उठा लिया। दूसरी ओर याचिकाकर्ताओं के अधिवक्ताओं ने अदालत में दलील दी कि मृतक पहले से मानसिक बीमारी का उपचार करा रहा था और एंग्जायटी व डिप्रेशन की दवाएं ले रहा था। उन्होंने यह भी बताया कि जुलाई और अगस्त 2020 में वह आत्महत्या का प्रयास कर चुका था। बचाव पक्ष ने यह तर्क भी रखा कि मेडिकल कॉलेज की एंटी-रैगिंग कमेटी ने अपनी जांच में रैगिंग की पुष्टि नहीं की थी और मृतक ने भी समिति के समक्ष कोई औपचारिक शिकायत दर्ज नहीं कराई थी। इसलिए उनके खिलाफ दर्ज आपराधिक प्रकरण को निरस्त किया जाना चाहिए।

री-डेवलपमेंट प्लान से मेडिकल कॉलेज का बदलेगा स्वरूप

अपर मुख्य सचिव ने किया नवनिर्मित स्टेट कैंसर यूनिट का निरीक्षण

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव अशोक वर्णवाल और स्वास्थ्य सेवाएं आयुक्त धनराजू एस ने शुक्रवार को नेताजी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल का दौरा किया। इस दौरान उन्होंने अस्पताल के री-डेवलपमेंट प्लान (पुनर्विकास योजना) को लेकर एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक की।

बैठक में अपर मुख्य सचिव ने सभी विभागाध्यक्षों को स्पष्ट निर्देश दिए कि विकास योजना तैयार करते समय अस्पताल की व्यावहारिक और कार्यात्मक आवश्यकताओं को प्राथमिकता से शामिल किया जाए। उन्होंने मेडिकल कॉलेज में चल रहे निर्माण कार्यों और अस्पताल की सामान्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके साथ ही चिकित्सा शिक्षा, शैक्षणिक व्यवस्था और मैन पावर (कर्मचारियों) की उपलब्धता की भी समीक्षा की। उन्होंने कहा कि अधिकारी अपनी कार्यप्रणाली में नवाचार लाएं। कुछ नया करते हुए पूरे सिस्टम को और अधिक मजबूत व प्रभावी बनाएं।

बजट और वित्तीय विषयों पर भी हुई चर्चा- बैठक के दौरान अस्पताल के सुचारू संचालन के लिए बजट से जुड़े वित्तीय विषयों पर भी गंभीरता से चर्चा की गई। इस उच्च स्तरीय बैठक में संभागायुक्त धनंजय सिंह, कलेक्टर राघवेंद्र सिंह, मेडिकल कॉलेज के डीन नवनीत सक्सेना सहित सभी संबंधित वरिष्ठ अधिकारी और चिकित्सक उपस्थित रहे। बैठक समाप्त होने के बाद एसीएस श्री अशोक वर्णवाल और आयुक्त श्री धनराजू एस ने नवनिर्मित स्टेट कैंसर यूनिट का विस्तृत भ्रमण किया। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों ने वहां की व्यवस्थाओं को देखा और प्रबंधन को निर्देशित किया कि कैंसर पीड़ितों के लिए उत्कृष्ट और बेहतर इलाज सुनिश्चित किया जाए।

पुराने आरटीओ के पास जुए की फड़ पर पुलिस का छापा

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। सिविल लाइन थाना पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर दबिश देकर जुए की फड़ से 8 जुआरियों को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। उनके पास से नकदी और ताश के पत्ते जब्त किए गए हैं। थाना प्रभारी कन्हैया बघेल ने बताया कि मुखबिर से सटीक सूचना मिली थी कि पुराने आरटीओ के पीछे, सिंघई पैलेस के पास कुछ लोग ताश के पत्तों पर रुपयों की हार-जीत का दांव लगाकर जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बताए गए स्थान पर घेराबंदी कर दबिश दी। मौके पर पुलिस को देखकर जुआरियों में हड़कंप मच गया, लेकिन पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए सभी 8 आरोपियों को धर दबोचा। पुलिस ने बब्बन उर्फ प्रकाश मीरचंदानी, रोहन सिंह राजपूत, जयेश माकीजा, शरद ठाकुर, तरुण सिंह राजपूत, सौरभ मौर्य, भास्कर कनौजिया, सावन सिंह ठाकुर को गिरफ्तार कर मौके से 52 ताश के पत्ते और 8,680 रुपये नगद जब्त किए हैं।

खेल और खिलाड़ियों के हक में गरजी कांग्रेस

खेल संघों और खिलाड़ियों की समस्याओं को लेकर कांग्रेस खेल प्रकोष्ठ का प्रदर्शन

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ एवं नगर कांग्रेस कमेटी जबलपुर के मार्गदर्शन में शुक्रवार खेल, खिलाड़ी और खेल संघों की समस्याओं को लेकर एक बड़ा प्रदर्शन किया गया। जिला शहर कांग्रेस कमेटी खेल एवं खिलाड़ी प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष राजेशकांत सोनकर राज के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने घंटाघर चौक पर एकत्रित होकर पहले उग्र प्रदर्शन किया और अपनी आवाज़ बुलंद की। प्रदर्शन के बाद कांग्रेस पदाधिकारियों द्वारा महामहिम राष्ट्रपति एवं प्रदेश के मुख्यमंत्री के नाम एक ज्ञापन सौंपा गया, जिसमें खेल और खिलाड़ियों के विकास व खेल संघों से जुड़ी 6 सूत्रीय माँगें शामिल हैं।

इस विरोध प्रदर्शन और ज्ञापन सौंपने के दौरान मुख्य रूप से मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेल प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. प्रशांत मिश्रा, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष सौरभ नाटी शर्मा, दिनेश सिंह ठाकुर, संजय साहू, डॉ. राजेंद्र पिल्लई, उमेश पटेल, विष्णु विनोदिया, संजय वर्मा, कृष्णा गुप्ता, मोहित वर्मा, एडवोकेट बढ़गईयां और टिन्नी भाई सहित भारी संख्या में कांग्रेस जन और खिलाड़ी उपस्थित रहे।

पुरस्कार वितरण समारोह 2 जून को

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी लिमिटेड की क्रीड़ा एवं कला परिषद के तत्वावधान में 31 दिवसीय ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का समापन एवं पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन 2 जून को सायं 6.00 बजे से रामपुर स्थित तरंग प्रेक्षागृह में किया गया है। समापन समारोह के मुख्य अतिथि एमपी पावर मैनेजमेंट कंपनी के कार्यपालक निदेशक मानव संसाधन व प्रशासन व केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के महासचिव फिरोज कुमार मेश्राम होंगे। केन्द्रीय क्रीड़ा एवं कला परिषद के समापन समारोह में ग्रीष्मकालीन खेल व कला प्रशिक्षण शिविर में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले 150 सर्वश्रेष्ठ प्रतिभागियों को विशेष रूप से पुरस्कृत किया जाएगा।

तेज रफ्तार मेट्रो बस ने स्कूटी सवार महिलाओं को कुचला

कछपुरा ओवरब्रिज पर दर्दनाक हादसा

एक की मौके पर मौत, दूसरी गंभीर

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

गढ़ा कछपुरा ओवरब्रिज पर शुक्रवार की दोपहर एक दिल दहला देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। जहां एक तेज रफ्तार मेट्रो बस के चालक ने लापरवाही से वाहन चलाते हुए स्कूटी सवार दो महिलाओं को जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि एक महिला की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि दूसरी महिला गंभीर रूप से घायल है। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, हादसा दोपहर के समय हुआ जब दोनों महिलाएं स्कूटी से ओवरब्रिज से गुजर रही थीं। इसी दौरान पीछे से आ रही तेज रफ्तार मेट्रो बस ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। टक्कर लगते ही एक महिला उछलकर बस के पिछले पहिए के नीचे आ गई। रफ्तार अधिक होने के कारण बस महिला को कुछ दूर तक घसीटते हुए ले गई, जिससे उसका सिर बुरी तरह कुचल गया और उसने मौके पर ही दम तोड़ दिया। इस खौफनाक मंजर को देखकर राहगीर सहम गए।

पुलिस कर रही सीसीटीवी की जांच- घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया है, वहीं गंभीर रूप से घायल दूसरी महिला को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे की खबर मिलते ही मृतका के परिजन भी रोते-बिलखते मौके पर पहुंच गए। पुलिस ने फरार मेट्रो बस चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश के लिए घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

इलेक्ट्रॉनिक गोदाम से 80 हजार की केबल चोरी

जबलपुर (स्वतंत्र मत)। थाना ग्वारीघाट के अंतर्गत भीम नगर क्षेत्र में एक इलेक्ट्रॉनिक दुकान के गोदाम से कीमती आर्मेड़ केबल चोरी होने का मामला सामने आया है। फरियादी की शिकायत पर पुलिस ने अज्ञात चोर के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, गीता बिहार कॉलोनी निवासी 20 वर्षीय अंकित सिंह ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह भीम नगर स्थित सिंह इलेक्ट्रॉनिक दुकान की देखरेख का काम करता है। दुकान के मुख्य मालिक नितेश सिंह हैं, जो वर्तमान में कटनी में रहते हैं। अंकित ने बताया कि बीती 26 मई की दोपहर करीब 12 बजे उसने दुकान के सामने स्थित गोदाम के पास जाकर सामान चेक किया था, तब गोदाम के बाहर आर्मेड़ केबल सुरक्षित रखी हुई थी। इसके बाद जब वह 28 मई की दोपहर करीब 12 बजे दोबारा गोदाम के पास पहुंचा, तो वहां रखी लगभग 60 मीटर आर्मेड़ केबल गायब थी।

नवागत इंजीनियरों को निखार रहा है मेंटोर आधारित रोटेशनल ट्रेनिंग मॉड्यूल

एमपी ट्रांसको के 55 प्रशिक्षु अभियंताओं को दी जा रही है मल्टी-टास्किंग और व्यवहारिक ट्रेनिंग

जबलपुर (स्वतंत्र मत)

मध्य प्रदेश पावर ट्रांसमिशन कंपनी (एमपी ट्रांसको) ने अपने नवागत सहायक अभियंता (पारेषण) प्रशिक्षुओं के कौशल विकास और व्यावहारिक दक्षता को बढ़ाने के लिए एक अनूठी पहल की है। कंपनी द्वारा इन नए इंजीनियरों के लिए मेंटोर आधारित रोटेशनल ट्रेनिंग मॉड्यूल की शुरुआत की गई है, जिसके तहत उन्हें कॉर्पोरेट ऑफिस जबलपुर के विभिन्न संकायों और कार्यालयों में रोटेशनल ट्रेनिंग दी जा रही है। नागपुर में अपना संस्थागत प्रशिक्षण सफलतापूर्वक पूरा करने के बाद, इन नवागत इंजीनियरों को अब जबलपुर में व्यावहारिक रूप से तैयार किया जा रहा है। इस ट्रेनिंग का मुख्य उद्देश्य उन्हें केवल तकनीकी रूप से ही मजबूत बनाना नहीं है, बल्कि कंपनी की संपूर्ण कार्यप्रणाली से अवगत कराना है। अनुभवी और विशेषज्ञ अधिकारियों के सीधे मार्गदर्शन (मेंटोरशिप) में इन प्रशिक्षुओं को परियोजना प्रबंधन, मानव संसाधन, टेस्टिंग, वित्तीय और प्रशासनिक प्रक्रियाओं की बारीकियों और व्यवहारिक ज्ञान से रूबरू कराया जा रहा है।

6 समूहों में बंटे हैं 55 इंजीनियर्स, मेंटर्स करेंगे मूल्यांकन- इस विशेष ट्रेनिंग प्रोग्राम के तहत कुल 55 प्रशिक्षुओं को 6 अलग-अलग समूहों में विभाजित किया गया है। कंपनी प्रबंधन द्वारा नियुक्त वरिष्ठ एवं विशेषज्ञ अधिकारियों का एक मेंटोर पैनल इन सभी समूहों को गहन प्रशिक्षण दे रहा है। यह मेंटर अधिकारी न केवल इंजीनियरों को काम सिखाएंगे, बल्कि उनके काम और सीखने की क्षमता का बारीकी से मूल्यांकन भी करेंगे। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद मेंटर्स अपनी प्रतिवेदन (इवैल्यूएशन) रिपोर्ट कंपनी प्रबंधन को सौंपेंगे, जिसके आधार पर इन अभियंताओं की भविष्य की भूमिकाएं तय होंगी। इस रोटेशनल ट्रेनिंग से एमपी ट्रांसको को भविष्य में ऐसे कुशल और बहुमुखी अधिकारी मिलेंगे, जो तकनीकी के साथ-साथ प्रशासनिक और वित्तीय मोर्चों पर भी कंपनी को मजबूती प्रदान करेंगे।

रजनीश, आशीष ने हिमालयन वुड बैज कोर्स किया उत्तीर्ण

जबलपुर। भारत स्काउट एवं गाईड राष्ट्रीय प्रशिक्षण केन्द्र, पचमढी में आयोजित हिमालयन वुड बैज कोर्स में 109 सदस्य विभिन्न प्रांतो से शामिल हुए थे। जिसमे पमरे मुख्यालय जबलपुर मंडल के रजनीश यादव, आशीष चौबे ने सफलता पूर्वक कोर्स उत्तीर्ण किया।

हितकारिणी प्रकाशन प्रायवेट लिमिटेड के लिए **प्रकाशक एवं मुद्रक- राम असरानी** द्वारा प्रेस काम्पलेक्स सिविक सेंटर जबलपुर से प्रकाशित एवं हितकारिणी प्रिंटिंग प्रेस, सिविक सेंटर जबलपुर से मुद्रित. **प्रबंध सम्पादक- सुबोध दुबे, सम्पादक- राजेन्द्र मिश्रा,** *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयनार्थ उत्तरदायी।
ई-मेल-**smatjbp1@ gmail.com,** फोन- 0761-2411414, 4032436 समस्त विवाद जबलपुर न्यायालयाधीन. पोस्टल रजि. नं. एसएसपी जबलपुर/13/2026-28, **RNI No. 64561/96.**